फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 140 प्रभात जयपुर, सोमवार 22 दिसम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

After Dark : When a Fort Starts Talking Back

The first thing night does is alter the fort's scale. Jaigarh is massive in the day, but at night, the mass becomes mood. Light chooses what you see. Shadow decides what you don't. You begin to walk differently

It is Mathematics Day

'संघ हिंदुओं की सुरक्षा के लिए काम करता है पर मुस्लिम विरोधी नहीं है'

सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि संघ को भाजपा के नज़रिए से समझना गलत है

■ कोलकाता में आरएसएस के शताब्दी समारोह में व्याख्यान देते हुए भागवत ने कहा कि संघ का मुख्य उद्देश्य नैतिक रूप से ईमानदार और गुणी व्यक्तियों का निर्माण करना है, जो सेवा, मूल्यों व राष्ट्रीय गौरव से प्रेरित हों व देश के विकास में योगदान दें।

कोलकाता, 21 दिसंबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि संगठन का कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है और इसे भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नज़रिए से नहीं देखना चाहिए।

भागवत ने संघ के शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में कोलकाता में आरएसएस 100 व्याख्यान माला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, कहा कि आरएसएस को संकीर्ण या तुलनात्मक ढ ांचों से नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर आप संघ को समझना चाहते हैं, तो इसका अनुभव करना पड़ेगा। तुलना करने से गलतफहमी होगी। अगर आप संघ को सिर्फ एक और सेवा संगठन मानते हैं, तो आप गलत हैं।"

भागवत ने कहा, "बहुत से लोगों की प्रवृत्ति संघ को भाजपा के नज़रिए से समझने की होती है, जो बहुत बड़ी गलती है।" उन्होंने कहा कि हालांकि भाजपा के कई नेताओं की जड़ें आरएसएस में हो सकती हैं, लेकिन दोनों अलग-अलग भूमिकाओं वाले अलग-अलग संगठन हैं। बाद में कोलकाता के साइंस सिटी ऑडिटोरियम में एक अन्य कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस राजनीति नहीं करता है और उसका कोई दुश्मन नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह संगठन पूरी तरह से हिंदू समाज की भलाई, सुरक्षा और एकता के लिए काम करता है। उन्होंने कहा, "संघ को अक्सर गलत समझा जाता है। बहुत से लोग इसका नाम जानते हैं लेकिन इसके काम को नहीं समझते। आरएसएस दुश्मनी या टकराव की मानसिकता से काम नहीं करता।" संघ प्रमुख ने कहा कि आरएसएस का मुख्य उद्देश्य सज्जन यानी नैतिक रूप से ईमानदार और गुणी व्यक्तियों का निर्माण करना है जो सेवा, मूल्यों और राष्ट्रीय गौरव से प्रेरित हों और जो देश के विकास में योगदान दें।

भागवत ने कहा कि संगठन के विकास से कुछ लोगों के हितों पर असर पड़ सकता है, जिससे विरोध हो सकता है, लेकिन संघ खुद किसी को दुश्मन नहीं मानता। आरएसएस के मुस्लिम विरोधी होने के आरोपों को खारिज करते हुए भागवत ने कहा कि ऐसी धारणाएं तथ्यों के बजाय कहानियों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि संघ का काम पारदर्शी है और कोई भी इसे देख सकता है। उन्होंने कहा, "जो लोग आए हैं और हमारे काम को देखा है, उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला है कि हम कट्टर राष्ट्रवादी हैं जो हिंदुओं की सुरक्षा के लिए काम करते हैं लेकिन मुस्लिम विरोधी नहीं हैं।" उन्होंने आलोचकों से संगठन का दौरा करने और इसे सीधे समझने का आग्रह किया।

इस दौरान उन्होंने हिंदू समुदाय के अंदर ज़्यादा एकता और भूली हुई सांस्कृतिक तथा सामाजिक जड़ों की ओर लौटने का आ ान किया। बंगाल की विरासत का ज़िक्र करते हुए भागवत ने स्वामी विवेकानंद, राजा राम मोहन रॉय और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसी हस्तियों को याद किया। उन्होंने सामाजिक सुधार में उनकी भूमिका के लिए राजा राम मोहन रॉय की खास तौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति ने वीबी-जी राम जी विधेयक को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, 21 दिसंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को ग्रामीण रोज़गार नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव वाले विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) : वीबी-जी राम जी विधेयक 2025 को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी।

यह अधिनियम ग्रामीण परिवारों के लिए प्रति वित्तीय वर्ष मज़दूरी रोज़गार की वैधानिक गारंटी को 125 दिनों तक बढ़ाता है और सशक्तिकरण, समावेशी विकास, योजनाओं के अभिसरण (कन्वर्जेंस) तथा परिपूर्ण तरीके से सेवा-प्रदाय को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है, जिससे समृद्ध, सक्षम और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की नींव मजबूत होगी।

■ यह अधिनियम प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 125 दिनों के मजदूरी रोज़गार की गारंटी प्रदान करता है, बशर्तें परिवार के वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक कार्य करने के इच्छुक हों।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यसभा सीट नहीं मिली तो रणनीति पर पुर्नविचार करेंगे- मांझी

■ पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने कहा, "अगर हमें हमारा हक नहीं मिला तो हमें अपनी राह खुद बनानी होगी।"

गया जी, 21 दिसंबर। पूर्व बिहार मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने रविवार को कहा कि उन्हें एनडीए में अनुचित व्यवहार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि उनकी पार्टी, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को आगामी राज्यसभा चुनावों में सीट नहीं दी जाती है, तो उन्हें अपनी राजनीतिक रणनीति पर पुनर्विचार करना पड सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी अपने गयाजी संसदीय क्षेत्र में पार्टी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों के सवालों का भी जवाब दिया। मांझी अपने पुत्र संतोष कुमार सुमन, जो हम के राज्य मंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, के साथ उपस्थित थे। मांझी ने गठबंधन में अपने साथ हुए कथित "विश्वासघात" का जिक्र करते हुए स्थानीय भाषा मगही में कहा, "अगर हमें हमारा हक नहीं मिला तो हमें अपनी राह खुद बनानी होगी। मेरा अपना मंत्री पद कोई बड़ी बात नहीं है। अगर मैं केंद्रीय कैबिनेट में नहीं भी रहूं तो भी मैं राजनीतिक रूप से टिक जाऊंगा।" उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी, जिसका संसद में केवल एक सांसद है, अब राज्यसभा में भी सीट चाहती है। हालांकि, जब पत्रकारों ने उनसे और सवाल किए, तो मांझी ने अपनी विशिष्ट शैली में पलटी लेते हुए कहा, "कृपया मेरे शब्दों को संदर्भ से बाहर न पेश करें। मैं अपनी पार्टी का निर्णय नहीं ले सकता क्योंकि मैं उसका कार्यालय अधिकारी नहीं बल्कि केवल संरक्षक (संग्रक्षक) हूं।"

'बाँग्लादेश उच्चायोग सुरक्षित, बाँग्लादेशी मीडिया दुष्प्रचार से बचे'

■ विदेश मंत्रालय ने कहा कि लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए।

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। विदेश मंत्रालय ने यहां स्थित बंगलादेश उच्चायोग की सुरक्षा के बारे में बंगलादेशी मीडिया में किए जा रहे दुष्प्रचार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि उच्चायोग की सुरक्षा की स्थिति खराब करने की कोई कोशिश नहीं की गई है और लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां स्थित बंगलादेश उच्चायोग के सामने शनिवार को हुए प्रदर्शन के बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में रविवार को कहा कि भारत विएना कन्वेंशन के अनुसार अपने क्षेत्र में विदेशी मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बंगलादेशी मीडिया इस बारे में दुष्प्रचार कर लोगों को गुमराह कर रहा है।

प्रवक्ता ने कहा, "हमने इस घटना पर बांग्लादेशी मीडिया के कुछ हिस्सों में गुमराह करने वाला दुष्प्रचार देखा है। सच यह है कि 20 दिसंबर को नई दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के सामने लगभग 20-25 युवा इकट्ठा हुए और उहोंने मैमनसिंह में दीपू चंद्र दास की भयानक हत्या के विरोध में नारे लगाए, साथ ही बांग्लादेश में सभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मनरेगा से गांधी का नाम हटाना, उनकी दूसरी हत्या है- चिदंबरम

वरिष्ठ कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कहा कि इस विधेयक से ग्रामीण रोजगार की गारंटी कमज़ोर हो गई

■ पी. चिदंबरम ने कहा कि गांधी और नेहरू को सरकारी आदेशों से नहीं मिटाया जा सकता, वे देश की चेतना में बुद्ध और यीशू की तरह जीवित हैं।

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम से गांधी का नाम हटाने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने इसे महात्मा गांधी की दूसरी हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि संसद से पारित नए कानून के जरिए न सिर्फ गांधी की स्मृति को मिटाने की कोशिश की गई है, बल्कि ग्रामीण गरीबों के अधिकारों पर भी सीधा प्रहार हुआ है।

चिदंबरम ने कहा कि 18 दिसंबर को संसद ने विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक पारित किया, जो 20 साल पुराने मनरेगा कानून की जगह लेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बदलाव बिना पर्याप्त चर्चा के किया गया और इससे ग्रामीण रोजगार की कानूनी गारंटी कमजोर हो गई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी इस कानून का लगातार विरोध करेगी। हालांकि आज ही यानी रविवार को राष्ट्रपति ने इस बिल को मंजूर भी कर दिया है।

चिदंबरम ने कहा कि महात्मा गांधी की पहली हत्या 30 जनवरी 1948 को हुई थी और अब उनकी स्मृति को फिर से खत्म करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि गांधी और नेहरू को सरकारी आदेशों से नहीं मिटाया जा सकता, वे देश की चेतना में बुद्ध और यीशु की तरह जीवित हैं।

चिदंबरम ने कहा कि मनरेगा एक मांग आधारित अधिकार था। अगर कोई काम मांगता था तो सरकार कानूनी रूप से उसे काम देने के लिए बाध्य थी। नए कानून में यह अधिकार खत्म हो गया है और अब सरकार की मर्जी से काम दिया जाएगा। इससे ग्रामीण गरीब, दिहाड़ी मजदूर और महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी।

चिदंबरम ने नए कार्यक्रम के नाम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी अक्षरों में लिखे गए हिंदी नाम दक्षिण भारत के ग्रामीणों के लिए समझना मुश्किल है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब यह योजना पूरे देश में लागू नहीं होगी, बल्कि केवल केंद्र द्वारा तय किए गए जिलों तक सीमित रह जाएगी।

पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि पहले केंद्र सरकार मजदूरी का पूरा खर्च उठाती थी और सामग्री लागत का 75 प्रतिशत देती थी। नए कानून में राज्यों पर ज्यादा बोझ डाला जा रहा है। बजट आवंटन लगातार घट रहा है। चार साल पहले जहां 1.11 लाख करोड़ रुपये थे, अब यह 65 हजार करोड़ तक आ गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राज्यों के पास पैसा नहीं हुआ तो योजना जमीन पर लागू ही नहीं हो पाएगी।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में महायुति की विजय

मुंबई, 21 दिसंबर। महाराष्ट्र में आए 288 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के परिणामों ने महायुति को राज्य की अविवादित शक्ति बना दिया है। कुल 288 निकायों में से महायुति ने 215 पर कब्जा किया है, जिसमें भाजपा 129, एकनाथ शिंदे की शिवसेना 51 और अजित पवार की एनसीपी 35 निकायों के साथ अग्रणी हैं। इसके विपरीत, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) मात्र 51 निकायों पर सिमट गई है, जिसमें कांग्रेस (35) ने उद्धव सेना (9) और शरद पवार की एनसीपी (7) की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है।

■ कुल 288 निकायों में से भाजपा ने 129, एकनाथ शिंदे ने 51 तथा अजित पवार ने 35 पर विजय प्राप्त की।

कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने अपनी हार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय सांख्यिकी संस्थान पर आरएसएस का प्रभाव बढ़ा- राहुल गांधी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि शिक्षा संस्थान विचारधारा से नहीं ज्ञान-विज्ञान से चलने चाहिए

■ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि संसद सत्र के दौरान आईएसआई के छात्रों ने उनसे मुलाकात यह चिंता जताई थी कि अकादमिक फैसलों में आरएसएस का दखल बढ़ रहा है।

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) पर धीरे-धीरे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का संस्थागत प्रभाव बढ़ रहा है। उनका कहना था कि शिक्षा संस्थान किसी विचारधारा से नहीं, बल्कि ज्ञान और विज्ञान से चलने चाहिए। राहुल गांधी ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान आईएसआई के छात्रों से हुई मुलाकात का एक वीडियो अपने वाट्सऐप पर साझा किया।

ज्ञातव्य है कि यह बातचीत संसद परिसर में उनके 'जन संसद' कार्यक्रम के तहत हुई थी, जिसमें वे अलग-अलग वर्ग के लोगों से मिलते हैं। राहुल गांधी ने बताया कि आईएसआई के छात्रों ने वही चिंताएं जताईं, जो देश के दूसरे शिक्षण संस्थानों के छात्र और शिक्षक पहले से उठाते आ रहे हैं। छात्रों का कहना है कि आईएसआई में अब अकादमिक फैसलों में आरएसएस का दखल बढ़ रहा है।

इस दौरान राहुल गांधी ने इस बात पर भी जोर दिया कि आईएसआई कोई साधारण संस्थान नहीं है। यह संस्थान आंकड़े, गणित, अर्थशास्त्र, डेटा साइंस, कंप्यूटर साइंस और नीति निर्माण जैसे क्षेत्रों में उच्च स्तरीय शोध करता है और देश को विश्वस्तरीय विशेषज्ञ देता रहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जिन अकादमिक परिषदों को शिक्षाविदों द्वारा चलाया जाना चाहिए, वहां अब नौकरशाही और विचारधारा का हस्तक्षेप हो रहा है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम और रिसर्च पर भी आरएसएस की विचारधारा थोपने की कोशिश की जा रही है।

राहुल गांधी ने आगे इसे शिक्षा सुधार नहीं, बल्कि शिक्षा और संस्थानों को कमजोर करने की साजिश बताया। राहुल गांधी का कहना है कि इससे युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है और आगे चलकर इन संस्थानों का निजीकरण या उनकी संपत्तियों को बेचने की तैयारी की जा सकती है।

राहुल गांधी ने साफ कहा कि यह हमला सिर्फ संस्थानों पर नहीं, बल्कि देश की बौद्धिक आज़ादी, वैज्ञानिक सोच और युवाओं के भविष्य पर है। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस इसे किसी भी हालत में होने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा को आज़ादी चाहिए और देश के संस्थान ज्ञान, विज्ञान और स्वतंत्र सोच से चलने चाहिए, न कि किसी भी विचारधारा से।

हरियाणा की सायबर क्राइम थाना टीम रिश्वत की राशि के साथ पकड़ी गई

जयपुर, 21 दिसम्बर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अजमेर टीम ने कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना साइबर क्राइम सिरसा, हरियाणा, के उपनिरीक्षक सुरेन्द्र कुमार एवं पुलिस स्टाफ के अन्य सदस्यों को छह लाख रुपये की अवैध राशि सहित पकड़ा।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ब्यूरो में गोपनीय जानकारी प्राप्त हुई कि हरियाणा पुलिस का स्टाफ हरियाणा में दर्ज साइबर क्राइम के मुकदमे के अनुसंधान एवं आरोपियों की तलाश के लिए आया हुआ है एवं प्रकरण में संदिग्ध लोगों को डरा धमकाकर अवैध रूप से रिश्वत राशि प्राप्त कर वाहन संख्या एचआर 24 जीवी 2222 से हरियाणा जा रहा है।

■ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने कुचामन सिटी में चैकिंग के दौरान हरियाणा के उपनिरीक्षक व पुलिस स्टाफ को 6 लाख रूपए की अवैध नकदी के साथ पकड़ा।

एसीबी अजमेर की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना भाटी के नेतृत्व में तुरन्त कार्यवाही करते हुये जिला डीडवाना-कुचामन में पुलिस थाना कुचामन सिटी के क्षेत्र त्रिशिंगिया में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में प्रदूषण रविवार को 400 से अधिक

नयी दिल्ली, 21 दिसंबर। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में रविवार सुबह भी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभीर श्रेणी में बना रहा। शहर के कई प्रमुख इलाकों में सुबह के समय एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया।

■ शनिवार को कई इलाकों में एक्यूआई 500 से अधिक हो गया था।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, अक्षरधाम, आईटीओ, गाजीपुर और आनंद विहार इलाकों में एक्यूआई 438 दर्ज हुआ।

बारापुला फ्लाईओवर पर एक्यूआई 382 और धौला कुआँ पर 397 रहा, जो दोनों बहुत खराब श्रेणी में आते हैं। शनिवार की तुलना में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट की परिभाषा से अरावली का 90 प्रतिशत हिस्सा सुरक्षित क्षेत्र में आयेगा- भूपेंद्र यादव

पिछले दिनों से बड़े स्तर पर चर्चा है कि परिभाषा बदलने से बड़े पैमाने पर खनन की अनुमति दी जा सकेगी

■ केन्द्र सरकार ने कहा कि अरावली के लिए असली खतरा अवैध व अनियंत्रित खनन है। इसे रोकने के लिए कड़ी निगरानी, प्रवर्तन तथा ड्रोन जैसी तकनीक के इस्तेमाल की सिफारिश की है।

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत शृंखलाओं में से एक, अरावली पर्वत शृंखला इन दिनों खूब चर्चा में है। रविवार को केन्द्र सरकार ने उन रिपोर्टों को खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि अरावली की परिभाषा बदल दी गई है ताकि बड़े पैमाने पर खनन की अनुमति दी जा सके। सरकार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने इस क्षेत्र में नए खनन लीज पर रोक लगाई हुई है। मामले में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी वाली नई परिभाषा के अनुसार, अरावली क्षेत्र का 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा सुरक्षित क्षेत्र में आएगा।

ज्ञातव्य है कि बीते दिनों इन पर्वतों के पास खनन की घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका डाली गई। इस पर केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक जवाब दाखिल किया। इसी जवाब के बाद से देशभर में कुछ ऐसे घटनाक्रम हुए हैं, जिन्हें लेकर अरावली शृंखला चर्चा के केंद्र में आ गई। इतना ही नहीं अरावली के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर "सेव अरावली कैंपेन" यानी अरावली बचाओ अभियान चल पड़ा है।

मामले में सरकार ने साफ किया कि अरावली की परिभाषा राज्यों में प्रमाणित की गई है ताकि किसी प्रकार का गलत इस्तेमाल न हो। इससे पहले, अलग-अलग राज्य खनन की अनुमति देते समय अलग-अलग नियम अपनाते थे।सरकार के अनुसार, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात में कानूनी खनन बहुत ही छोटे हिस्से में होता है, केवल 0.19 प्रतिशत। दिल्ली में खनन की अनुमति नहीं है। केंद्र ने बताया कि अरावली के लिए असली खतरा अवैध और अनियंत्रित खनन है। इसे रोकने के लिए समिति ने कड़ी निगरानी, प्रवर्तन और ड्रोन जैसी तकनीक का इस्तेमाल करने की सिफारिश की है।

सुप्रीम कोर्ट ने मई 2024 में एक समिति बनाई थी, जिसमें राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के प्रतिनिधि शामिल थे। इस समिति का काम था कि अरावली की एक समान परिभाषा तय की जाए। समिति ने पाया कि केवल राजस्थान का ही 2006 से एक स्थायी नियम था, जिसमें कहा गया है कि 100 मीटर या उससे ऊंचे भूमि स्वरूप को पहाड़ी माना जाएगा और उसकी न्यूनतम सीमा के अंदर खनन प्रतिबंधित होगा। ऐसे में अब सभी चार राज्य राजस्थान के इस नियम को अपनाएंगे और कुछ अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी होंगे। इसके तहत 500 मीटर के भीतर आने वाली पहाड़ियों को एक ही श्रृंखला माना जाएगा। खनन की अनुमति देने से पहले भारतीय सर्वेक्षण के नक्शों पर पहाड़ियों और उनकी श्रृंखलाओं का नक्शा बनाना अनिवार्य होगा और कोर और अविनाशी क्षेत्र की पहचान करना होगा, जहां खनन पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। सरकार ने बताया कि यह गलत है कि केवल 100 मीटर से ऊंची जगहों पर खनन पर रोक है। पूरे पहाड़ी क्षेत्र और उसके चारों ओर की भूमि पर रोक लागू होगी।

गौरतलब है कि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने समिति की सिफारिशों को मान्यता दी। इसके अनुसार, कोर और अविनाशी क्षेत्रों, संरक्षित क्षेत्रों, इको-सेंसिटिव जोन, टाइगर रिजर्व, वेटलैंड्स और उनके आसपास खनन पर पूरी तरह रोक रहेगी। केवल कुछ विशेष, राष्ट्रीय महत्व के खनिजों के लिए ही सीमित छूट होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अरावली क्षेत्र में नई खनन लीज़ तब तक नहीं दी जाएगी जब तक भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद द्वारा सतत खनन प्रबंधन योजनातैयार नहीं हो जाती।

विचार बिन्दु

पूरे यत्न से इतिहास की रक्षा करनी चाहिए, इतिहास और अपना प्राचीन गौरव नष्ट कर देने से विनाश निश्चित है। –महाभारत

साहित्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता

इधर साहित्य की दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने बड़ी हलचल पैदा कर रखी है। बहुत सारे लेखकों और साहित्यानुरागियों को लगता है कि यह एक नई महामारी है जो कुछ समय में सब कुछ को ख़त्म कर देगी। लेखक के पास लिखने-करने को कुछ रहेगा नहीं और पाठक को जो भी मिलेगा वह सब कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचित होगा। ऐसा मानने वाले बहुत सारे लोग ऐसे हैं जिन्होंने केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नाम सुना है और जिन्हें अभी तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न पक्षों को जानने समझने का मौका नहीं मिला है। आज जो प्रतिक्रिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर हो रही है, कुछ-कुछ वैसी ही प्रतिक्रिया कुछ दशक पहले कम्प्यूटर को लेकर भी हुई थी। लेकिन हम पाते हैं कि वे आशंकाएं अधकचरी थीं और आज स्थिति यह है कि कम्प्यूटर हमारी ज़िंदगी का ज़रूरी हिस्सा बन गया है और उसने हमें जितना नुकसान पहुंचाया है उससे ज़्यादा सुविधाएं भी हमें प्रदान की हैं। यह तो समय ही बताएगा कि क्या इतिहास अपने आप को दुहराएगा, अभी तो हम थोड़ा गहराई में जाकर यह विचार कर सकते हैं कि जितनी जानकारी अभी हमें सुलभ है उसके अनुसार कृत्रिम बुद्धि साहित्य को कैसे प्रभावित करने जा रही है। यहीं यह बात भी ध्यान में रखी जानी चाहिए कि तकनीक बहुत तेज़ी से बदल और विकसित हो रही है, इसलिए यह भविष्यवाणी करना कि कल, या अगले कुछ वर्षों में ऐसा हो जाएगा, ख़तरे से खाली नहीं है। बहुत सम्भव है कि कल तकनीक कोई और ही रूप ले ले।

अभी साहित्य से जुड़े लोग इस बात को लेकर आशंकित हैं कि भविष्य में कविता, कहानी, उपन्यास सब कुछ कृत्रिम बुद्धि रच देगी। यह आशंका एकदम तो निर्मूल नहीं है। अभी जितने साधन हमें सुलभ हैं उनके द्वारा भी ऐसा किया जाना सम्भव हो चुका है। आप कृत्रिम बुद्धि के किसी टूल को ठीक से निर्देश (कमाण्ड) दें तो पलक झपकते ही आपके सामने तदनुरूप रचित 'चीज़' हाज़िर हो जाएगी। आप चैटजीपीटी को कविता लिखने का आदेश दे सकते हैं और आपको कविता मिल जाएगी। आप कुछ बिंदु दें तो कहानी भी मिल सकती है, और कदाचित उपन्यास भी। अब अगर मैं इस तरह से कुछ रच कर अपने नाम से प्रकाशित करवा लूं तो? मैं तो बग़ैर रचनात्मक प्रतिभा के रचनाकार बन जाऊंगा। क्या पता उस निर्मिति को कोई पुरस्कार भी मिल जाए! वह रचना मेरी नहीं है, यह दावा कौन करेगा? कृत्रिम बुद्धि तो दावा करने आएगी नहीं! इसे नैतिक प्रश्न भी मान सकते हैं! अभी तो कॉपीराइट कानून में भी इस समस्या का कोई समाधान नहीं है, क्योंकि कानून पहले बना था, समस्या बाद में उत्पन्न हुई है। यह भी सोचिये कि पहले जिस तरह बहुत सारे प्रकाशक छद्म लेखन करवाते थे क्या वैसे ही अब बहुत सारे प्रकाशक कृत्रिम लेखन नहीं करवाने लग जाएंगे? अख़बार और पत्र पत्रिकाओं के संपादक भी लेखक पर निर्भर रहने की बजाय 'आत्म निर्भर' नहीं हो जाएंगे? इसका ॲसर जहां लेखकों की आजीविका, उनकी महत्ता और उनकी रचनात्मकता पर पड़ेगा, वहीं वे लोग जो साहित्य से वैचारिक ऊर्जा ठाहण करते हैं, उनकी भी तो हानि होगी।

लेकिन ये सब तो नकारात्मक बातें हैं। क्या कृत्रिम बुद्धि से साहित्य का और साहित्यकारों का कोई भला नहीं होगा? कल्पना कीजिए कि आप एक उपन्यास लिखना चाहते हैं। एक स्थूल-सी रूपरेखा आपके मन में है। आप उसी रूपरेखा को विकसित करके एक उपन्यास बनाना चाहते हैं और इसके लिए कृत्रिम बुद्धि से मदद मांगते हैं। आपको कुछ बिंदु सुझा दिए जाते हैं। आप उन्हें विकसित करके कथा का रूप देते हैं। आपका श्रम कुछ कम हो गया है और इसका लाभ आप अपनी कथा को संवारने में उठाते हैं। यह तो बुरी बात नहीं है। मनुष्य अपने श्रम को बचाने के लिए बहुत सारे प्रयास हमेशा ही करता रहा है। कल तक हम पहाड़े रटते थे आज वही काम कैलक्युलेटर से करा लेते हैं। इसी तरह अगर आप अपने सोचने का कुछ बोझ कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर डाल देते हैं तो मुझे इसमें कोई बुराई नज़र नहीं आती। आप एक कहानी लिखते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा कि उसका अंत कैसे किया जाए! आप कृत्रिम बुद्धिमत्ता से सुझाव मांगते हैं और फिर उसके द्वारा दिये गए सुझावों में से किसी सुझाव को आधार बना कर अपनी कहानी को पूर्णता की तरफ ले जाते हैं, तो इसमें कोई बुराई नहीं है। सारी बात का सार यह कि आप कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग सहायता के लिए करें, न कि पूरी तरह उसी पर निर्भर हो जाएं। ऐसा करना पूरी तरह आपकी नैतिकता पर निर्भर करेगा।

अब से कुछ बरस पहले मशीनी अनुवाद हम सबके लिए हास्य और उपहास का विषय हुआ करता था, क्योंकि मशीन से हासिल किए गए अनुवाद अटपटे और ख़ासे मनोरंजक होते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब मशीनी अनुवाद लगभग निर्दोष होते हैं। रोज़मर्रा के काम की अभिव्यक्तियां बहुत अच्छी तरह से एक से दूसरी भाषा में रूपांतरित हो जाती हैं। बेशक मनुष्य अभी भी उत्कृष्ट है, लेकिन अब मशीनी अनुवाद भी निकृष्ट नहीं रह गया है। तो इसी तरह सर्जनात्मकता के क्षेत्र में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास करेगी, यह माना जा सकता है।

शायद हममें से बहुतों को इस बात की जानकारी नहीं है कि ये पंक्तियां लिखते समय भी हमारी अपनी भाषा में ऐसे अनेक टूल सुलभ हो गए हैं जो साहित्य सृजन में मददगार हैं। उदाहरणार्थ एक टूल है शायर एआई जिसे हिंदी कविताओं के डेटाबेस पर तैयार किया गया है और इसकी मदद लेकर आप पारंपरिक हिंदी-उर्दू शैली में शेर वगैरह तैयार कर सकते हैं। इसी का एक और रूप हिंदी शायरी जनरेशन मॉडल्स भी है जो पारंपरिक शैली की ग़ज़ल तैयार कर सकता है। इसी तरह एक टूल है एआईपोयम जनरेटर जहां आप कोई विषय देकर कविता लिखवा सकते हैं। आप कहें कि मुझे प्रेम पर कविता चाहिए, तो यह टूल आपको एक भावनात्मक कविता बनाकर दे देगा। उसमें आप कोई सुधार चाहेंगे तो यह सुधार भी कर देगा। इससे यह न समझ लें कि एआई केवल कविता और शायरी ही कर सकता है, राइट क्रीम्स स्टोरी जनरेटर बच्चों के लिए ऐसी कहानी तैयार करके दे देता है जो सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और नैतिकता का संदेश देने वाली हो। पैराफ्रेस टूल का शॉर्ट स्टोरी जनरेटर भी छोटी कहानियां तैयार कर देता है। जानकारों का कहना है कि बहुत सारे लेखक, जो तकनीक के मामले में अग्रगामी हैं, चैटजीपीटी, जैस्परएआई या ग्रोक की मदद लेकर कभी कहानी का प्लॉट प्राप्त कर रहे हैं या कभी उसका विकास कर रहे हैं या कभी अपने लिखे को परिष्कृत कर रहे हैं। अनुवाद के मामले में तो एआई की मदद अब सर्व स्वीकार्य है।

निश्चय ही अभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता हिंदी में काम करने में उतनी दक्ष नहीं है जितनी दक्ष वह अंग्रेज़ी या कुछ अन्य भाषाओं में काम करने में है। इसलिए स्वभावतः हम हिंदी वाले उससे अधिक लाभ नहीं ले पा रहे हैं। यह बताने की ज़रूरत नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को भी बाकायदा प्रशिक्षित किया जाता है। मज़ाक में कहूं तो यह कि अभी उसने हिंदी ठीक से सीखी नहीं है। लेकिन अगर हम चाहेंगे तो वह जल्दी ही सीख जाएगी। इस बात का बहुत बढ़िया उदाहरण अनुवाद की दुनिया से दिया जा सकता है, अब से कुछ बरस पहले मशीनी अनुवाद हम सबके लिए हास्य और उपहास का विषय हुआ करता था, क्योंकि मशीन से हासिल किए गए अनुवाद अटपटे और ख़ासे मनोरंजक होते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब मशीनी अनुवाद लगभग निर्दोष होते हैं। रोज़मर्रा के काम की अभिव्यक्तियां बहुत अच्छी तरह से एक से दूसरी भाषा में रूपांतरित हो जाती हैं। बेशक मनुष्य अभी भी उत्कृष्ट है, लेकिन अब मशीनी अनुवाद भी निकृष्ट नहीं रह गया है। तो इसी तरह सर्जनात्मकता के क्षेत्र में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकास करेगी, यह माना जा सकता है।

मेरा सोच तो यह है कि हमें अनावश्यक और अतार्किक आशंकाओं से बचना चाहिए। तकनीक का विकास हमेशा ही नुकसानदायक नहीं होता है। और सारी बात का सार तो यह है कि आप उसे कैसे बरतते हैं! आप उससे सहायता लेते हैं और उस प्राप्त सहायता को अपनी बुद्धि के स्पर्श से परिष्कृत करते हैं तो यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन अगर आप एकदम निठल्ले हो जाएं और सब कुछ कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर ही छोड़ दें तो ऐसा करना आपकी ग़लती होगा और इसके लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता को दोष नहीं दिया जाना चाहिए। जैसा मैंने प्रारम्भ में कहा, तकनीक बहुत तेज़ी से परिवर्तित और विकसित हो रही है, अतः आने वाला समय ही बताएगा कि वह क्या रूप लेती है।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

अमानक दवाओं से जीवन से खिलवाड़

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले ही यह दावा किया जाता है कि दवाओं की जांच के लिए जो सेंपल लिए जाते हैं उनमें से केवल 3 प्रतिशत दवाएं निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरती पर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दवा के एक भी नमूने में निर्धारित मात्रा व संयोजन में कंपोनेंट नहीं है तो यह स्वीकार नहीं होनी चाहिए। पिछले कुछ माहों के समाचारों का ही विष्लेषण किये जाये तो मध्यप्रदेश राजसथान सहित देश के कई हिस्सों में खांसी की दवा के चलते बच्चों की जान ना केवल सांसत में आई बल्कि कुछ बच्चों को तो जिंदगी से हाथ धोना पड़ा। हांलाकि लीपापोती के नाम पर यह सफाई दी गई कि दवा डाक्टर ने नहीं लिखी थी या चिकित्सालय से दवा नहीं दी गई थी। सवाल यह है कि अमानक दवाएं तैयार कर जीवन से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई नहीं होना उनके हौसले को ही बढ़ाती है। माना जाता है कि नकली पेस्टीसाइड बनाने व बेचने वालों के लिए सख्त सजा का प्रावधान है तो फिर दवाओं के सेंपल फेल हो जाने पर उस बेच की दवाओं को बाजार से हटाने की बात तो कर दी जाती है पर किसी दवा निर्माता को दवाओं के सेंपल विफल होने पर सजा मिलने के समाचार लगभग दिखाई ही नहीं देते।

गत पांच सालों में 14 हजार से अधिक दवाओं के सेंपल विफल हुए हैं। मजे की बात यह है कि इनमें से अधिकांश बुखार, खांसी के साथ ही ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी गंभीर बीमारी के भी है। अब कल्पना की जा सकती है कि बीपी या शुगर के बीमार पर अमानक दवाओं का क्या असर होता होगा या हो सकता है। सामान्य से गंभीर बीमारी की दवाओं के सेंपल विफल होना इस बात का साफ संकेत है कि दवा निर्माताओं में ना तो मरीजों के प्रति गंभीरता है और ना ही किसी कानूनी कार्रवाई का डर। यह तो वह आंकड़ें है जो सामने आ जाते हैं नहीं तो बाजार में आने वाली दवाओं के सभी के सभी बैच के सेंपल जांच के लिए लेना या जांच करना संभव भी नहीं तो व्यावहारिक भी नहीं लगता। ऐसे में अमानक पाये जाने पर कठोर कार्रवाई लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों में भय व सबक सीखा सकती है।

दवाओं के निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरने के साथ ही जीवनदायिनी दवाओं के तेजी से बेअसर होना भी एक समस्या होती जा रही है। इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौरतरीके से अनविज्ञ होना या फिर जानबुझकर लावपरवाही बरतने के साथ ही खान पान से जुड़ी गलतियां भी है। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है। देश-विदेश के चिकित्सक एएमआर को वैश्विक महामारी का नाम देने लगे हैं। देखा जाए तो आज सबसे अधिक मौत का कारण दवाओं का बेअसर होना है। कोरोना के बाद तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बहुत अधिक बढ़ा है। दरअसल कोरोना के बाद जहां एक और आम व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक सजग हुआ है तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग भी बढ़ा है।

सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में यदि भारत की बात की जाए तो 95 प्रतिशत तक एंटीबायोटिक दवाओं को ईलाज में शामिल किया जा रहा है। यह 95 प्रतिशत का आंकड़ा अतिशयोक्ति पूर्ण भले ही हो सकता है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाएं धडल्ले से लिखी जा रहा है। यह तो तब है जब मेडिकल से जुड़े विभिन्न मंचों व शोध निष्कर्षों में यह खुलासा हो चुका है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य को नुकसान ही पंहुचाने लगा है तो दूसरी और बैक्टिरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने से दवाओं का असर कम होने लगा है।

दवाओं के तेजी से बेअसर होने को लेकर देष-दुनिया के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अत्यधिक चिंता में हैं। मेडिकल से जुड़े जर्नल द लैसेंट में इस संबंध में एक के बाद एक चेतावनी भरे लेख सामने आ रहे हैं। यहां तक कि एएमआर को मेडिकल इंमरजेंसी के रुप में देखा जाने लगा है। दरअसल कोरोना के बाद लोग थोड़ा सा स्वास्थ्य खराब होते ही डॉक्टर की शरण में जाने को वरियता देने लगे है। यह अच्छी बात भी है पर जिस तरह से कोरोना के दौरान और उसके बाद एंटीबायोटिक का उपयोग अधिक बढ़ा है वह चिंतनीय हो गया है। हालात यहां तक हो गए हैं कि प्रति व्यक्ति 30 प्रतिषत अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक का उपयोग होने लगा है। दवाओं का बेअसर होने का सीधा सीधा असर किडनी, लीवर, ब्रेन, हार्ट आदि प्रभावित होने लगे हैं। इन गंभीर बीमारियों में एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होने लगा है।

इसे सकारात्मक ही माना जाएगा कि आज लोग स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग हुए हैं। जरा सा स्वास्थ्य गड़बड़ाने लगते ही लोग दवाओं का सहारा लेना आरंभ कर देते हैं। ऐसे में दवाओं की गुणवत्ता और मानकों पर खरी होना अधिक आवश्यक हो जाता है। दूसरी और अत्यधिक एंटिबायोटिक लिखने और सेवन को भी नियंत्रित किया जाना जरुरी हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकार इन हालातों से अनजान है बल्कि सरकार गंभीर प्रयास करने के साथ ही सख्त कानूनी प्रावधानों की दिशा में बढ़ रही है। दवाओं के पैकिंग पर असली नकली की पहचान के लिए क्यूआर कोड लगाने जैसी कदम उठा रही हैं पर निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरने वाले बैच की दवाओं को उपयोग से बाहर करने के सीमित कदम के स्थान पर निर्माता पर सख्त से सख्त कार्रवाई के प्रावधान होने ही चाहिए। ऐसे मामलों में न्यायालयों को भी सख्ती का संदेश देना चाहिए ताकि किसी को अनजाने में किसी की गलती से जीवन से हाथ नहीं धोना पड़े।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

जलवायु परिवर्तन से उपजे संकट
जब मौसम बदलता है, तो पूरा गांव बदल जाता है

मणिमाला शर्मा

राजस्थान में जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ मौसम विभाग की रिपोर्ट का विषय नहीं रहा, यह ठाामीण जीवन की हकीकत बन चुका है। पिछले कुछ वर्षों में राज्य में वर्षा का कुल स्तर थोड़ा बढ़ा है, लेकिन उसका वितरण पूरी तरह असंतुलित हो गया है। मानसून के कुछ ही दिनों में पूरे सीजन जितनी बारिश गिर जाना और फिर लंबे सूखे दौर का सामना करना अब आम बात बन चुकी है। इसी कारण राजस्थान के कई जिलों को एक ही वर्ष में बाढ़ और सूखे दोनों का सामना करना पड़ रहा है।

आंकड़े बताते हैं कि पिछले दशक में औसत तापमान में स्पष्ट वृद्धि हुई है। विशेषकर जून-जुलाई के महीनों में हीटवेव के दिन बढ़ गए हैं। इसका असर खेतों में काम करने के घंटों, फसलों की वृद्धि और पशुओं की सेहत पर साफ दिखाई दे रहा है। पशुपालन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बढ़ती गर्मी और चारे की कमी के कारण कई इलाकों में दूध उत्पादन में 15 से 20 प्रतिशत तक कमी आई है। प्रदेश की भूजल रिपोर्टें भी दर्शाती हैं कि राजस्थान के लगभग 85 प्रतिशत भूजल ब्लॉक अत्यधिक दोहन की श्रेणी में आ चुके हैं। यानी बारिश होने के बावजूद पानी की स्थायी उपलब्धता अब गंभीर चुनौती बन गई है।

गांवों की जमीनी तस्वीर और भी चिंताजनक है। नाथूबसर (चूरू), पिपलोदी (झालावाड़), सांचौर और चितलवाना (पश्चिमी राजस्थान) जैसे गांवों में किसान अब अपने अनुभव और परंपरागत ज्ञान पर भरोसा नहीं कर सकते। लालचंद पूनिया (नाथूबसर) कहते हैं, पहले सावन में बारिश तय रहती थी, अब कब बरस पड़े और कब गायब हो जाए, कोई भरोसा नहीं। खेती अब किस्मत पर चल रही है। रामकुमार नागर (पिपलोदी) बताते हैं, सात-आठ साल में पहली बार इतना नुकसान देखा। या तो बारिश बंद रहती है या पूरे सीजन जितना पानी एक ही बार में गिर जाता है। पवनसिंह देवड़ा (सांचौर) कहते हैं, पहले आकाश देखकर अंदाजा लगा लेते थे, अब मौसम अचानक बदल जाता है। फसल कितनी बचेगी, पता नहीं।

खेती के संकट के साथ-साथ पशुपालन भी गहरी चुनौती बन चुका है। नागौर, बाड़मेर और चूरू में घास की कमी, अनियमित बारिश और तेज गर्मी ने पशुओं की सेहत प्रभावित की है। दूध उत्पादन घटा है और कई छोटे पशुपालक अपने पशुओं की संख्या कम करने को मजबूर हो गए हैं। मदनलाल नाई (रतनगढ़, चूरू) बताते हैं, पहले चारागाह हरे रहते थे। अब बारिश कम या अचानक ज्यादा होने से घास ठीक से नहीं उगती। बाहर से चारा खरीदना पड़ता है। इससे लागत बढ़ रही है और आमदनी घट रही है।

इस बार राजस्थान के दक्षिणी जिलों, जैसे उदयपुर और गोगुंदा, में बारिश अच्छी हुई है, लेकिन तेज बारिश और मिट्टी कटाव ने चरागाहों और छोटे तालाबों को प्रभावित किया है। इसका असर पशुपालन और मवेशियों की संख्या पर साफ दिखाई दे रहा है। किसानों का कहना है कि यह असमान वितरण उनकी आर्थिक सुरक्षा को डगमगा रहा है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा, लेकिन अदृश्य असर महिलाओं पर पड़ रहा है। राज्य में पीने के पानी की समस्या पहले से ही भयावह है। ऐसे में बाड़मेर, जैसलमेर और टोंक में महिलाएं पहले से ज्यादा दूरी तय कर पानी ला रही हैं। पशुधन के चारे की दिक्कत और रोजगार की कमी ने पुरुषों का पलायन बढ़ा दिया है। इसके कारण खेत और घर दोनों की जिम्मेदारी महिलाओं पर आ गई है। कमला देवी (उनियारा, टोंक) कहती हैं, पहले एक चक्कर में पानी मिल जाता था। अब दो-तीन बार जाना पड़ता है। गर्मी बढ़ने से यह काम और मुश्किल हो गया है।

बार-बार खराब होती फसलें, बढ़ती लागत और घटती पैदावार ने किसानों को कर्ज और मानसिक दबाव के दायरे में ला दिया है। झालावाड़ और कोटा के किसान बताते हैं कि एक खराब सीजन अगले साल को संभालना मुश्किल बना देता है। हेमराज मीणा (झालावाड़) कहते हैं, कर्ज पहले भी था, लेकिन अब डर बढ़ गया है। मौसम कब साथ छोड़ दे, कोई नहीं जानता।

राजस्थान में पानी की स्थिति समय के साथ और अधिक गंभीर होती जा रही है। कई जिलों में अच्छी बारिश के बावजूद भूजल स्तर में स्थायी सुधार नहीं हो पा रहा है। तालाब, जोहड़ और पारंपरिक जल संरचनाएं कमजोर हो रही हैं। इसका असर सीधे गांव की महिलाओं और बच्चों पर पड़ता है। स्थानीय स्तर पर कुछ पंचायतें तालाब, जोहड़ और चेक डैम बनाकर जल संचयन कर रही हैं। रेनवाटर हार्वेस्टिंग, ड्रिप सिंचाई और फसल विविधीकरण के प्रयास भी शुरू हो रहे हैं। फिर भी योजनाओं का लाभ सीमित है।

राजस्थान का ग्रामीण परिदृश्य साफ संकेत देता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चेतावनी नहीं, बल्कि वर्तमान का संकट है। मौसम बदल चुका है। अब हमारी सोच, नीति और तैयारी को भी उसी के अनुसार बदलना होगा।

–मणिमाला शर्मा,
वरिष्ठ पत्रकार

अच्छा साहित्य समाज में पथ प्रदर्शक की भूमिका निभाता है : राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

■ अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मान समारोह में साहित्यकार रवि पुरोहित को राज्यपाल बागड़े ने सम्मानित किया

बीकानेर, (निसं)। पीएमश्री अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालसोट में आयोजित अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि अच्छा साहित्य समाज में पथ प्रदर्शक की भूमिका निभाता है और विद्रूपताओं को मिटाता है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है, जो समाज को नई दिशा एवं सोच देता है। यह समाज को सोचने पर मजबूर करता है। उन्होंने साहित्य के भाव को स्पष्ट करते हुए कहा कि साहित्य में सबका हित निहित होता है। इसका मूल तत्व सबका हित साधना है। उन्होंने कबीर एवं रहीम के साहित्य के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने साहित्य के माध्यम से समाज सुधारने का संदेश दिया, जो रूढियों एवं बुराइयों का प्रतिकार करता है। उन्होंने मैथिली शरण गुप्त एवं वाल्मीकि की ओर से साहित्य के माध्यम से समाज को दिए योगदान का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि देश की आजादी से पहले विदेशियों ने हमारे देश का काफी झूठा इतिहास भी लिखा है, जिसे सुधारने की जरूरत है। उन्होंने इसे आधुनिक साहित्यकारों की जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि आप ऐसे विकृत इतिहास को खोजें और सुधारें। इससे पूर्व राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं अन्य अतिथियों ने अनुराग सेवा संस्थान के 31 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित अखिल भारतीय अनुराग साहित्य अलंकरण समारोह में बीकानेर के साहित्यकार रवि पुरोहित को उनकी काव्य कृति 'आग अभी शेष है' के लिए शकुंतला देवी रावत स्मृति अनुराग साहित्य सम्मान सहित विभिन्न राज्यों से चयनित 31 साहित्यकारों को शॉल, सम्मान पत्र, स्मृति चिह्न एवं सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रवि पुरोहित ने कहा कि पुरस्कार व सम्मान साहित्यकार की सामाजिक जिम्मेदारी का विस्तार करते हैं। साहित्य मनुष्य को केवल मनोरंजन नहीं देता, यह मानसिक व बौद्धिक विकास का सूत्र बीज और विद्रूप के प्रतिकार हेतु चेतना का अमोघ अस्त्र सौंपता है। संवेदना का विकास नव समाज के निर्माण में साहित्य की सबसे बड़ी देन है।

शिविर में वर्षों पुरानी समस्या सुलझी

■ रास्ता लंबे समय से प्रचलन में था, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में कटान दर्ज नहीं होने से ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था

सीकर, (निसं)। ग्राम पंचायत मुख्यालय शाहपुरा, तहसील धोद में आयोजित ग्रामीण समस्या समाधान शिविर-2025 ग्रामीणों के लिए आशा और राहत की किरण बनकर सामने आया। वर्षों से चली आ रही एक गंभीर समस्या, जो रोज़मर्रा के जीवन को प्रभावित कर रही थी, उसका समाधान इस शिविर में कुछ ही मिनटों में हो गया। ग्राम शाहपुरा के लगभग 25-30 परिवारों के लिए एक रास्ता जीवनरेखा के समान था। यह रास्ता लंबे समय से प्रचलन में था, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में कटान दर्ज नहीं होने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। कई बार प्रयासों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था। शिविर के दौरान मूलचन्द पुत्र भूराराम, छोटु पुत्र धुकलराम सहित लगभग 20 ग्रामीणों ने अपनी समस्या शिविर प्रभारी के समक्ष रखी। हल्का पटवारी मूलचन्द जाट ने मौके पर ही निरीक्षण कर मात्र 15 मिनट में रास्ते का प्रस्ताव तैयार कर दिया। तहसीलदार धोद भरतदान द्वारा प्रस्ताव को तुरंत स्वीकार कर लिया गया। इस त्वरित कार्यवाही से ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। जिस समस्या ने वर्षों तक परेशान किया, उसका समाधान एक ही शिविर में हो जाना सरकार की जन समस्या समाधान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ग्रामीणों ने इस सफल पहल के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं क्षेत्रीय विधायक गोवर्धन वर्मा का आभार व्यक्त किया और आशा जताई कि भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित होते रहेंगे, जिससे आमजन की समस्याओं का समाधान समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से हो सके।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 22 दिसम्बर, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र मंगलवार प्रातः 5:32 तक, ध्रुव योग सायं 4:40 तक, कौलव करण दिन 10:52 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 11:07 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-धनु, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज से राष्ट्रीय पौष मास आरम्भ होगा। रज्जब मु.मास 7 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः अमृत सूर्योदय से 8:33 तक, शुभ 9:51 से 11:08 तक, चर 1:42 से 3:00 तक, लाभ-अमृत 3:00 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:15, सूर्यास्त 5:34 तक

मेष
अपने अति व्यावसायिक आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आज धार्मिक-मांगलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

सिंह
घर-परिवार में अनावश्यक वाद-विवाद हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

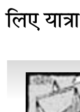

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

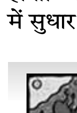

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

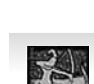

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

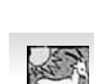

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

युवा स्वस्थ दिनचर्या का पालन कर फिट रहें और प्रदेश के विकास में योगदान दें : मुख्यमंत्री

'राज्य सरकार 92 हजार नियुक्तियां दे चुकी, इस माह भी 20 हजार युवाओं को मिलेंगी नौकरी'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं से आव्हान किया कि, स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहें तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें, जिससे प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू सके। अगर प्रदेशवासी एक कदम आगे बढ़ेंगे तो राजस्थान कई गुना आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री, राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की कड़ी में रविवार को ''रन फॉर विकसित राजस्थान'' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अमर जवान ज्योति से ''रन फॉर विकसित राजस्थान'' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को ''रन फॉर विकसित राजस्थान'' में युवाओं के साथ दौड़े।

- पिछली कांग्रेस सरकार में पेपरलीक हुए: हमने 296 भर्ती परीक्षाएं करवाईं, इनमें से एक का भी पेपरलीक नहीं हुआ : भजनलाल शर्मा

भजनलाल शर्मा ने कहा कि, हमारी सरकार ने बीते दो वर्ष में हर क्षेत्र और हर वर्ग के उत्थान के लिए निर्णय लिए। विशेषकर युवाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस कदम उठाए है। जबकि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदते हुए अनेक पेपरलीक के प्रकरण हुए थे, जबकि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। हमारा लक्ष्य है कि युवाओं को 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरियां दी जाए। राज्य सरकार ने बीते 2 वर्ष के कार्यकाल में अब तक 92 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रदान की है तथा 1.53 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। इस माह भी लगभग 20 हजार पदों पर युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है।राज्य सरकार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दे रही है, जिससे वे अब रोजगार प्रदाता भी बन रहे है।

युवा मामलात एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने दो वर्ष में हर क्षेत्र में काम किया हैं, जिससे युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर मिले हैं। हमारी सरकार राज्य को भारत में अग्रणी स्टेट बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ दौड़ में हिस्सा लेकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इससे पहले भजनलाल शर्मा ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के पदक विजेताओं का सम्मान भी किया। इस दौरान विधायक कुलदीप, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल नीरज के. पवन सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी मौजूद रहे।

राजस्थान में परिवहन और लॉजिस्टिक अवसंरचना मजबूत कर रही सरकार

- पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के चार स्टेशन टू-लेन सड़कों से जुड़े, 8 स्टेशनों का काम शीघ्र होगा पूरा
- 112 करोड़ रुपये की लागत से 59 किलोमीटर लंबी टू-लेन सड़कों का निर्माण
- 564 किलोमीटर फ्रेट कॉरिडोर पर 18 नवीन फ्रेट स्टेशन विकसित कर रही है राज्य सरकार

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं प्रभावी नीतियों के फलस्वरूप राजस्थान में परिवहन तथा लॉजिस्टिक अवसंरचना के विकास की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। राज्य सरकार द्वारा माल परिवहन लागत में कमी लाने एवं औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गत 2 वर्षों में किए गए प्रयास अब मूर्त रूप ले रहे है।

माल परिवहन को और अधिक सुलभ, त्वरित एवं किफायती बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की प्रमुख धुरी माने जाने वाले पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) के प्रदेश से गुजरने वाले खंड में सभी फ्रेट कॉरिडोर स्टेशनों को ऑल-वेदर टू-लेन सड़कों से जोड़ने का काम किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के 12 नवीन स्टेशनों तक कनेक्टिविटी सुदृढ़ करने के लिए लगभग 112 करोड़ रुपये की लागत से 59 किलोमीटर लंबी टू-लेन सड़कों के निर्माण का कार्य प्रगतिरत है। इनमें से चार स्टेशनों- किशनगढ़, मारवाड़ जंक्शन, केशवगंज एवं बनास स्टेशनों तक सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

अन्य आठ स्टेशनों, श्रीमाधोपुर, सराधना, हरिपुर, चंडावल, जवाली, बिरोलिया, साखून एवं स्वरूपगंज स्टेशनों को भी टू-लेन सड़कों से जोड़ने का कार्य जारी है। इन सड़कों के निर्माण से उद्योगों को कच्चे माल एवं तैयार उत्पादों के परिवहन में सुगमता मिलेगी साथ ही लागत में भी कमी आएगी। लॉजिस्टिक दक्षता में वृद्धि होने के कारण औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा तथा रोजगार के नवीन अवसर उपलब्ध होंगे।

फ्रेट कॉरिडोर की कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ बनाने के लिए बधाल डीएफसीसी टर्मिनल को राष्ट्रीय राजमार्ग-52 से जोड़ने के लिए 95 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। साथ ही मुख्य जिला सड़क-81 पर बागावास बाईपास के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। यहां भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

इसके अतिरिक्त मंडा रीको औद्योगिक क्षेत्र को लालासर (एमडीआर-81) से जोड़ने के लिए 9 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी प्रदान की जा चुकी है एवं कार्य प्रगति पर है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय रेलवे द्वारा विकसित किए जा रहे 1504 किलोमीटर लंबे पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में से लगभग 564 किलोमीटर का महत्त्वपूर्ण खंड राजस्थान से होकर गुजरता है। इस मार्ग पर 18 नवीन फ्रेट स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। इनमें से 12 स्टेशन पूर्व में समुचित सड़क सुविधा से वंचित थे। राज्य सरकार की बजट घोषणा के बाद इन सभी स्टेशनों को ऑल वेदर रोड से जोड़ने का काम प्रगति पर है।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में टाइगर व लायन सफारी बनी आकर्षण का केन्द्र

- 20 दिनों में 30 हजार से ज्यादा सैलानियों ने लिया रोमांचक अनुभव

जयपुर। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रविवार को पर्यटकों का सैलाब उमड़ पड़ा। बदलते मौसम के सुहावने मिजाज और छुट्टी के दिन के उत्साह ने पर्यटकों को प्रकृति की गोद में खींच लाया। कुल 4025 सैलानियों ने नाहरगढ़ जैविक उद्यान का भ्रमण कर वन्यजीवों का नजदीक से अवलोकन किया।

इस दौरान लायन सफारी और टाइगर सफारी पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण बनी रहीं। उप वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि 552 पर्यटकों ने दोनों सफारियों का रोमांचक अनुभव प्राप्त किया और शेर व बाघ की चंचल अदाओं को देख उत्साहित हुए। बाघों की गर्जना और शेरों के शाही ठाठ ने पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गौरतलब है कि पर्यटन सीजन में सैलानियों का सैलाब उमड़ रहा है यही कारण है कि विगत 20 दिनों में 30 हजार से अधिक सैलानी टाइगर व लायन सफारी का रोमांचक अनुभव उठा चुका हैं।

उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं और प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एसीएफ देवेंद्र सिंह राठौड़, रेंजर शुभम शर्मा ने रविवार को सफारियों की सघन मॉनिटरिंग की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रैंज अधिकारी शुभम शर्मा की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी संचालन और भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था की गई।

युवक से मोबाइल छीन भागे बदमाश

जयपुर। गांधी नगर इलाके में बाइक सवार बदमाश पैदल फोन पर बात करते जा रहे युवक के हाथ पर झपट्टा मार आईफोन छीनकर फरार हो गए। अचानक हुई वारदात से पीड़ित घबरा गया और बाइक के नंबर नहीं देख सका। पीड़ित ने थाने पहुंच घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए आसपास नाकाबंदी भी की। लेकिन पुलिस के हाथ कोई सफलता नहीं लगी। पुलिस ने बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी तलाश शुरु कर दी है। हेड कॉन्स्टेबल भरतलाल ने बताया कि रोताश सिंह (33) डीग,कुम्हेर निवासी शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे नारायण सिंह सर्किल से नगर निगम कार्यालय की तरफ पैदल मोबाइल फोन पर बात करता हुआ जा रहा था। इसी दौरान सुबोध कॉलेज के गेट के पास रॉग साइड से आए बाइक सवार बदमाशों ने उसके हाथ पर झपट्टा मारा और आईफोन -13 प्रो छीनकर फरार हो गए। पीड़ित ने बाइक सवार बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन बाइक सवार बदमाश तेज रफ्तार में बाइक चलाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

अशोक गहलोत का दावा ''90 प्रतिशत अरावली खत्म हो जाएगी'' पूरी तरह भ्रामक और असत्य : राजेन्द्र राठौड़

'अरावली श्रृंखला के मानदंड कांग्रेसराज में लागू हुए थे, वर्ष 2003 में जिलेवार नक्शे भी मुख्यमंत्री रहते गहलोत ने जारी किए थे'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भाजपा के पूर्व उप नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का यह दावा पूरी तरह भ्रामक और झूठा है कि ''90 प्रतिशत अरावली खत्म हो जाएगी।'' अरावली पर्वतमाला जैसे गंभीर पर्यावरणीय विषय पर सुप्रीम कोर्ट और केन्द्र सरकार के विरूद्ध भ्रम फैलाना दुर्भाग्यपूर्ण है। करीब ढाई अरब साल पुरानी, विश्व की सबसे प्राचीन 700 किमी लंबी अरावली पर्वत श्रृंखला में 100 मीटर का मानदंड केवल ऊंचाई तक सीमित नहीं है। न्यायालय द्वारा स्वीकृत परिभाषा के अनुसार 100 मीटर या उससे ऊंची पहाड़ियों, उनकी ढलानों और दो पहाड़ियों के बीच 500 मीटर के क्षेत्र में आने वाली सभी भू-आकृतियां खनन पट्टे से पूरी तरह बाहर रखी गई हैं, चाहे उनकी ऊंचाई कुछ भी हो। यह व्यवस्था पहले से अधिक सख्त और वैज्ञानिक है।

राजेन्द्र राठौड़

- अरावली सुरक्षित है, सरकार का रुख स्पष्ट है-अरावली पर्वतमाला की सुरक्षा, पर्यावरण संतुलन और कानून का पालन सर्वोपरि रहेगा : राठौड़
- राठौड़ ने कहा कि गत 18 दिसंबर को गहलोत ने ''अरावली बचाओ'' के नाम पर सोशल मीडिया पर अभियान छेड़ा और प्रोफाइल पिक्चर बदली। परंतु राहुल गांधी, खरगे, पायलट अथवा डोटासरा ने अपनी प्रोफाइल फोटो नहीं बदली। यह दर्शाता है कि जो दावा गहलोत कर रहे हैं, उसमें स्वयं उनकी पार्टी का समर्थन भी नहीं है।''

राठौड़ ने रविवार को भाजपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता में कहा कि वास्तविक स्थिति यह है कि अरावली क्षेत्र का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा अभ्यारण्य, राष्ट्रीय उद्यान और आरक्षित वनों में आता है, जहां खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके अलावा पूरे अरावली क्षेत्र में से केवल लगभग 2.56 प्रतिशत क्षेत्र ही सीमित, नियंत्रित और कड़े नियमों के तहत खनन के दायरे में आता है। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जब तक इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च एंड एजुकेशन द्वारा अरावली क्षेत्र का विस्तृत वैज्ञानिक मापन और सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार नहीं हो जाती, तब तक कोई नया खनन पट्टा जारी नहीं किया जा सकता। ऐसे में अरावली के नष्ट होने की बात करना अशोक गहलोत का सिर्फ भ्रम फैलाने का प्रयास है।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि, कमेटी की बातचीत में यह स्पष्ट तथ्य सामने आए कि अरावली क्षेत्र में खनन को नियंत्रित करने की औपचारिक परिभाषा केवल राजस्थान के पास थी, जो 2002 की कमेटी रिपोर्ट और रिचर्ड मर्फ (1968) के लैंडफॉर्म क्लासिफिकेशन पर आधारित है। इस परिभाषा के अनुसार स्थानीय ऊँचाई से 100 मीटर या उससे अधिक उठने वाली पहाड़ियों और उनकी ढलानों पर खनन प्रतिबंधित है और राजस्थान 9 जनवरी 2006 से इसका पालन कर रहा है। यानी तब से ऐसी पहाड़ियों में कोई खनन पट्टा नहीं दिया गया। इसके बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा यह कहना कि केंद्र सरकार ने अरावली को 100 मीटर में सीमित कर दिया है, यह तथ्यात्मक रूप से गलत है, क्योंकि यही मानदंड कांग्रेस शासनकाल में तय और लागू हुआ था। गत 19 अगस्त 2003 को जिलेवार नक्शे तैयार करने के निर्देश भी अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री रहते जारी किए गए थे। वर्षों तक इस परिभाषा को लागू रखने के बाद आज इसे गलत बताना न्यायिक फैसले को राजनीतिक रंग देने का प्रयास नहीं तो और क्या है ?

राठौड़ ने कहा कि गत 18 दिसंबर को अशोक गहलोत ने ''अरावली बचाओ'' के नाम पर सोशल मीडिया पर एक अभियान शुरू किया और अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदली लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न तो कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, न कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं न कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और न ही पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदली। यह साफ दर्शाता है कि जिस अभियान का दावा किया जा रहा है, उसमें स्वयं उनकी पार्टी का समर्थन भी उनके साथ नहीं है।

उन्होंने कहा कि जब किसी मुद्दे पर पार्टी के शीर्ष नेता भी उनके साथ खड़े न हों, तो स्पष्ट हो जाता है कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि राजनीतिक दिखावा है। अरावली जैसे संवेदनशील विषय पर प्रतीकात्मक राजनीति नहीं, बल्कि न्यायालय के आदेशों और वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होती है।

राठौड़ ने कहा कि सर्वे ऑफ इंडिया के विश्लेषण से स्पष्ट है कि कमेटी की परिभाषा लागू होने पर अरावली क्षेत्र में खनन नहीं बढ़ेगा बल्कि और अधिक सख्ती आएगी। राजस्थान के राजसमंद में 98.9 प्रतिशत, उदयपुर में 99.89 प्रतिशत, गुजरात के साबरकांठा में 89.4 प्रतिशत और हरियाणा के महेंद्रगढ़ में 75.07 प्रतिशत पहाड़ी क्षेत्र खनन से प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा, राष्ट्रीय उद्यान, इको-सैंसिटिव ज़ोन, रिज़र्व एवं प्रोटेक्टेड फ़ॉरेस्ट और वेटलैंड्स में खनन पूरी तरह बंद है। वर्तमान में अरावली क्षेत्र के 37 ज़िलों में कुल भौगोलिक क्षेत्र का केवल 0.19 प्रतिशत (277.89 वर्ग किमी) हिस्सा ही कानूनी खनन पट्टों के अंतर्गत है जिसमें भी लगभग 90 प्रतिशत खनन राजस्थान, नौ प्रतिशत गुजरात और एक प्रतिशत हरियाणा तक सीमित है। इसलिए 90 प्रतिशत अरावली पहाड़ियों के खत्म होने की बात कानूनी और भौगोलिक रूप से पूरी तरीके से असत्य है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

जयपुर। श्रीअमरापुर स्थान में श्री अमरापुर सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन प्रात: 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया गया। शिविर के अंतर्गत डॉक्टरों की नि:शुल्क परामर्श के साथ - साथ हड्डी रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, वरिष्ठ हेल्थ परामर्शदाता आदि की सेवाओं के साथ साथ नि:शुल्क दवा भी वितरित की गई। जिसमें सैकड़ो भक्त लाभान्वित हुए। संतो ने बताया कि विशेषज्ञ डॉ के परामर्श से जटिल एवं गंभीर बीमारियों का समाधान एक ही स्थान पर सुगम प्रकार से मिल सके ,इसलिए इस प्रकार के सेवा शिविरों का आयोजन समय- समय पर किया जाता है। शिविर में डॉक्टर सुभाष राजपूत, डॉ. आशा लता,डॉ. संजय, डॉ. राजेश जोगी, एवं समाजसेवी तरुण मेठवानी, संजीत सिंह, रुक्मणि अमरवानी साहित स्वनेत्र आई टीम एवं अन्य विशेषज्ञों ने सेवाएं दी।

कार्यालय-उपायुक्त, सांगानेर जोन नगर निगम जयपुर
(सांगानेर स्टेडियम वाली रोड, गर्ल्स स्कूल के पास)
क्रमांक-एफ-53/डी.सी./एसएनजैड/ननिज/2025-26/7600
सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति दिनांक-15/12/25
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मनीषा शर्मा पत्नी श्री संतोष कुमार शर्मा द्वारा लक्ष्मी कॉलोनी, के.एल.वाल्मिकी रोड, सांगानेर जिला जयपुर का उपविभाजन/नाम हस्तान्तरण चाहने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है।
क्र.सं.-1, **आवेदक का नाम**-श्रीमती मनीषा शर्मा पत्नी श्री संतोष कुमार शर्मा, **भूखण्ड का स्थल**-लक्ष्मी कॉलोनी, के. एल. वाल्मिकी रोड, सांगानेर जयपुर, **वार्ड नं.**-90, **अनुमानित क्षेत्रफल (वर्गगज)**-149.74, **योजना**-उपविभाजन/नाम हस्तान्तरण
अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उपविभाजन/नाम हस्तान्तरण किये जाने के संबंध में यदि किसी संस्था/व्यक्ति/हितधारक को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि में मय दस्तावेज के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है, अन्यथा आवेदक के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी करने की कार्यवाही संपादित कर दी जावेगी।
(डॉ. रवि कुमार गोयल) आर.ए.एस
उपायुक्त सांगानेर जोन नगर निगम जयपुर

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर जोन), नगर निगम जयपुर
(अम्बाबाड़ी सर्किल, अम्बाबाड़ी, जयपुर)
क्रमांक- एफ-55 ()वि.जोन/ ज.न.नि./2025/3394 दिनांक: 20.12.2025
सार्वजनिक सूचना:
भूखंड सं. 56, स्कीम नं.11 झोटवाड़ा, जयपुर (नेशनल गृह.नि.स.स) का श्रीमती प्रेम कँवर पत्नि श्री ओमप्रकाश सिंह को दिनांक 19.04.2002, क्षेत्रफल 200 वर्गगज भूमि का लीज डीड पट्टा जारी किया गया था। प्रकरण में मूल आवंटी द्वारा रजि. उपहार पत्र के आधार पर दिनांक 24.01.2022 को भूखंड श्री रघुवीर सिंह शेखावत एवं श्री रविन्द्र सिंह शेखावत पुत्रान ओमप्रकाश सिंह के पक्ष में कर दिया। तत्पश्चात श्री रघुवीर सिंह शेखावत एवं श्री रविन्द्र सिंह शेखावत पुत्रान ओमप्रकाश सिंह ने रजि. विक्रय पत्र के आधार पर भूखंड सं. 56 (साउथ पार्ट) स्कीम नं. 11, झोटवाड़ा जयपुर, क्षेत्रफल 100 वर्गगज, श्रीमती गणेशी देवी पत्नि श्री लाला राम को बेचान कर दिया। आवेदिका श्रीमती गणेशी देवी पत्नि श्री लाला राम द्वारा भूखंड सं. 56 (साउथ पार्ट) स्कीम नं. 11, झोटवाड़ा, जयपुर क्षेत्रफल 100 वर्गगज का उपविभाजन अपने पक्ष में किये जाने हेतु आवेदन किया गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कंपनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार उपविभाजन की कार्यवाही संपादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त: विद्याधर जोन, नगर निगम जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत नींदडदा, पंचायत समिति स.मा., जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक :-103 दिनांक :-15/12/25
ई-निविदा सूचना संख्या - 07/2025-26
पंचायत समिति सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत नींदडदा में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यों हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्तें व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत नींदडदा, पं.स.स.मा. जिला-सवाई माधोपुर
NIB- ZSM2526A0708
UBN- ZSM2526WSOB00821 to 22
प्रशासक, ग्राम पंचायत नींदडदा, पं.स.स.मा. जिला-सवाई माधोपुर

एलईडी वैन से गांव-गांव पहुंच रहीं सरकार की उपलब्धियां

- विकास रथ बने ग्रामीणों के आकर्षण का केन्द्र, योजनाओं की जानकारी से हो रहे रूबरू

जयपुर । वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 2 साल : नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत जयपुर जिले में विकास रथों के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विकास रथ (एलईडी वैन) द्वारा जिले की विभिन्न विधानसभाओं के गांव-गांव तक पहुँचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुँचाई जा रही है।

इसी कड़ी में रविवार को जिले की पांच विधानसभाओं के विभिन्न ग्रामों में एलईडी वैन के माध्यम से विकास रथों ने भ्रमण कर ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं से अवगत कराया। एलईडी स्क्रीन पर ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों के जरिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा बीते दो वर्षों में किए गए विकास कार्यों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, महिला सशक्तिकरण, किसानों के हित में लिए गए निर्णयों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी एवं रोजगार से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया।

भोमपुरा गौशाला में गौवंश की मौत का मामला राज्य सरकार तक पहुंचा

जयपुर से पशुपालन विभाग के उच्चाधिकारी रायसिंहनगर पहुंचे और गौशाला का निरीक्षण किया

- ग्रामीणों ने बताया कि गौशाला में लंबे समय से अव्यवस्थाएं थी, लेकिन उच्च अधिकारियों ने समय रहते ध्यान नहीं दिया
- मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) स्तर पर इस पूरे प्रकरण की निगरानी की जा रही है

रायसिंहनगर, (निसं)। यहां गांव भोमपुरा स्थित गौशाला में लगभग 100 गौवंशों की संदिग्ध मौत का मामला राज्य सरकार तक पहुंच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जयपुर से पशुपालन विभाग के उच्चाधिकारी रायसिंहनगर पहुंचे और गौशाला का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) स्तर पर इस पूरे प्रकरण की निगरानी की जा रही है।

पशुपालन विभाग के निदेशक पंकज ओझा, संयुक्त निदेशक मनोज बरवड़ा, डीडी शशि रंजन सर्वा और वरिष्ठ पशु अधिकारी जितेंद्र यादव ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों को जिले में ही रुककर हालात सुधारने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इस बीच जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन ने मामले को दबाने के आरोप लगाए। प्रशासन ने श्यामगढ़ के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र सुथार को निलंबित कर दिया है, जिससे ग्रामीणों और गौसेवकों में रोष बढ़ गया है। बजरंग सेना के संभाग अध्यक्ष रामचंद्र सिहाग और जिला अध्यक्ष दिनेश ठोलिया ने डॉ. सुथार की बहाली की मांग करते हुए आरोप लगाया कि छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर बड़े अधिकारियों को बचाया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि गौशाला में लंबे समय से अव्यवस्थाएं थीं, लेकिन उच्च अधिकारियों ने समय रहते ध्यान नहीं दिया। उनका आरोप है कि अब मामला सामने आने पर केवल निचले स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। शनिवार को गौशाला में नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर ग्रामीणों और प्रशासन की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि जब तक निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा। वर्तमान में गौशाला में 55 गोवंश बीमार स्थिति में हैं। आठ पशु चिकित्सक, 12 एलएसए (पशुधन सहायक) और चार पशुधन सहायकों की एक टीम उनके उपचार में जुटी हुई है।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर जर्मन दंपती को ठहराया, मामला दर्ज

- आरोपी के खिलाफ अप्रवास अधिनियम के तहत मामला दर्ज, पहले धर्मांतरण का केस भी हुआ था

श्रीकरणपुर, (निसं)। यहां भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक जर्मन दंपती को अवैध रूप से ठहराने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई थाने के उपनिरीक्षक माला सिंह की रिपोर्ट पर अप्रवास विदेशी विषयक अधिनियम 2025 के तहत की गई है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित श्रीकरणपुर क्षेत्र में विदेशी नागरिकों के आगमन पर सख्त प्रतिबंध हैं। यदि कोई विदेशी नागरिक यहां आता है, तो उसके लिए कड़े नियम लागू होते हैं। इसके बावजूद जर्मन दंपति श्रीकरणपुर पहुंचा और सूत्रों के अनुसार गांव 16 एस माझीवाला के सीमावर्ती क्षेत्र में भी घूमकर आया था। इससे पहले विश्व हिंदू परिषद सहित जागरूक लोगों की सूचना पर चल रहे धर्मांतरण के खेल पर पुलिस ने दबिश दी थी।

पूर्व में शरद गुंबर की रिपोर्ट पर धर्मांतरण के नए कानून के तहत एक मुकदमा दर्ज किया गया था। अब उपनिरीक्षक माला सिंह ने विदेशी नागरिकों को यहां ठहराने और उनके खाने-पीने की व्यवस्था करने वाले युवक के खिलाफ अलग से मामला दर्ज कराया है। उपनिरीक्षक माला सिंह ने धारा 170 बीएनएसएस में गिरफ्तार बलजिंदर सिंह और राजेश कंबोज से पूछताछ की। जर्मन निवासी सेवनबोस बैटसलर पुत्र रिगो बैटसलर और उनकी पत्नी सांडर बैटसलर को राजेश कुमार कंबोज ने श्रीकरणपुर के कचीथेड़ी स्थित अपने मकान में तीन-चार दिन तक ठहराया था। राजेश कुमार कंबोज ने इन विदेशी नागरिकों को रहने और खाने-पीने की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई थी। राजेश पॉपी द्वारा अपने रिहायशी मकान में सीमावर्ती क्षेत्र में नियम विरुद्ध विदेशी नागरिकों को ठहराने और इसकी सूचना एफआरओ (विदेशी पंजीकरण अधिकारी) या स्थानीय पुलिस प्रशासन को नहीं देने का यह कृत्य धारा 8/23 अप्रवास व विदेशी विषयक अधिनियम 2025 के तहत दंडनीय है। इन धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार जांच थानाधिकारी को सौंपी गई है।

हाईवे पर बदमाशों ने वाहनों पर पथराव किया

नेशनल हाईवे-48 की घटना, 8-10 वाहनों के कांच टूटे

- ट्रक ड्राइवर ने एक व्यक्ति को पत्थर मारते हुए देखा था, उस आधार पर एक युवक को पकड़ा

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के ऋषभदेव थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर कुछ बदमाशों ने रविवार को चलते वाहनों पर पथराव किया। पथराव से आठ-10 वाहनों के कांच टूट गए। एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गया। वहीं, डूंगरपुर डिपो की रोडवेज बस पर अचानक पत्थर बरसने से यात्री सहम गए। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं लगी।

घटना कागदर आवासीय स्कूल के सामने ओवरब्रिज की है। जहां ट्रक, बस और कार पर पथराव हुआ। अचानक पथराव होता देख वाहनों चालकों ने गाड़ियां रोक ली। वे वाहनों से बाहर आ गए और विरोध जताने लगे। घटना के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए लंबा जाम लग गया। सूचना पर ऋषभदेव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। थानाधिकारी हेमंत अहारी ने बताया कि एक ट्रक ड्राइवर ने एक व्यक्ति को पत्थर मारते हुए देखा था। उस आधार पर एक युवक को पकड़ा है। हालांकि वह युवक मानसिक रूप से कमजोर लग रहा है। पूछताछ में स्पष्ट नहीं बता रहा। हालांकि पुलिस घटना में और भी लोगों के शामिल होने की आशंका पर जांच में जुटी है।

एमपी से दिल्ली ले जाई जा रही 1.11 करोड़ की नगदी सहित पांच गिरफ्तार

नाकाबंदी के दौरान स्कार्पियो कार से नगदी जब्त की, मौके पर मशीन मंगवाकर नोटों की गिनती करवाई

- तलाशी में कार में बैग मिले, जिसमें 500, 200,100 व 50 रुपए के नोटों के बंडल थे

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अवैध गतिविधियों पर अंकुश अभियान के तहत मध्य प्रदेश से दिल्ली ले जाई जा रही स्कार्पियो कार से एक करोड़ 11 लाख रुपए की नगदी के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार व कार जब्त की है।

सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह मीणा व सीओ हेमराज बैरवा के नेतृत्व में सवाई माधोपुर जिले भर में नाकाबंदी कर वाहनों की संधन तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान 20 दिसंबर को रवांजना डूंगर थाना प्रभारी दिलीप कुमार वर्मा व मानटाउन थाना प्रभारी सुनील कुमार गुप्ता की टीमों द्वारा नाकाबंदी के दौरान मध्य प्रदेश से दिल्ली जा रही स्कार्पियो कार को रोका गया। कार के आगे, पीछे नंबर प्लेटों पर मिट्टी लगी थी व कार सवार पांच लोगों के हावभाव भी संदिग्ध पाए जाने पर पूछताछ की गई। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर वाहन की तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान पीछे की सीट पर बैग मिले, जिसमें 500, 200,100 व 50 रुपए के नोटों के बंडल मिले, जिन्हें मशीन मंगवाकर गिनती कराए जाने पर एक करोड़ 11 लाख रुपए निकाले। कार में सवार पांच लोगों से पूछताछ करने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इस पर पुलिस ने अवैध संग्रहण व परिवहन पाए जाने पर धारा 106 बीएनएस के तहत राशि को जब्त कर आयकर विभाग को सूचित किया।

आयकर विभाग रवांजना डूंगर थाने में आरोपियों से पूछताछ कर रही है। आरोपियों में मयंक राठौर निवासी तलवाड़ा डैम जिला बड़वानी मध्य प्रदेश, विश्वनाथ साहू निवासी सोनाघाटी जिला बैतूल मध्य प्रदेश, सचिन जायसवाल निवासी सलावत जिला खरगोन मध्य प्रदेश, सुदामा कुशवाह निवासी बड़ागरी जिला दतिया मध्य प्रदेश व राकेश मरकाम निवासी मरकाम ढाना जिला छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश को गिरफ्तार कर आयकर विभाग की टीम रवांजना डूंगर थाने में पूछताछ कर रही है।

कॉपर तार और ऑयल चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

सिंगल फेज ट्रांसफॉर्मर से कॉपर और ऑयल चुरा लिया था

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की दोवड़ा थाना पुलिस ने घोड़ी आमली गांव में सिंगल फेज डीपी (डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर) से कॉपर तार और ऑयल चोरी करने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक रुमानाथ उर्फ रुमालिया पर उदयपुर के दो थानों में कुल 11 मामले दर्ज हैं। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

दोवड़ा थानाधिकारी परमेश्वर पाटीदार ने बताया कि यह मामला दोवड़ा एवीवीएनएल के एईएन नरेश कुमार मीणा की रिपोर्ट पर दर्ज किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, घुनीफला फला घोड़ी आमली में लगे सिंगल फेज ट्रांसफॉर्मर को 17 दिसंबर की रात दो अज्ञात व्यक्तियों ने नीचे गिरा दिया था। इसके बाद उन्होंने ट्रांसफॉर्मर से कॉपर और ऑयल चुरा लिया।

मामले को लेकर पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी पप्पू पुत्र रंगलाल कनिपा, निवासी गणेश लीमड़ी घोड़ी आमली तथा उसके सहयोगी रमानाथ उर्फ रुमालिया कालबेलिया को गिरफ्तार किया। रुमालिया मठ मादड़ी, प्रतापनगर, उदयपुर का निवासी है और वर्तमान में वाड़ी घाटी परसाद में रह रहा था। दोनों आरोपियों ने पूछताछ के दौरान डीपी से कॉपर और ऑयल चोरी की वारदात कबूल कर ली है। आरोपी रुमालिया के खिलाफ उदयपुर के प्रतापनगर थाने में 10 और नाई थाने में एक सहित कुल 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आगे जांच कर रही है।

53 हजार रूपये रिफंड करवाये

टोंक, (निसं)। थानाधिकारी निवाई घासीराम के नेतृत्व में गठित टीम ने अज्ञात सायबर ठग द्वारा परिवादी के खाते से 53 हजार रूपये ऑनलाईन धोखाधड़ी पूर्वक हड़पने के बाद थाना पुलिस ने ठगों से बाद जांच के 53 हजार रूपये वापिस परिवादी के खाते में रिफण्ड करवाया। थानाधिकारी निवाई ने बताया कि गत 3 दिसम्बर को परिवादी विजय शंकर द्विवेदी निवासी यश बैंक की गली भगत सिंह कॉलोनी निवाई द्वारा थाना निवाई में प्रकरण दर्ज कराया गया कि अज्ञात आरोपी द्वारा मेरी पत्नी पूजा के यूनियन बैंक के खाते से 53 हजार रूपये बिना उसकी अनुमति के काट लिये।

कैंपर गाड़ी ने पांच युवकों को टक्कर मारी, दो की मौत

सड़क किनारे खड़े थे पांचों युवक, तभी हादसा हुआ

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के कोटड़ी थाना क्षेत्र में सवाईपुर रोड पर ढोकलिया विद्युत ग्रिड के पास शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। सवाईपुर की ओर से तेज रफ्तार से आ रहे एक कैंपर ने सड़क किनारे खड़े पांच युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जानकारी मिलते ही 108 एम्बुलेंस और कोटड़ी थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है। मृतकों के शव कोटड़ी अस्पताल की मोर्चरी में रखे गए हैं।

थाना प्रभारी महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि हादसे में बनेड़ा थाना क्षेत्र के डगास निवासी गोविंद पिता कल्याण भील और बाबू पिता शंकरलाल भील की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, डगास के ही भैरू पिता धन्ना भील, विनोद पिता बद्रीलाल भील और फूलिया कला थाना क्षेत्र के रूपपुरा निवासी सांवरा पिता शंकरलाल भील घायल हुए हैं। रविवार को परिजनों के आने के बाद दोनों शवों का कोटड़ी चिकित्सालय में पोस्टमॉर्टम किया गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की गहन जांच कर रही है।

युवक की हत्या कर शव गड्ढे में फेंका, आरोपी गिरफ्तार

महिला से एक तरफा प्रेम के चलते वारदात को अंजाम दिया था

- चितौड़गढ़ हाईवे पर गड्ढे में मृतक का शव मिला था

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके के चितौड़गढ़ हाईवे पर धारदार हथियार से हमला कर युवक की हत्या कर गड्ढे में शव फेंकने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस टीम ने हत्यारे को घटना के कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या के मामले में आरोपी दिलभर गुर्जर को गिरफ्तार किया है।

मामले में सामने आया कि मृतक व आरोपी एक दूसरे से परिचित थे और एक महिला से एक तरफा प्रेम के चलते आरोपी ने मृतक को रास्ते से हटाने के लिये उस पर धारदार हथियार चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी और बाद में शव को गड्ढ में फेंक कर फरार हो गया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 20 दिसम्बर को गुर्जर चौक के पास चितौड़गढ़ हाईवे के फोरलेन की स्लीप लाईन के पास एक गड्ढे में व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली, जिस पर आरकेपुरम पुलिस टीम व घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। शहर एसपी ने बताया कि मृतक की पहचान बाद में रोझड़ी निवासी करण के रूप में हुई। शहर एसपी ने बताया कि मृतक के पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिये शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में आरकेपुरम् थानाधिकारी संदीप विश्नोई एवं कोतवाली थानाधिकारी महेन्द्र मारू के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम व जांच में जुटी डीएसटी टीम ने विभिन्न पहलु पर घटना की जांच की, टीम ने आस-पास लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले। गठित टीम ने ब्लांड मर्डर का खुलासा करते हुए करण की हत्या के मामले में दिलभर गुर्जर को दौलतगंज के पास से डिटेन कर अनुसंधान के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि हत्या के आरोपी दिलभर गुर्जर से पूछताछ में सामने आया कि दिलभर गुर्जर एक महिला से एक तरफा प्यार करता था, उसको शक था कि करण का उस महिला से नजदीकी संबध है इस कारण उसका प्यार सफल नहीं हो पा रहा है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कुछ दिन पूर्व झगड़ा भी हुआ था और एक तरफ प्यार के चलते दिलभर गुर्जर ने करण पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि 19 दिसम्बर को जब करण बाइक को ठीक करवाने निकला था तो दिलभर गुर्जर ने उसकी रैकी कर उसका पीछा किया और बाइक ठीक कराने के बाद शाम को घर जा रहा था तो उसका पीछा कर रहे दिलभर गुर्जर ने फोरलेन स्लीप लाइन के पास उसको रोककर धारदार हथियार चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी और आरोपी चाकू को पास के पत्थरों में छिपाकर स्कूटी से फरार हो गया था। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान किया जा रहा है।

इको कार से 19 पेटी अवैध शराब बरामद, छह गिरफ्तार

- आरोपी सवारियों की आड़ में शराब को गुजरात ले जाने की फिराक में थे

डूंगरपुर, (निसं)। जिला स्पेशल पुलिस टीम (डीएसटी) ने बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के संचिया के पास अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक पैसेंजर इको गाड़ी से 19 पेटी अवैध शराब बरामद की है। इस मामले में ड्राइवर और 3 महिलाओं सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

एसपी मनीष कुमार ने बताया कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। तस्कर इस अभियान से बचने के लिए नए तरीके अपना रहे हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि तस्कर पैसेंजर गाड़ियों में सवारियों की आड़ में अवैध शराब की तस्करी कर रहे हैं। इस सूचना पर डीएसटी की टीम को संचिया वरहात फला की ओर रवाना किया गया। टीम ने अवैध शराब से भरी एक इको कार को रोका।

पुलिस को देखकर ड्राइवर घबरा गया। गाड़ी में सवारियां होने के कारण किसी को शक नहीं हुआ। पुलिस ने जब गाड़ी की तलाशी ली, तो सवारी बैग में ही शराब की 19 पेटियां भरी हुई मिलीं। आरोपी सवारियों की आड़ में शराब को गुजरात ले जाने की फिराक में थे।

पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में प्रवीण (40) पुत्र मीठालाल भगोरा निवासी संचिया, अजय (26) पुत्र विनोद घांसी निवासी कंकाड़ीवास थाना सरदार नगर अहमदाबाद, अजय (23) पुत्र रमेश भाई ठाकोर, आरती (40) पत्नी प्रमोद तमाईचे, सपना (40) पत्नी अजय तमाइचे और राजेश्वरी (33) पत्नी संजू भाई को गिरफ्तार किया है।

ब्लैकमेल करने का आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रताप नगर थाना पुलिस ने अश्लील वीडियो और आपत्तिजनक फोटो वायरल कर ब्लैकमेल करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी राजपाल सिंह ने बताया कि एक महिला ने गत दोनों थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसकी बेटी की शादी से पहले आरोपी आईदान बंजारा उसकी इंस्टाग्राम आईडी के माध्यम से युवती के आपत्तिजनक फोटो वायरल कर रहा है, इसके बाद पीड़िता के पति को जान से मारने की धमकी देते हुए रुपए की भी मांग की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी आईदान बंजारा पुत्र दुर्गा बंजारा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जब्त कर मामले की जांच शुरू की है।

80 लाख रूपये के गबन में सोसायटी की महिला सचिव गिरफ्तार

मामले में सोसायटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष को गिरफ्तार कर चुकी है पुलिस

- महिला आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने इलाके के महालक्ष्मीपुरम सोसायटी के फंड व बैंक खातों में जमा करीब 80 लाख रूपये के गबन व हेराफेरी के मामले में वांछित महिला आरोपी सोसायटी की सचिव महालक्ष्मीपुरम् निवासी रेणु तोमर को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में पूर्व में सोसायटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष को गिरफ्तार कर चूकी है।

बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर ने बताया कि 12 दिसम्बर को महालक्ष्मीपुरम् निवासी फरियादी ने रिपोर्ट दी थी कि सोसायटी के कुछ पदाधिकारियों ने सोसायटी फंड व बैंक खातो में जमा तकरीबन 80 लाख रूपये का गबन व हेराफेरी की है। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान करते हुए पूर्व में महालक्ष्मीपुरम् सोसायटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष को गिरफ्तार किया जा चूका था। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में अनुसंधान के बाद आरोप प्रमाणित होने पर कार्यवाही करते हुए सोसायटी की सचिव महिला आरोपी रेणु तोमर (35) को गिरफ्तार किया। महिला आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से महिला आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

झोपड़ियों में लगी आग, हादसा टला

कोटा, (निसं)। डकनिया रेलवे स्टेशन के पास रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक से झोपड़ियों में आग लग गई। झोपड़ियों में आग लगने की सूचना पाकर अग्निशमन विभाग की दमकल मौके पर पहुंची और आग को फैलने से पहले समय रहते आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि जिस समय झोपड़ी में आग लगी, उस समय टापरी में मजदूर अंदर नहीं थे, मजदूर काम के लिये निकल गये थे।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि रविवार सुबह डकनिया स्टेशन के पास बनी टापरियों में आग लगने की सूचना मिली, जिस पर तुरंत प्रभाव से दमकल को रवाना किया गया। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग दो टापरियों में फैली थी, समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। डकनिया स्टेशन के पास करीब एक दर्जन से ज्यादा टापरियां बनी हुई है। आग की चपेट में आने से टापरियो में रखे मजदूरों के कपड़े व अन्य सामान जल गये, आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।

भीलवाड़ा में खाली पड़े मकानों के नाम पर 10 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

आरोपी ने दो मकान के फर्जी आवंटन बताकर रुपए की ठगी की थी

- फर्जी लेटर पैड पर अधिकारियों के फर्जी साइन और सील लगाकर मकान का फर्जी आवंटन किया जा रहा था

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के खाली पड़े मकानों के नाम पर ठगी का खेल रचने वाले मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया है।

गिरफ्तार आरोपी।

थानाधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के खाली पड़े मकान के नाम पर ठगी का एक खेल रचा जा रहा था। शहर के तिलक नगर विस्तार, चंद्रशेखर आजाद नगर सहित अन्य क्षेत्रों में खाली पड़े मकान बाहर के लोगों को दिखाकर 5 से 10 गुना कम रेट में बेचने का दावा कर फर्जी लेटर पैड पर अधिकारियों के फर्जी साइन और सील लगाकर मकान का फर्जी आवंटन किया जा रहा था। यहां तक कि लेटर पैड पर सचिव नाम से हस्ताक्षर किए गए जबकि हाउसिंग बोर्ड में सचिव नाम की कोई पोस्ट होती ही नहीं है।

इसी तरह से 10 लाख रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी करने वाले मुख्य आरोपी मुकेश नाराणीवाल को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। प्रताप नगर थाना अधिकारी राजपाल सिंह का कहना है कि जवाहर नगर निवासी भगवती लाल भाट ने नाराणीवाल के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया था, इसके बाद जब पुलिस मामले की गहनता से जांच में जुटी तो कई चौंकाने वाले खुलासे हुए और पूरी वारदात खुलकर सामने आई। पुलिस ने भगवती लाल की रिपोर्ट पर मुकेश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मुकेश ने भगवती लाल के भतीजे प्रदीप कुमार को दो मकान के फर्जी आवंटन बताकर 10 लाख रुपए की ठगी को अंजाम दिया था। आरोपी ने 26 जुलाई को प्रत्येक प्लॉट के पैठे 5-5 लाख रुपए जमा करवाने की बात कह कर दो-दो लाख ले लिए। बाद में दो मकान के आवंटन होने की रसीद लाकर 6 लाख और लिए गए। आवंटन आदेश मांगा तो टालमटोल करने लगा, तब परिवादी को शंका हुई और उसके बाद मामला थाने तक पहुंचा। उसके बाद पुलिस जांच में यह पूरा खेल खुलकर सामने आ गया।

महिला पर ब्लैकमेल करने का आरोप, केस दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक युवक ने साथ में काम करने वाली युवती पर ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए हैं। पीड़ित के परिवाद पर जवाहर नगर थाने में केस दर्ज किया गया है। एएसआई राजकुमार अरोड़ा को मामले की जांच सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार पीड़ित युवक जसप्रीतसिंह ने आरोप लगाए हैं कि उसके साथ बीमा एजेंट के रूप में काम करने वाली युवती से दोस्ती हो जाने पर बातचीत होने लगी। आरोपिया ने पिछले साल अगस्त माह में प्रपोज किया। पीड़ित ने स्वयं को शादीशुदा होने का हवाला देकर शादी नहीं कर सकने के बारे में बताया। इस पर आरोपिया ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी दी और मामला निपटाने को पांच लाख रुपए की डिमांड की। पीड़ित ने मामला शांत करने को आरोपिया को ऑनलाइन पेमेंट करनी शुरू की। आरोपिया श्रीगंगानगर में किराए का मकान लेकर रहने लग गई। इसका खर्चा भी पीड़ित उठाता रहा। अब आरोपिया पांच लाख रुपए एकमुश्त मांग रही है और नहीं देने पर गांव में आकर बदनाम करने तथा मुकदमा दर्ज करवाने की धमकियां दे रही है।

डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, राजस्थान, जयपुर
कार्यालय चुनाव अधिकारी
रमाबाई कांफ्रेंस हॉल, 13-14, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर
क्रमांक: चुनाव/2025/SP.10 दिनांक: 14.12.2025
सूचना
डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान के सभी समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि अपरिहार्य कारणों से पूर्व में चुनाव समिति का स्थापित कार्यालय रमाबाई कांफ्रेंस हॉल, डॉ. अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, झालाना डूंगरी जयपुर को स्थानान्तरित कर सी-ब्लाक, रैगर छात्रावास, सांस्थानिक क्षेत्र, JLN मार्ग, दैनिक भास्कर समाचार पत्र कार्यालय के पीछे तथा RAS क्लब के पास कर दिया गया है। चुनाव सम्बन्धी समस्त कार्य रैगर छात्रावास से ही संचालित किये जायेंगे। नामांकन फॉर्म भी वर्तमान कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं।
जे.पी. विमल IAS(R) अध्यक्ष चुनाव समिति

पांच करोड़ रु. की क्रिप्टो साइबर ठगी गिरोह के 3 बदमाश गिरफ्तार

आरोपियों में वारदात के 2 मास्टरमाइंड और एक खाताधारक शामिल

जयपुर (कासं)। जवाहर सर्किल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब पांच करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के दो मास्टरमाइंड सहित एक खाताधारक को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ऑनलाइन ठगी से प्राप्त राशि को क्रिप्टो करेंसी (यूएसडीटी) में बदलकर व्हाइट मनी में कन्वर्ट करते थे। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व सजीव नैन ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन ठगी से प्राप्त राशि को क्रिप्टो करेंसी (यूएसडीटी) में बदलकर व्हाइट मनी में कन्वर्ट कर करीब पांच करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के अनिल श्योराण (23) निवासी रामगढ़ शेखावाटी जिला सीकर हाल जगतपुरा जयपुर, अनुराग सिंह (22) निवासी फतेहपुर शेखावाटी जिला सीकर हाल जगतपुरा, जयपुर और शुभम गुप्ता (21) निवासी सिविल लाइन जिला मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों के कब्जे से मिले खातों की जांच 1930 साइबर पोर्टल पर की गई। जहां 19 बैंक खातों से जुड़े ऑनलाइन फ्रॉड की शिकायत दर्ज मिलीं। आरोपियों ने बेरोजगार व जरूरतमंद लोगों को कमीशन का लालच देकर उनके बैंक खाते खुलवाए और ठगी की रकम को क्रिप्टो करेंसी में बदलकर ट्रांसफर किया। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड प्राप्त किया है। इस मामले में अन्य संलिप्त आरोपियों की तलाश और कई राज्यों में दर्ज मामलों की जांच जारी है।

जवाहर सर्किल पुलिस ने पांच करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाले तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया।

- **ठगी से प्राप्त रकम को क्रिप्टो करेंसी में बदलकर व्हाइट मनी में कन्वर्ट करते थे आरोपी**

थानाधिकारी आशुतोष सिंह ने बताया कि 10 दिसंबर 2025 को सूचना मिली कि मालवीय नगर क्षेत्र में होटल के पीछे कुछ युवक ऑनलाइन ठगी में संलिप्त हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर पूछताछ की तो संतोषजनक जवाब नहीं मिले। तलाशी में आरोपियों के पास से एक पासबुक, छह चेकबुक, चार एटीएम कार्ड, एक सिम कार्ड और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि इन बैंक खातों का उपयोग ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर ठगी और यूएसडीटी में राशि ट्रांसफर के लिए किया जा रहा था।

3 साल से फरार साइबर ठग पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने तीन साल से फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी बिजली बिल अपडेट कराने के नाम पर बुजुर्ग से चार लाख रुपए से अधिक की ठगी कर फरार हो गया था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व सजीव नैन ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने तीन साल से फरार चल रहे दस हजार रुपए के इनामी साइबर ठग कुलदीप (28) निवासी आदमपुर जिला हिसार (हरियाणा) को दबोच लिया। जिसे पुलिस टीम ने हरियाणा एसटीएफ के सहयोग से हरियाणा से दबोचा है। थानाधिकारी आशुतोष सिंह ने बताया कि 17 अक्टूबर 2022 को मालवीय नगर निवासी 77 वर्षीय श्याम सुंदर वैष्णव ने रिपोर्ट दी थी कि 13 अक्टूबर को उनके मोबाइल पर कॉल कर खुद को बिजली विभाग का कर्मचारी बताने वाले व्यक्ति ने बिजली बिल अपडेट न होने की बात कही। इसके बाद आरोपी ने एक एप डाउनलोड करवाकर नेट बैंकिंग के जरिए खाते से 4 लाख 55 रुपए से अधिक की राशि निकाल ली। साथ ही पीड़ित के पेटीएम वॉलेट से भी रकम ट्रांसफर कर ली गई। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल (आरपीएस) और सहायक पुलिस आयुक्त विनोद शर्मा (आरपीएस) के निर्देशन में जवाहर सर्किल थानाधिकारी आशुतोष सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर आरोपी लगातार ठिकाने पर दबिश दी।

'कुछ विदेशी इतिहासकारों ने गलत तथ्यों से सवाई मानसिंह प्रथम की छवि धूमिल की'

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में आमेर नरेश सवाई मानसिंह प्रथम की 475वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जयपुर (कासं)। महाराजा सवाई मानसिंह म्यूजियम ट्रस्ट द्वारा सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में सनातन धर्म रक्षक, महापराक्रमी योद्धा, आमेर नरेश राजा मानसिंह प्रथम की 475वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई।

- **उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा ''इतिहास की पुनः समीक्षा होनी चाहिए। लेखकों और इतिहासकार-साहित्यकारों को कोई भी जानकारी चाहिए तो पोथीखाने से हासिल कर सकते हैं।''**

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आए हुए सभी मेहमानों से रूबरू होते हुए कहा कि कुछ विदेशी इतिहासकारों ने गलत तथ्य पेश करके तथा तोड-मरोड कर मानसिंह प्रथम की छवि को धूमिल करने की कोशिश की गई है अतः इतिहास की पुनः समीक्षा होनी चाहिए तथा जो भी लेखक, इतिहासकार या साहित्यकार को किसी भी तरह की जानकारी चाहिए पोथीखाने से हासिल कर सकतें हैं।

सिटी पैलेस कला एवं संस्कृति विभाग के ओएसडी रामू रामदेव ने बताया कि जयंती पर आयोजित संगोष्ठी में ढूंढड़ क्षेत्र के कई साहित्यकार, पत्रकार तथा इतिहासकार एकत्रित हुए और मानसिंह प्रथम की जीवनी पर प्रकाश डाला। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मानसिंह प्रथम के चित्र पर पुष्पांजलि करके श्रद्धांजलि अर्पित की तथा मनोहर सिंह की 3 पुस्तकों का विमोचन किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं इतिहासकार प्रो. गोविन्द शंकर शर्मा, सुभाष शर्मा, जितेन्द्र सिंह शेखावत, कल्याण सिंह शेखावत, राघवेन्द्र मनोहर सिंह, ब्रजराज सिंह सिरस, रा शिवराज पाल सिंह करौली ने मानसिंह जीवन चरित्र और क्रियाकलापों पर अपने अपने विचार रखे। इस अवसर पर शहर तथा ढूँढाड़ क्षेत्र से आए हुए बहुत ही उत्साह से भाग लिया, जिनमें सत्ताइसा राजपूत सभा के अध्यक्ष दशरथसिंह शेखावत, उस्मान खाँ चौहान, बैंगलोर से कवि प्रेम तन्मय आदि ने इतिहास से संबंधित कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस मौके पर ढूँढाडी के कवियों अपनी कविताओं से समां बाँध दिया। कार्यक्रम का संचालन शोभा चंदर ने किया।

''सियाचिन'' में भारतीय सेना की वीरगाथा मंच पर जीवंत

जयपुर। रंगमंच की रंगत, कला एवं संस्कृति के सौंदर्य से सराबोर करने वाले 14वें जयरंगम (जयपुर रंग महोत्सव) का रविवार को समापन हुआ। फेस्टिवल में कला प्रेमियों ने न केवल बेहतरीन नाटक देखे बल्कि संगीत और संस्कृति से भी रूबरू हुए। अंतिम दिन जयपुर वॉल्ड सिटी में हेरिटेज वॉक के साथ दिन की शुरुआत हुई।

कृष्णायन में श्रीनिवास बिसेट्टी के नाटक 'वेटिंग फॉर नसीर' का मंचन हुआ। वहीं प्रियाक्षी अग्रवाल द्वारा शोध-आधारित प्रस्तुति 'नंगा कपड़ा' महिलाओं की मुखर आवाज बनकर उभरी। रंगायन में मकरंद देशपांडे का नाटक 'सियाचिन' में भारतीय सेना की वीरगाथा को मंच पर जीवंत किया गया। सौरभ नायर द्वारा निर्देशित नाटक 'गोल्डन जुबली' के मनोरंजक मंचन के साथ जयरंगम-2025 का भव्य समापन हुआ। फेस्टिवल डायरेक्टर मन गेरा ने बताया कि जयरंगम में इस वर्ष स्पॉटलाइट के तहत महिला निर्देशकों के नाटकों को मंच प्रदान किया, अगले सीजन में नए नाटकों और बेहतरीन प्रस्तुतियों के साथ जयरंगम समाज के हर वर्ग की सशक्त आवाज बनकर सामने आएगा। ये भारतीय सेना के जवानों का जज्बा है जो न रेगिस्तान में सूरज की आग से जलता है ना ही सियाचिन में बर्फीली हवाओं से जमता है। रंगायन के मंच पर मकरंद देशपांडे के निर्देशन में खेले गए सियाचिन नाटक में बर्फ से ढकी पहाड़ियों पर बनी भारत की सरहद की सुरक्षा कर रहे सैनिकों के बलिदान को बयां किया गया। समुद्र तल से 21 हजार फीट ऊंची सियाचिन की पोस्ट पर चार जवान तैनात है। यह पोस्ट तूफान का शिकार हो जाती है। इनमें से एक जवान की जिंदगी इसकी भेंट चढ़ जाती है। तीनों असहनीय परिस्थितियों में भी पोस्ट पर डटे रहते है और सहायता का इंतजार करते है। हालात बद से बदतर होते जाते है। तीनों जवान अंतिम श्वास तक अपनी पोस्ट पर डटे रहते है क्योंकि फर्ज उन्हें याद दिलाता है कि देश की एक इंच जमीन पर भी दुश्मन की नजर नहीं पड़नी चाहिए। आदित्य रावल, ज़हान कपूर, निकेतन शर्मा, चित्रांश, जतिन सरीन, रोहित मेहरा, श्रुति, वैभव जाधव, अक्षय खैरे, मोहित कुमार सोलंकी और अभिषेक मिश्रा ने भूमिका निभाई।

- **रंगमंच, कला और संस्कृति के रंगों से रूबरू कराकर विदा हुआ जयरंगम**

मुख्य सचिव ने मानसरोवर थाने में नवीन आपराधिक कानून क्रियान्वयन को सराहा

वी. श्रीनिवास डिजिटल पुलिसिंग के नवाचारों की प्रशंसा की

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने डी.जी.पी. राजीव शर्मा के साथ रविवार को मानसरोवर थाने का दौरा किया।

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के साथ रविवार को जयपुर के मानसरोवर पुलिस स्टेशन का दौरा कर पुलिसिंग की आधुनिक कार्यप्रणाली और डिजिटल नवाचारों का अवलोकन किया। दौरे के दौरान मुख्य सचिव ने थाना स्तर पर संचालित ई-एफआईआर, ई-साक्ष्य, ई-समन, साइबर अपराधों व महिला अपराधों की ऐप-आधारित निगरानी सहित विभिन्न डिजिटल व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने मानसरोवर पुलिस स्टेशन को राजस्थान का पूर्णतः डिजिटल मॉडल पुलिस स्टेशन बताते हुए इसकी सराहना की।

मुख्य सचिव ने कहा कि मानसरोवर थाना डिजिटल परिवर्तन की दिशा में पुलिस सुधारों का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने राजस्थान पुलिस के नेतृत्व को बधाई देते हुए कहा कि तकनीक के प्रभावी उपयोग से पारदर्शिता, त्वरित सेवा और नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग को नई गति मिली है। उन्होंने पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल, पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश तथा राजस्थान पुलिस की नेतृत्व टीम को डिजिटल पुलिस सुधारों को सफलतापूर्वक लागू करने पर बधाई दी। तथा कार्मिकों और अधिकारियों के साथ पुलिस मेस में भोजन ग्रहण किया। दौरे के अंत में मुख्य सचिव ने विश्वास जताया कि ऐसे नवाचारों से प्रदेश में कानून-व्यवस्था और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार होगा।

कलश यात्रा के साथ राम कथा का आगाज

जयपुर। पुराना रामगढ़ मोड, प्रताप नगर स्थित प्रतापेश्वर महादेव सेवा समिति की ओर से 21 से 30 दिसंबर तक श्री राम कथा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष गिरीराज वशिष्ठ ने बताया कि कथा आयोजन के तहत रविवार को भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा की शुरुआत में शिक्षाविद ललित बांगा ने कथा की पोथी को तिलक लगाकर शुरुआत की।

शिक्षाविद शशिकांत शर्मा ने बताया कि कलश यात्रा में 2100 महिलाए गाजे बाजे के साथ कलश लेकर सुबह 8.15 बजे बदनपुरा स्थित मुरली मनोहरजी मंदिर से प्रारम्भ होकर कथा स्थल पहुँची। मीडिया प्रभारी रवि खुशलानी ने बताया कि कलश यात्रा के बाद दोपहर 12 से 4 बजे तक जानकी कुंड, नैमिषारण्य एवं रघुनाथ सत्संग भवन रामगंज अयोध्या धाम के महंत श्री श्री 108 मनमोहन दासजी महाराज के सानिध्य में कथा की शुरुआत हुई। इस दौरान महेश गुप्ता, पूर्व पार्षद राजेश गुप्ता, पूर्व पार्षद विक्रम सिंह तंवर, निर्वतमान पार्षद अनीता जैन, धीरज सक्सेना, संजीव शर्मा, दौलत त्रिलोकानी, कमल वशिष्ठ, सूर्यप्रकाश वशिष्ठ, नरेश वशिष्ठ, कमलेश गुप्ता, रामकिशन शर्मा मौजूद थे।

सार-समाचार

अलमाइटी इंटरनेशनल एस्ट्रोलॉजी कॉन्क्लेव

जयपुर। सदियों पुराने वैदिक विज्ञानों को आधुनिक युग की चेतना से जोड़ते हुए रविवार को जयपुर में ऐतिहासिक अध्याय जुड़ा, जब अलमाइटी इंटरनेशनल एस्ट्रोलॉजी कॉन्क्लेव (एआईएसी) सीजन-2 का आगाज़ हुआ। ऑलमाइटी इंटरनेशनल द्वारा इंटरनेशनल वास्तु अकादमी के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वासुदेव देवनानी उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय स्तर के कॉन्क्लेव में देशभर से प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, वास्तु विशेषज्ञ, आध्यात्मिक गुरु, ओकल्ट साइंस एक्सपर्ट्स प्रोफेशनल्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ डॉ. रोशनी टाक, स्वामी अमित देव, अनूपम जॉली, पं. अशोक दीक्षित, डॉ. एके दुबे, पद्मेश कानपुर, अजय भाम्बी, स्वामी पद्मनाभ महाराज, पं. ज्योति शर्मा, डॉ. विनोद शर्मा, पं. सतीश शर्मा और डॉ. मेघा शर्मा द्वारा किया गया। एआईएसी की संस्थापक डॉ. मेघा शर्मा और पेट्रोन पं. सतीश शर्मा ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी पद्मनाभदेवाचार्य ने आध्यात्मिक संबोधन से जनसमूह को आत्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत किया। मेडिटेशन मंत्र सत्र में निर्मला सेवानी ने वातावरण को ऊर्जावान बनाया। महिला ज्योतिष ऑरा सत्र का संचालन करते हुए आरजे देवांगना ने आज की महिला के बारे में डॉ. मेघा शर्मा, पं. ज्योति शर्मा, डॉ. रोशनी टाक और पूजा शर्मा से बात की, जिसमे ये निष्कर्ष निकला कि आज की नारी अक्सर ज्योतिषचार्यों से परिवार के बारे में पूछती है पर अपने बारे में पूछना भूल जाती है।

टेनिस प्रतियोगिता में डॉक्टर्स का दंगल

जयपुर। आईटीएमएस पिंक सिटी सीज़न 3 डॉक्टर्स की वार्षिक राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में सेमी-फाइनल मुकाबलों के साथ प्रतियोगिता अपने निर्णायक चरण में पहुंच गई है। विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल मुकाबलों की लाइन-अप तय हो गई है। पैट्रन डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि सिंगल्स महिला सेमी-फाइनल में नयनिका रेड्डी (तेलंगाना) ने जानकी शाह को 7-0 से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। दूसरे सेमी-फाइनल में ज्योति मिश्रा (उत्तर प्रदेश) ने रूपा एच. शाह को 7-4 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. अनिल यादव ने बताया कि डबल्स पुरुष 40-50 वर्ष वर्ग के सेमी-फाइनल मुकाबलों में अभिजीत कुलकर्णी /जयंत कुमार (कर्नाटक) ने अशोक आर. जी. / अमित शाह को 6-1 से हराया। वहीं रवि तेज / पवन मनोहर पाटिल (तेलंगाना) ने अमित रणाडे / आशीष धोंगडे को 6-3 से पराजित किया। तीसरे मुकाबले में केतन जठार / राहुल कोठारी (महाराष्ट्र) ने गौरव खंडेलवाल / अमित अग्रवाल को 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ जयंत सेन ने बताया कि सिंगल्स पुरुष 60 वर्ग में उदय वोरा (महाराष्ट्र) ने अरविंद लक्ष्मी दास जाविया को 7-2 से हराया, जबकि कार्तिक कैलाश (तमिलनाडु) ने तेजस पारेख को 7-2 से पराजित किया।

आठ सिंगर्स ने पेश किए संगीत के तराने

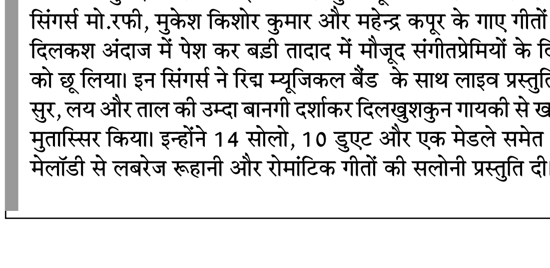

जयपुर। शहर के चर्चित आठ सिंगर्स ने अपने मीठे तरन्नुम में बॉलीवुड गीतों की सुरीली प्रस्तुति देकर सुरों का सुरूर बिखेरा। म्यूजिक दीवाने की ओर से रविवार को यहां महाराणा प्रताप सभागार में संजोए गए मेलोडियस म्यूजिकल मेस्ट्रॉस इवेंट औसम फोरसम में सिंगर राजेश शर्मा, जय शर्मा,धर्मेन्द्र छाबड़ा, किशोर सरावगी, डॉ.बबीता फगेड़िया, शिखा माथुर, गीतिका चतुर्वेदी और ममता झा ने बॉलीवुड म्यूजिक के लेजेण्डरी प्लेबैक सिंगर्स मो.रफी, मुकेश किशोर कुमार और महेन्द्र कपूर के गाए गीतों को दिलकश अंदाज में पेश कर बड़ी तादाद में मौजूद संगीतप्रेमियों के दिलों को छू लिया। इन सिंगर्स ने रिद्म म्यूजिकल बैंड के साथ लाइव प्रस्तुति में सुर, लय और ताल की उम्दा बानगी दर्शाकर दिलखुशकुन गायकी से खासा मुतास्सिर किया। इन्होंने 14 सोलो, 10 डुएट और एक मेडले समेत 25 मेलॉडी से लबरेज रूहानी और रोमांटिक गीतों की सलोनी प्रस्तुति दी।

''नानी बाई रो मायरो'' कथा का आयोजन

जयपुर। विकास समिति निर्माण नगर सी-ब्लॉक में आयोजित नानी बाई रो मायरा कथा में भक्ति, भाव और वैभव का अनुपम संगम देखने को मिला। कथा के दौरान श्रद्धा और आस्था से ओतप्रोत वातावरण में 56 करोड़ का मायरा भरे जाने का दिव्य प्रसंग प्रस्तुत किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा व्यास पंडित उमेश व्यास ने नरसी भक्त और सांवरिया सेठ के प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि कैसे द्वारकाधीश ने अपने परम भक्त नरसी मेहता की हुंडी स्वीकार की।

सरस राजसखी मेले में शिल्प, स्वाद और संस्कृति का अनूठा संगम

जवाहर कला केन्द्र में आयोजित सरस राजसखी मेले में रविवार को लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।

जयपुर (कासं)। जवाहर कला केन्द्र के शिल्पग्राम में राजीविका के तत्वावधान में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला-2025 देश की विविध सांस्कृतिक, शिल्प और पारंपरिक विरासत का भव्य मंच बनकर उभर रहा है। मेला देशभर से आए शिल्पकारों की उत्कृष्ट हस्तकलाओं के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार किए गए शुद्ध, प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक उत्पादों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मेले में रविवार को दर्शकों में भारी उत्साह देखने को मिला। रंग-बिरंगे टेक्सटाइल उत्पादों के साथ स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों के स्टॉल्स पर भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। आगंतुकों ने न केवल उत्पादों की सराहना की बल्कि उनकी पारंपरिक और प्राकृतिक निर्माण प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी ली। उत्तराखंड से आए स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों ने खास ध्यान आकर्षित किया। इनमें कैमोमाइल चाय, कच्चा शहद, बुरांश की चाय, हर्बल चाय, सेब, गुड़, घी से बनी पारंपरिक मिठाइयाँ और बाजरा आधारित विशेष चाय शामिल रही। ये सभी उत्पाद बिना किसी रासायनिक प्रक्रिया के पूरी तरह प्राकृतिक सामग्री से तैयार किए गए हैं। सांस्कृतिक संध्या में असम के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत बिहू, बैशाली, कार्बी, धमाही और शास्त्रीय सत्रिया नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, राजस्थान की पारंपरिक लोक वाद्य परंपरा 'भपंग' वादन ने शाम को विशेष बना दिया।

यहां उत्पाद बेचने आई महिलाओं, राजीविका के अधिकारियों व आमजन, सभी का मानना है कि सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला-2025 बहुत सफल रहा है।यह ग्रामीण महिलाओं की आजीविका और आत्मनिर्भरता को सशक्त करने के साथ-साथ देश की विविध सांस्कृतिक, शिल्प और खाद्य परंपराओं को एक मंच पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

''अरावली बचाओ-जीवन बचाओ'' सत्याग्रह शुरू

हजारों लोगों ने अंबेडकर सर्किल तक पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व निकाली पदयात्रा

जयपुर (कासं)। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के नेतृत्व में रविवार को ''अरावली बचाओ-जीवन बचाओ'' सत्याग्रह की शुरुआत हुई। इस दौरान खाचरियावास हाउस से अंबेडकर सर्किल तक हजारों लोगों ने पदयात्रा निकाली और सचिवालय के पास बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के नीचे 45 मिनट का मौन सत्याग्रह कर आंदोलन का आगाज किया।

खाचरियावास ने भाजपा सरकार पर अरावली पर्वतमाला को समाप्त करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसके लिए पूरी तरह केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार जिम्मेदार है। भाजपा नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ झूठ के जनरेटर हैं और सरकार जनता को गुमराह कर रही है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्रालय ने एक कमेटी गठित की, जिसने उद्योगपतियों से सांठगांठ कर गलत रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की। इस रिपोर्ट में 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली नहीं मानने की सिफारिश की गई, जिससे 90 प्रतिशत अरावली पहाड़ियों खत्म होने का खतरा पैदा हो गया। खाचरियावास ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सहमत नहीं हैं और केंद्र सरकार को अपना रुख बदलते हुए अदालत में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए। अन्यथा संघर्ष और टकराव होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि चाहे कितनी भी बड़ी ताकत लगा दी जाए, अरावली में किसी भी कीमत पर खनन नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, दिल्ली सहित आधे हिंदुस्तान को रेगिस्तान बनने से बचाने, वर्षा, हरियाली, स्वच्छ हवा और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। यदि अरावली खत्म हुई तो जीवन संकट में पड़ जाएगा। खाचरियावास ने यह भी कहा कि माइंस एंड मिनरल्स केंद्र सरकार का विषय है और पर्यावरण से जुड़े सभी अधिकार केंद्र के पास हैं। ऐसे में पूर्व की कांग्रेस सरकारों पर जिम्मेदारी डालना सरासर झूठ है। भाजपा सरकार की कमेटी की रिपोर्ट के कारण ही यह स्थिति बनी है और फैसला तुरंत बदला जाना चाहिए।

पदयात्रा के दौरान लोग हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर अरावली बचाओ-जीवन बचाओ के नारे लगाते हुए अंबेडकर सर्किल पहुंचे। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर पदयात्रियों का स्वागत किया। सत्याग्रह में बड़ी संख्या में आमजन और सामाजिक संगठन शामिल हुए।

''अरावली बचाओ'' के नारों के साथ सैकड़ों लोगों ने रविवार को जयपुर में रैली निकाली।

- **अरावली पर्वतमाला राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, दिल्ली सहित आधे हिंदुस्तान को रेगिस्तान बनने से बचाने, वर्षा, हरियाली, स्वच्छ हवा और पर्यावरण संतुलन रखने में भूमिका निभाती है : प्रताप सिंह**

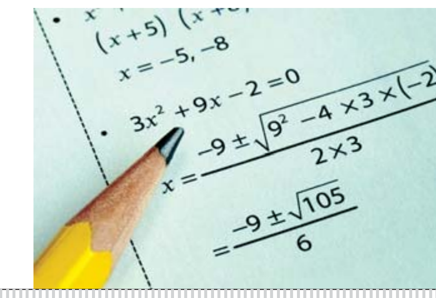

It is Mathematics Day

Mathematics Day is observed to celebrate the beauty, logic, and universal relevance of mathematics in everyday life. The day honours the contributions of great mathematicians while encouraging students and learners to appreciate the subject beyond textbooks. Mathematics plays a crucial role in shaping scientific discoveries, technological advancements, and problem-solving skills that empower societies. From simple calculations to complex theories, the discipline nurtures analytical thinking, precision, and creativity. Mathematics Day serves as a reminder that numbers, patterns, and equations form the foundation of the modern world, inspiring young minds to explore, innovate, and embrace the power of logical reasoning.

Glimpses of the kingdom.

Story of the water reservoirs.

"Chattis Karkhanas memory: Jaipur's maker-heart, still visible."

Childhood memories relived.

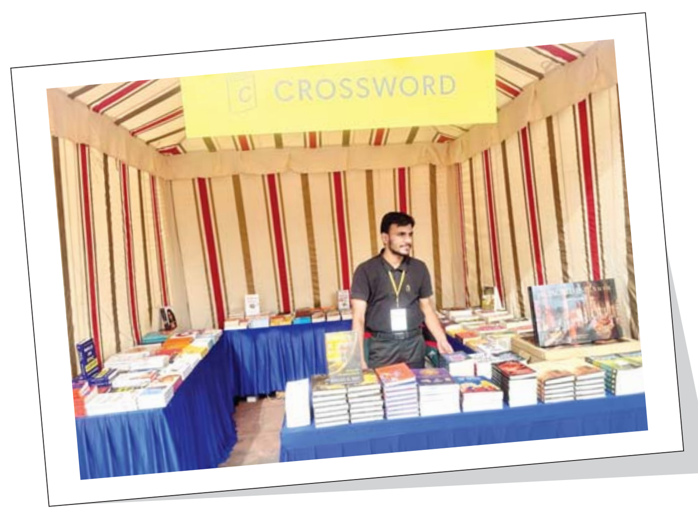

The crossword corner.

Puppet making: workshop by Puppetshala.

Divyam x Khwaab performing at the JHF.

ONE SIZE FITS ALL BY SOUMIK DATTA.

Noor-E-Khusrau : Rashmi Uppal

ANIRUDH VARMA COLLECTIVE

After Dark : When a Fort Starts Talking Back

PART:3

It wasn't only performances. It was also the texture of the space itself: the way light found a seam in stone; the way a corner of the fort suddenly felt like a stage; the way people shifted from taking photos to simply watching. At points, the evening had that rare quality where entertainment becomes communal attention, performers and craftspeople in one frame, and the crowd responding not as consumers but as participants in a shared atmosphere. The fort was not merely hosting activity; it was holding it.

"IF YOU LOOK UP AT THE STARS, YOU WILL SEE THEM WATCHING YOU AT THE JAIGARH FESTIVAL."

Pushpendra Bhargava

That line stayed with me, because Jaigarh does that to you. You arrive expecting walls; you leave with sentences. There's something about the fort at night that makes even ordinary attention feel slightly theatrical, as if the city has stepped into a larger room.

The evening at Jaigarh didn't unfold like a single show. It unfolded like an experience, built out of movement, pauses, corners, and sudden openings. Sound and light didn't feel like decoration so much as amplification. The fort wasn't being lit up; it was being translated.

A fort that takes to you

The first thing night does is alter the fort's scale. Jaigarh is massive in the day, but at night, the mass becomes mood. Light chooses what you see. Shadow decides what you don't. You begin to walk differently, slower, softer, receptive. And in that altered pace, the fort almost takes to you as much as you take to it.

The path itself becomes narrative. The passageways feel labyrinthine, not because you are meant to get lost, but because you are meant to feel led: a corridor, a turn, a courtyard, a view, then another view. Jaipur understands the choreography of wandering. The city has always taught us that the best places are discovered by moving through them rather than simply arriving.

And that is where Jaigarh, unexpectedly, becomes intimate. There is a strange phrase that fits the evening: a garrison fort, briefly domesticated. Domestication doesn't mean reduced. It doesn't mean the fort has been tamed into politeness. It means the fort has been brought into a human rhythm, into a shared public night where families, students, visitors, and habitual Jaipurites can all stand inside the same stone world without feeling like history is only for experts.

That feeling, domesticated stone, was the heart of the evening for me.

Heritage with a bit of razzmatazz

Jaipur can be serious, but it is rarely solemn for long. We are a city that knows how to carry dignity and playfulness in the same hand. The festival leaned into that civic personality: heritage with joy, heritage with colour, heritage with razzmatazz.

It wasn't only performances. It was also the texture of the space

#JAIGARH

itself: the way light found a seam in stone; the way a corner of the fort suddenly felt like a stage; the way people shifted from taking photos to simply watching.

At points, the evening had that rare quality where entertainment becomes communal attention, performers and craftspeople in one frame, and the crowd responding not as consumers but as participants in a shared atmosphere. The fort was not merely hosting activity; it was holding it.

Craft without souvenir culture

A festival bazaar can easily slide into the predictable, objects as quick purchases, craft as décor. But here, the stronger feeling was of craft as continuity. Not a marketplace you pass through, but a reminder that Jaipur's maker-life is not a theme. It is a foundation.

That is why the contrast matters: craft not as souvenir culture, but as living knowledge. Jaipur has always been more than a spectacle. It is workmanship, training, repetition, skill passed hand to hand. It is the memory of the Chattis Karkhanas, not only as nostalgia, but as an idea of the city: Jaipur as an organised ecology of making.

This is the part of heritage that doesn't photograph easily, but it's the part that keeps the city real.

The landscape that does its own performance

And then, there are the views, those moments when the fort stops being a corridor and becomes a horizon. The landscapes can be mesmerising. That word sounds like brochure language until you are actually standing there. Then, it feels almost restrained. The city falls away. The air sharpens. Your eyes adjust. Somewhere below, the contours of water and settlement become legible in the night. One line still captures the geometry cleanly: Sagar Dam below, Jaigarh above, water held under stone, the city held under the fort, memory held under sky.

There is another line that returns, almost like a mantra: Rajasthan is an emotion. Whether you treat it as poetry or civic psychology, it contains something Jaipur knows well. Place here is not only geography. It is attachment. Inheritance. Reflex. A certain way of standing in the world.

Ending where the fort remains

By the time people began to drift back, the night had loosened into social warmth. The intensity of watching turned into conversation; the spell became communal. Yet, the fort didn't fade. It stayed present, as if it had been listening too.

Look up: the stars can feel like an audience at Jaigarh. That's the strange reversal the fort performs at night. You come to see Jaigarh, and somehow you feel seen back, by stone, by sky, by the sheer accumulated attention of place.

Jaigarh after dark isn't only spectacle. It is training. It trains your attention to hold two truths at once: that heritage can be joyous and serious; that it can entertain and correct; that it can be public without becoming shallow.

A fort, briefly, becomes a civic room.

And walking down, you carry the feeling that the city has spoken, not loudly, not didactically, but in the quiet way Jaipur does best when it wants to last.

The Highest Pedestal

This is the story of the flag and the title 'Sawai.' In 1585, Raja Man Singh of Amer defeated five Afghan tribes. It was common practice back then to take away the enemy's flags to declare victory; so, those five colors together became the Jaipur Pacharanga.

The flag that the Jaipur family, the Kachwahas, used originally was then given to the Nathawats of Chomu, and they continued to use it. That old flag had a Kachnar tree, the Jhadshahi, on a white background. They drew inspiration for that design from the original flag that Sri Ram is supposed to have carried. It was not a Bhagwa flag.

So, that is the origin of the Pacharanga. Because this is the highest point, we fly the Pacharanga atop it. It also has a smaller version flying above it, which is one-fourth the size of the main flag.

Now, there are two beliefs about this. One says that the rulers of Jaipur have always flown it as an ode to the title of 'Sawai,' which was recognized by the Mughal Emperor Aurangzeb in an imperial edict in 1712. However, I haven't found the smaller flag in older pictures. So, probably, flying this smaller one along with the big one is a relatively recent practice, but it alludes to the same concept: they hold the title Sawai.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

DARIYA DEVI ON DHOL PRESENTED BY VEDANTA: SHE SANG ON MY REQUEST 'KESARIYA BALAM AAO NI PADHARO MHARE DESH.'

JAGDEEP SINGH WITH BHAVNA JAGWANI. MOHAN FOUNDATION WITH JAIPUR CITIZEN FORUM HAD A NOTICEABLE PRESENCE.

KOMAL FROM GERMAN CHAIWALI WITH HER PHILOSOPHY Vasudhaiva Kutumbakam, a Sanskrit phrase meaning "the world is one family."

MASHAK BY SHYOPAT JULIA WAS A SHOW STOPPER.

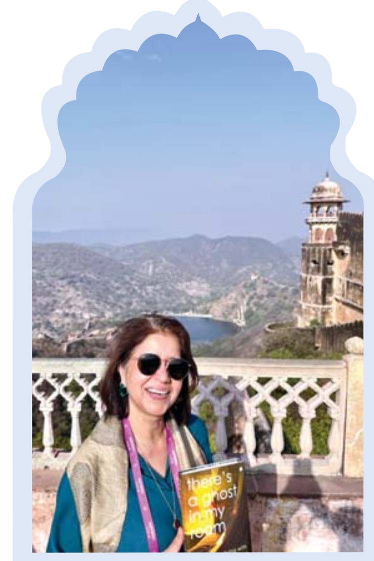
PUNITA ROY WITH 'THERE'S A GHOST IN MY ROOM'

DADI PUDUMJEE: LARGER THAN LIFE.

ECHOES OF RAJASTHAN: LAKSH MAHESHWARI.

OTHERWORLDLY CHRONICLES: CLOSE ENCOUNTERS WITH THE FORMLESS & THE SPECTRAL. SANJOY K ROY IN CONVERSATION WITH ARUNDHATI NATH KEPT EVERYONE AT THE EDGE OF THEIR CHAIRS…'MANY A NIGHT I WAS JOLTED AWAKE WITH THE SENSE OF AN OMINOUS PRESENCE LOOMING ABOVE ME….' SANJOY

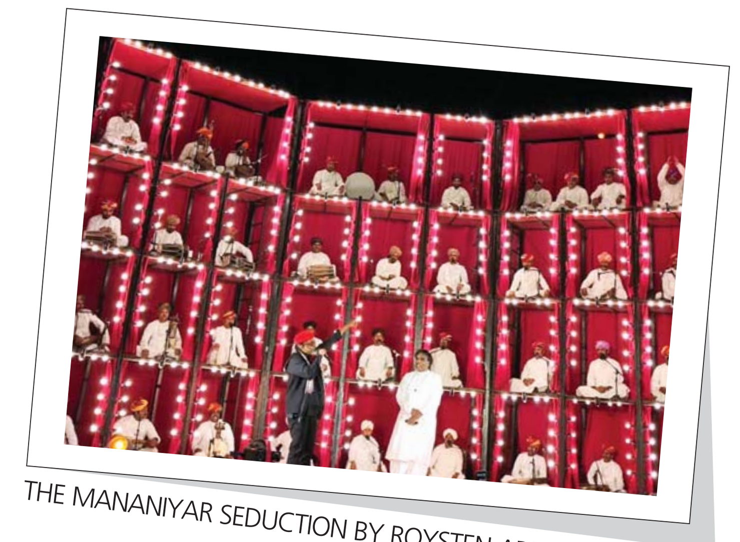
THE MANANIYAR SEDUCTION BY ROYSTEN ABEL.

GLIMPSES OF JHF.

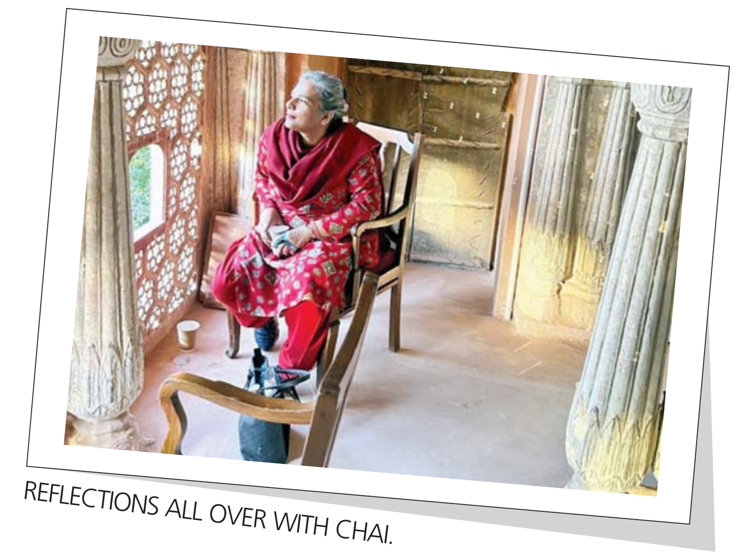
REFLECTIONS ALL OVER WITH CHAI.

Craft bazaar / artisan at work.

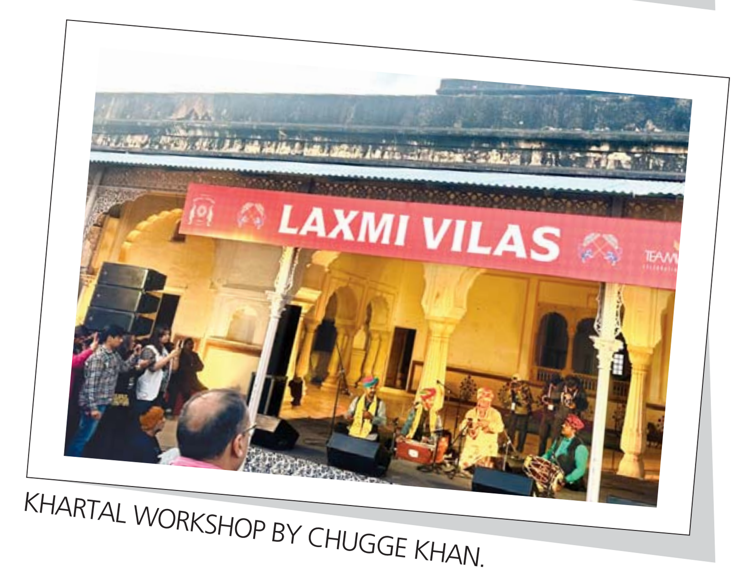

KHARTAL WORKSHOP BY CHUGGE KHAN.

THE WALL

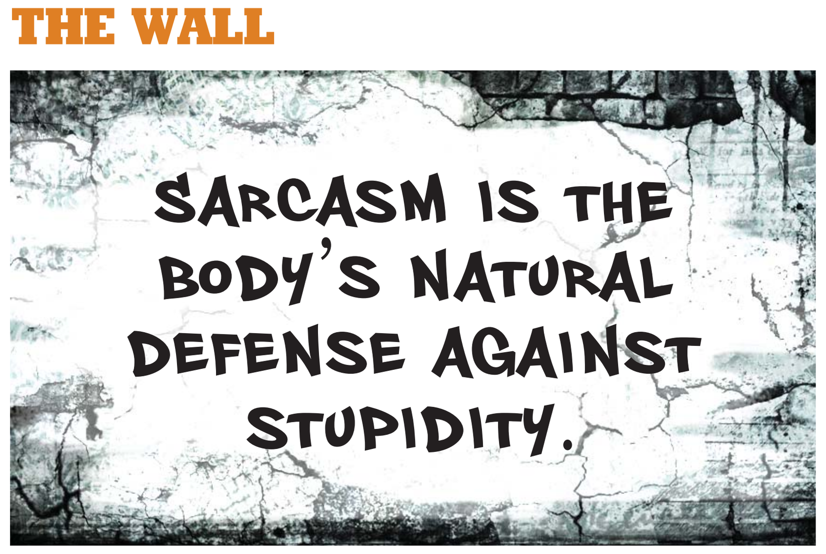

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

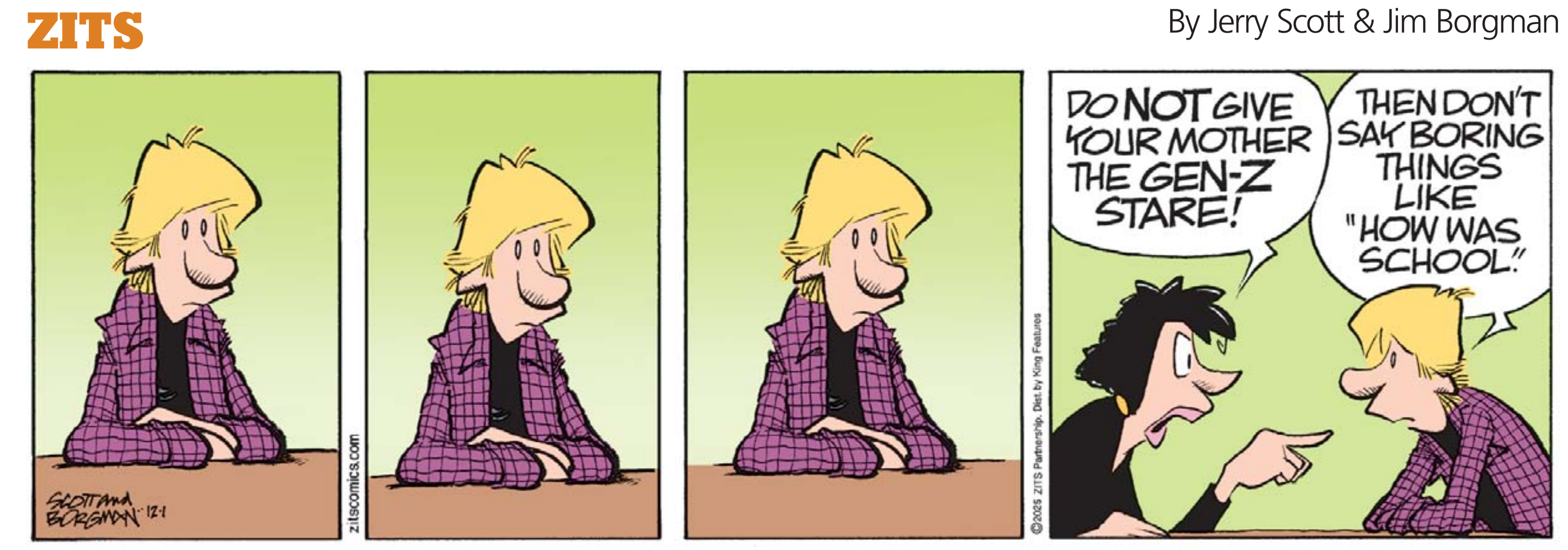

उदयपुर में ''शिल्पग्राम उत्सव-2025'' का आगाज़

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े व अतिथियों ने नगाड़ा बजाकर शिल्पग्राम उत्सव का आगाज किया

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़, पंजाब के राज्यपाल कटारिया और अन्य अतिथियों ने नगाड़ा बजाकर शिल्पग्राम उत्सव का आगाज किया।

दस दिवसीय 'शिल्पग्राम उत्सव' में विभिन्न राज्यों से आये लोक कलाकारों ने नृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों को मन मोह लिया।

उदयपुर, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े व अतिथियों ने रविवार को केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के तहत पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर की ओर से हवाला स्थित शिल्पग्राम में आयोजित हो रहे दस दिवसीय 'शिल्पग्राम उत्सव' का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने समारोह में अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर समारोह का तथा नगाड़ा बजाकर शिल्पग्राम उत्सव का आगाज किया।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि लोक है तो आलोक है और लोक कला जीवन का असली आलोक है, क्योंकि इसमें कोई बनावट नहीं, नैसर्गिकता है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों सहित सभी का आव्हान किया कि बच्चों को कला एवं संस्कृति की शिक्षा दें, उन्हें मंच पर मौका दें, ताकि वे लोक संस्कृति को आगे बढ़ा सकें और इसे संरक्षित कर सकें। उन्होंने बचपन में मिले प्रोत्साहन से महान शिल्पकार बनने के संबंध में सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाने वाले राम वी. सुतार का उदाहरण भी दिया। समारोह के अतिविशिष्ट आमंत्रित अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि यह सांस्कृतिक महोत्सव ''एक भारत-श्रेष्ठ भारत'' का जीवंत प्रतीक है। ऐसे मेले देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को आगे ले जाने में महती भूमिका निभाते हैं। मेले के इस स्वरूप में सभी आयु वर्ग वालों को कुछ न कुछ अवश्य मिलता है।

> ■ **समारोह में डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफटाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार गुजरात के डॉ. निरंजन वल्लभभाई राज्यगुरु और जयपुर के रामनाथ चौधरी को प्रदान किया**

उन्होंने लोक कलाकारों का अपने शहर में स्वागत करते हुए कहा कि इनकी लोक कला को देख संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन दायित्व बोध होता है। उन्होंने पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक फुरकान खान और उनकी टीम की उत्सव के निरंतर सफल आयोजन की तारीफ की। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उत्सव के संबंध में जानकारी दी। साथ ही, अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए।

समारोह में उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन तथा उदयपुर ग्राामीण विधायक फूल सिंह मीणा भी समारोह में मौजूद रहे। समारोह में डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफटाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार राजकोट (गुजरात) के डॉ. निरंजन वल्लभभाई राज्यगुरु और जयपुर (राजस्थान) के रामनाथ चौधरी को प्रदान किया। पुरस्कृत जयपुर के रामनाथ चौधरी अल्गोजा नाक से बजाने वाले दुनिया के अकेले कलाकार हैं। वहीं, राजकोट (गुजरात) के डॉ. निरंजन वल्लभभाई राज्यगुरु ने लोक एवं भक्ति संगीत पर फिल्ड वर्क कर 700 घंटे का ध्वनि मुद्रांकन किया है।

समारोह में कोरियोग्राफिक प्रस्तुति में गोवा के देखनी व घोड़े मोदनी, मणिपुर के लैहारोबा, कश्मीर के रौफ, राजस्थान के लाल आंगी व चरी, कर्नाटक के पूजा कुनिता व ढालू कुनिता, महाराष्ट्र के सोंगी मुखौटा, पंजाब के लुड्डी, तथा गुजरात के तलवार रास व राठवा नृत्यों का महासंगम दर्शकों के दिलों को झंकृत किया। दिल्ली के प्रसिद्ध कोरियोग्राफर सुशील शर्मा के निर्देशन में तैयार इस विशेष प्रस्तुती में मंच पर देशभर की संस्कृतियों का अनूठा संगम देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

समारोह में श्रद्धा सतवीडकर के मराठी लावणी लोक नृत्य के साथ नितिन कुमार के भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की खूबसूरत सिंफनी में क्लासिकल और फोक का अनूठा संगम देख दर्शकों ने तालियों से शिल्पग्राम गूंजा दिया। समारोह में डॉ. प्रेम भंडारी के निर्देशन में राजस्थानी लोक गीतों पर आधारित कर्णप्रिय मेडले की प्रस्तुती ने श्रोताओं के दिल के तारों तक सुरों की झंकार पहुंचाने में सफलता पाई।

9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षाएं सात मार्च से

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने राज्य स्तरीय समान परीक्षा योजना के तहत 9वीं और 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा का टाइम टेबल घोषित कर दिया है। इस बार प्रदेश के सरकारी और प्राइवेट स्कूल में एक अप्रैल से सेशन शुरू होने जा रहा है। ऐसे में शिक्षा विभाग समय से पहले एग्जाम करवा रहा है। आमतौर पर ये एग्जाम अप्रैल महीने में होते हैं।

> ■ **सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 19 मार्च तक खत्म होंगे एग्जाम, 1 अप्रैल से सेशन शुरू करने की तैयारी**

शिक्षा विभाग की ओर से जारी टाइम टेबल के मुताबिक 9वीं और 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं 7 मार्च से 19 मार्च तक आयोजित की जाएगी। दरअसल, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 10वीं- 12वीं बोर्ड परीक्षा का टाइम टेबल घोषित करने के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने 9वीं और 11वीं कक्षा का टाइम टेबल भी घोषित कर दिया है। परीक्षा दो पारियों में आयोजित की जाएगी। पहली पारी में सुबह 8.30 से 11.45 बजे और सेकंड पारी में दोपहर 1 बजे से 4.15 बजे तक परीक्षा होगी। 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 12 फरवरी से 11 मार्च तक आयोजित की जाएगी। 9वीं कक्षा के सभी पेपर सेकंड पारी में होंगे, जबकि 11वीं कक्षा की परीक्षा दोनों पारियों में आयोजित की जाएगी। हालांकि 11वीं कक्षा के प्रथम पारी में आयोजित किए जाने वाले पेपर की तिथियां 14 मार्च से 19 मार्च तक निर्धारित की गई है। प्रश्न पत्र वितरण के संबंध में दिशा निर्देश पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर की ओर से अलग से जारी किए जाएंगे। प्रश्न पत्र समय सारणी और सुरक्षा को लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने समस्त संयुक्त निदेशक को निर्देश जारी किए हैं।

श्मशान भूमि से अवैध बजरी दोहन से आक्रोश

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र के पुरानी पड़ासोली गांव के पास खारी नदी में स्थित शमशान भूमि से अवैध बजरी दोहन का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने विरोध किया तो डंपर चालक ने उन्हें कुचलने की कोशिश की, जिससे इलाके में आक्रोश फैल गया। जानकारी के अनुसार सुबह करीब पांच बजे शमशान भूमि पर डंपर में बजरी लोड की जा रही थी। ग्रामीण अंबालाल गुर्जर, चुन्नीलाल कुमावत समेत कई लोग पहुंचे और चालक को समझाया कि यह पवित्र स्थान है, यहां दोहन न करें। बावजूद इसके चालक ने डंपर चलाकर अंबालाल और चुन्नीलाल को कुचलने का प्रयास किया। दोनों ने भागकर जान बचाई। मौके पर ओमप्रकाश प्रभु कुमावत, हीरालाल कुमावत, लक्ष्मण भील, घिशु भील, प्रकाश गुर्जर, दयाराम कुमावत सहित कई ग्रामीण मौजूद थे। अंबालाल गुर्जर ने बताया कि बजरी के साथ मृतकों की हड्डियां भी उठाई जा रही हैं, जो अत्यंत निंदनीय है।

जमीन बेचकर 23 लाख की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने फर्जी इकरारनामें के जरिए दूसरे की जमीन बेचकर 23 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी।

प्रताप नगर थाना अधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि 5 मई 2023 को शहर के सुभाष नगर थाना अंतर्गत आरके कॉलोनी निवासी मनोज कुमार शर्मा ने प्रताप नगर थाने में एक रिपोर्ट दर्ज करवाई, जिसमें उसने बताया कि आगुचा थाना गुलाबपुरा हाल मालोला रोड के पास गायत्री नगर थाना प्रताप नगर निवासी प्रहलाद नांगला पुत्र कृष्ण गोपाल ने एक जमीन में हिस्सा खुद का बात कर 23 लाख रुपए में बेचने का इकरार नामा किया, सौदे के दौरान प्राथी को विश्वास में लेकर पूरी राशि नगद प्राप्त कर ली गई, बाद में जब जमीन की जांच करवाई गई तो सामने आया कि जिस भूमि का इकरारनामा किया गया वह आरोपी प्रहलाद के नाम दर्ज ही नहीं थी बल्कि किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर दर्ज थी। मौके पर भी किसी अन्य का ही कब्जा था। ऐसे में आरोपी में कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर फर्जीवाड़ा करते हुए जमीन का सौदा कर पीड़ित मनोज कुमार से 23 लाख रुपए की धोखाधड़ी की और राशि को हड़प गया। मामले में पुलिस ने गहनता से अनुसंधान करने के बाद आरोपी प्रहलाद को गिरफ्तार कर लिया।

> ■ **जांच करवाने पर पता चला कि मौके पर भी किसी अन्य का ही कब्जा था**

अमृतमयी गौ भारती ग्रंथ का लोकार्पण

जयपुर। गौ-संस्कृति, सनातन मूल्यों और भारतीय जीवन-दृष्टि को समर्पित अमृतमयी गौ भारती ग्रंथ का लोकार्पण तथा श्री हस्तीमल परिवार स्मृति ईश्वर सृष्टि सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में जगद्गुरु निम्बार्काचार्य पीठाधीश्वर श्याम शरण देवाचार्य श्रीजी महाराज का आशीर्वचन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय गौ सेवा प्रमुख अजीत महापात्र हुए। मुख्य अतिथि के रुप में गौ पालन, देवस्थान एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत शामिल हुए। अध्यक्षता नंदिनी गौ सेवा संवर्धन एवं अनुसंधान संस्थान के संरक्षक शिव शंकर लातूरे किया। ईश्वर सृष्टि संस्था के अध्यक्ष कमलेश पारीक कमल, आयोजन समिति अध्यक्ष प्रदीप शेखावत, संयोजक पुष्कर उपाध्याय, भगवती प्रसाद चौधरी, गौरव मोदी एवं ओमप्रकाश बोहरा उपस्थित रहे।

सेवा, समर्पण और मानवता का पर्याय है अभियंता : वासुदेव देवनानी

जैन इंजीनियर समिति के राष्ट्रीय सम्मेलन में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी का शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया।

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि दिल्ली जैसी पर्यावरण की परिस्थितियों अन्य शहरों में न बने इसके लिए इंजीनियर्स को समय रहते प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि अभियंता सेवा, समर्पण और मानवता का पर्याय होते है। श्री देवनानी ने कहा कि इंजीनियर को 50 वर्ष आगे की योजना बनाकर कार्य करना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रविवार को जयपुर में टोंक रोड स्थित एक होटल में जैन इंजीनियर समिति के 18वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। समारोह में स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कारगिल युद्ध में साहसिक भूमिका निभाने वाले ग्रुप कैप्टन अनिमेष पाटनी का शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। स्पीकर देवनानी ने समिति द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया। देवनानी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए सभी अभियंताओं को पहल करनी चाहिए ताकि पर्यावरण प्रदूषण की समस्याओं का समाधान निकाला जा सके। देवनानी ने कहा कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट बढ़ाना होगा। हमें एक घर में एक ही वहां रखना जैसे प्रावधानों पर विचार करना होगा। पब्लिक ट्रांसपोर्ट और पब्लिक पार्किंग के लिए प्रत्येक व्यक्ति और समाज को पहल करनी होगी। वाहन चालको की नियमावली को भी कठोरता से पालना करानी होगी। देवनानी ने कहा कि नागरिक स्वास्थ्य को बना कर ही हम प्रगति कर सकते हैं। स्वागत भाषण पी.सी.छाबड़ा ने किया। भाजपा नेता एवं जयपुर ग्रेटर नगर निगम के निवर्तमान उपमहापौर पुनीत कर्णावत ने भी समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर देश भर के जैन समाज के अभियंता समारोह में मौजूद थे।

अरावली पर्वत श्रंखला को बचाने की मांग को लेकर प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)। इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज भीलवाड़ा चैप्टर द्वारा हरणी की पहाड़ी पर अरावली पर्वत श्रंखला से जुड़े हालिया सरकारी निर्णय के विरोध में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के माध्यम से अरावली क्षेत्र में हो रहे निरंतर हस्तक्षेप, खनन और संरक्षण से जुड़े निर्णयों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम एक ज्ञापन भी प्रेषित किया गया। ज्ञापन में राष्ट्रपति से मांग की गई कि अरावली पर्वत श्रंखला को राष्ट्रीय प्राकृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी जाए। साथ ही हालिया निर्णयों एवं नीतियों पर पर्यावरणीय, ऐतिहासिक और विरासत संरक्षण के दृष्टिकोण से पुनर्विचार किया जाए। इंटेक ने अरावली क्षेत्र में खनन गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण, अवैध खनन पर पूर्ण प्रतिबंध और दीर्घकालीन संरक्षण नीति लागू करने की भी मांग की। जाजू ने कहा कि यदि समय रहते अरावली का संरक्षण नहीं किया गया, तो इसका सीधा असर जल संकट, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता पर पड़ेगा। इंटेक ने आमजन से भी अरावली संरक्षण के लिए जागरूक होने और इस जनआंदोलन से जुड़ने की अपील की।

इंटेक भीलवाड़ा चैप्टर के कन्वीनर बाबूलाल जाजू ने बताया कि अरावली पर्वत श्रंखला न केवल राजस्थान बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए जीवनरेखा के समान है। यह पर्वत श्रंखला जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, जैव विविधता एवं सांस्कृतिक विरासत की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालिया निर्णयों से अरावली का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है, जिसका दूरगामी दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा। प्रदर्शन के दौरान इंटेक सदस्यों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर लालच हटाओ, अरावली बचाओ, अरावली फटी तो जीवन की डोर कटी, अरावली है राजस्थान की ढाल, इसे बचाना है हर हाल तथा अरावली बचेगी तो जीवन बचेगा जैसे नारे लगाकर सरकार और प्रशासन का ध्यान अरावली संरक्षण की ओर आकृष्ट किया। इस अवसर पर सीए दिलीप गोयल, अब्बास अली बोहरा, गुमान सिंह पीपाड़ा, राजकुमार बूलिया, गोपाल नाराणीवाल, विद्यासागर सुराणा, मुकेश अजमेरा, हरकलाल विश्नोई, बीलेश्वर डाड, ओम सोनी, प्रभात जैन, अनुग्रह लोहिया, बनवारी साहू, तेज सिंह पुरावत, शंकर जाट, कुलदीप सिंह, भगवत सिंह, सत्यप्रकाश, सावित्री तेली एवं परमिंदर सिंह सहित कई पर्यावरण प्रेमी और इंटेक सदस्य उपस्थित रहे।

''मेरी पहल'' एन.जी.ओ. में बंधक 18 लोगों का पुनर्वास

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायाधिपति संजीव प्रकाश शर्मा एवं हरिओम शर्मा 'अत्रे', सदस्य सचिव के निर्देशन में 'मेरी पहल' संस्था में 17 दिसंबर 2025 को किए गए रेस्क्यू अभियान में बचाए गए 18 व्यक्तियों के पुनर्वास पर संज्ञान लिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय ने इस प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए रेस्क्यू लोगों को उनके परिजनों से मिलवाया औश्र उनके पुनर्वास के लिए पीड़ित प्रतिकर मीटिंग भी रखी।

पल्लवी शर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि रेस्क्यू अभियान में बचाये गए 18 व्यक्तियों में से 5 महिलाओं को उनके परिजनों से संपर्क कर उनके घर भिजवाया गया, जबकि 2 महिलाएं मानसिक विमंदित होने से उनको विमंदित गृह में पुनर्वासित करवाया है। एक अन्य महिला की आयु 65 वर्ष होने से उन्हें वृद्धाश्रम में पुनर्वासित करवाया है तथा 3 महिलाओं को स्वयं सेवी संस्था शक्ति स्तंभ में पुनर्वासित कर उनके परिजनों को ढूंढने के प्रयास जारी है। इसी प्रकार 6 पुरूषों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर, करौली, महाराजगंज (उत्तर प्रदेश), इलाहाबाद एवं जलाउं के संबंधित डीएलएसए सचिवो से संपर्क स्थापित कर उनके परिवार से मिलवाया गया है तथा 1 पुरूष को मानसिक विमंदित गृह में भिजवाया गया है। सभी महिला-पुरुष तथा उनके परिजन इस कार्यवाही से अत्यंत खुश है तथा सभी ने रालसा का आभार जताया है।

पुनर्वास कार्यवाही के क्रम में अध्यक्ष जस्टिस रीटा तेजपाल ने पीड़ित प्रतिकर मीटिंग भी रखी। पल्लवी शर्मा ने बताया कि मीटिंग में रेस्क्यू किए गए व्यक्तियों से संबंधित 16 प्रार्थना-पत्रों में 4 लाख रु. प्रतिकर दिए जाने के आदेश पारित किए गए हैं। पीड़ित प्रतिकर मीटिंग में शिव कुमार न्यायाधीश एम.ए.सी.टी प्रथम, नवीन किलानिया मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जयपुर महानगर द्वितीय, जिला कलेक्टर प्रतिनिधि बी.पी.चंदेल (सहायक निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग), राजेश कुमार गुप्ता, एडीसीपी वेस्ट, बजरंग सिंह, एडीसीपी नॉर्थ रमेश चंद जादौरिया तथा लोक अभियोजक उपस्थित रहे।

फाईनेंस कम्पनी की लोन राशि गबन करने का आरोपी ब्रांच मैनेजर गिरफ्तार

प्रकरण में एक आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है

बूंदी, (निसं)। पुलिस थाना कोतवाली द्वारा फाईनेन्स कम्पनी की लोन राशि गबन करने वाला आरोपी ब्रांच मैनेजर को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में एक आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि वांछित व फरार अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थानाधिकारी कोतवाली बूंदी रमेशचन्द आर्य के नेतृत्व में कार्यवाही करते हुये फाईनेन्स कम्पनी में उपभोक्ताओं की लोन राशि को धोखाधड़ी कर गबन के मामले में फरार आरोपी आर्यन राठी निवासी साल्हापुर थाना कुड जिला सहानपुर उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार 21 जून 2025 को स्मॉल फाइनेंस देवश्री कॉम्पलेक्स आर्य समाज मन्दिर के सामने बूंदी ने जय बिजेन्द्र कुमार यादव हाल ब्रांच मैनेजर द्वारा न्यायालय सीजेएम बूंदी में पैश इस्तगासा में बताया गया कि प्रार्थी की कम्पनी ई एस ए एफ स्वश्रय मल्टी स्टेट एग्रो कॉपरेटीव सोसायटी लि. एक सहकारी संस्था है। ई एस ए एफ स्वश्रय मल्टी स्टेट एग्रो कॉपरेटीव सोसायटी लि. सदस्यों/ग्राहकों को असुरक्षित ऋण और अन्य वित्तिय सेवाएं प्रदान करने के लिये कार्य करती है। आमतौर पर सोसायटी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों से सदस्यता प्रस्ताव स्वीकार करती है और 10 से 50 सदस्यों वाली छोटी इकाईयां बनाती है, जिन्हें केन्द्र या संगम कहा जाता है। कम्पनी की बूंदी शाखा में मुलजिम आर्यन रीठी शाखा प्रबंधक व मुलजिम सावन मेघवाल सी.एस.ओ. के पद पर कार्यरत थे। मुलजिम आर्यन रिठी द्वारा जून से सितम्बर 2024 के मध्य ई-साईन प्रकिया के माध्यमों से 3,50,000 रूपये का लोन वितरित किया, जिसमें 10 ग्राहकों के नाम पर अनाधिकृत वितरण किया। मुलजिम आर्यन रिठी द्वारा उक्त ग्राहकों से कहा गया कि उनके ऋण आवेदन अस्वीकार हो गये हैं और ग्राहकों को जारी किये गये ए.टी.एम. कार्ड उन्हें गुमराह कर प्राप्त कर लिये ओर उक्त ए.टी.एम. कार्डो से पैसा निकाल लिया। जिससे सोसाइटी की ऑडिट रिपोर्ट 14.11.2024 में 3,18,743 रूपये बकाया हो गये। इसके अलावा जून से सितम्बर 2024 तक मुलजिम आर्यन रिठी ने 10 मामलों में ग्राहकों से ऋण पूर्व समापन राशि के रूप में 91,099 रूपये एकत्रित किये परन्तु इस धन राशि को शाखा में जमा नहीं करवाया और 6 मई 2024 को भी मुलजिम आर्यन रिठी ने ग्राहकों को रसीद जारी किये बिना ही 8 मामलों में ऋण किस्त के रूप में 11,850 रूपये एकत्रित किये और धन राशि भी शाखा में जमा नहीं करवाई। इस प्रकार मुलजिम आर्यन रिठी द्वारा अनुचित लाभ प्राप्त करने हेतु छल करके बेईमानी पूर्वक ग्राहकों से प्राप्त की गई राशि व सोसायटी से ऋण स्वीकृत करवाकर एटीएम से निकाली गई राशि कुल 4,21,692 रूपये का गबन कर लिया है। इस पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया।

प्रकरण में आरोपी आर्यन राठी पुत्र ओमबीर निवासी साल्हापुर थाना कुड जिला सहानपुर उत्तरप्रदेश व सावन पुत्र राजेन्द्र कुमार (23) निवासी तालाब मोहल्ला सरोला कला थाना खानपुर झालावाड दोनों ही घटना के बाद से फरार थे। प्रकरण में आरोपी सावन को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है तथा प्रकरण मे शेष आरोपी आर्यन राठी पुत्र ओमबीर सिंह को तलाश कर गिरफ्तार किया गया। मुलजिम से अनुसंधान जारी है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने एक बार फिर विपक्ष पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष संसद को चर्चा के मंच के बजाय राजनीतिक हंगामे का अखाड़ा बनाने का प्रयास करता रहा है। कागज फाड़ना, नारेबाजी करना और सदन की कार्यवाही को बाधित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। रविवार सुबह अपने गृहनगर जोधपुर पहुंचे केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की।

> ■ **संसद को राजनीतिक हंगामे का अखाड़ा बना रहा विपक्ष : शेखावत**
>
> ■ **जोधपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मीडिया से बात की**

उन्होंने कहा कि जहां तक कुछ विषयों पर हो रहे विरोध की बात है तो मुझे लगता है कि आज देश में कहीं न कहीं विरोध को एक आदत बना लिया गया है। कुछ लोग बिना विषय को समझे, बिना उसके पीछे के उद्देश्य को जाने, केवल विरोध करने के लिए विरोध कर रहे हैं। विशेष रूप से उन सुधारात्मक कदमों का विरोध किया जा रहा है, जो लोकतंत्र की रक्षा और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं। शेखावत ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा संविधान के तहत जो दायित्व निभाए जा रहे हैं, उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। इसके लिए आवश्यक निर्णय लेना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है। दुर्भाग्य से कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं, जबकि उन्हें स्वयं यह स्पष्ट नहीं है कि वे विरोध क्यों कर रहे हैं? कुछ स्थानों पर ऐसे तत्व भी हो सकते हैं, जिन्हें अवैध या अनुचित रूप से मतदाता सूची में शामिल नामों से राजनीतिक लाभ मिलता रहा हो और वही लोग अब इन सुधारों का विरोध कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह भी एक विडंबना है कि जो लोग कुछ समय पहले स्वयं इन सुधारों की मांग कर रहे थे, वही आज भ्रमित मन:स्थिति में उनका विरोध कर रहे हैं। यह एक प्रकार से भ्रमग्रस्त मानसिकता का संकट है। सरकार और संवैधानिक संस्थाएं अपना कार्य पूरी प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी के साथ कर रही हैं और आगे भी करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि संसद में जनता अपने प्रतिनिधियों को सेवा और विमर्श के लिए भेजती है।

शेखावत ने कहा कि संसद वह स्थान है, जहां चर्चा होनी चाहिए, विचार-विमर्श होना चाहिए, सरकार की नीतियों और निर्णयों की समीक्षा होनी चाहिए। यह देखा जाना चाहिए कि योजनाएं धरातल पर कैसे उतरी हैं और उन्हें और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है? हालांकि, यह उनका अधिकार है, लेकिन देश की जनता सब देख रही है। जनता यह भी समझती है कि कौन संवाद और समाधान की राजनीति करना चाहता है और कौन केवल अवरोध और भ्रम की राजनीति? समय आने पर जनता अपने विवेक के अनुसार निर्णय भी करती है।

सेरेंडिपिटी आर्ट्स फाउंडेशन के गोवा में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव 'सेरेंडिपिटी' से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि कला और संस्कृति आधारित कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिला। वहां की कला और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों ने मुझे भीतर तक प्रभावित किया। यह दस दिनों तक चलने वाला कार्यक्रम वास्तव में एक अद्भुत सांस्कृतिक अनुभव है। शेखावत ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक उत्सव यह सिद्ध करते हैं कि कला और संस्कृति केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, पर्यटन और वैश्विक संवाद का भी सशक्त माध्यम हैं। भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश के लिए इस प्रकार के आयोजन हमारी सॉफ्ट पावर को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संक्षिप्त

रन फॉर विकसित राजस्थान में दौड़े युवा

डीग भरतपुर (निस)। राज्य सरकार के सफलतम दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार की सुबह डीग शहर के लिए एक नई ऊर्जा और संकल्प लेकर आई। श्विकसित भारतश् की तर्ज पर श्विकसित राजस्थानश् के सपने को साकार करने और आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित श्रन फॉर विकसित राजस्थान 2025श् का भव्य आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक दौड़ को गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म और जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने भी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि प्रशासन और जनता जब एक साथ, एक दिशा में दौड़ते हैं, तो विकास की रफ्तार दोगुनी हो जाती है। जिला कलेक्टर ने युवाओं को नियमित व्यायाम और नशामुक्त जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया। दौड़ के दौरान पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी आमजन के साथ कदम से कदम मिलाते नजर आए, जो श्सुशासनश् और श्जन-जुड़ावश् का एक बेहतरीन उदाहरण बना। जब यह रैली डीग के संकरे और मुख्य बाजारों से गुजरी, तो एक अद्भुत दृश्य उपस्थित हो गया। इस भव्य आयोजन में अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजकुमार कस्वां, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मनोज खुराना, अधीक्षण अभियंता पीएचईडी इशू नारंग, विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि और सैकड़ों की संख्या में युवा शक्ति मौजूद रही।

अलवर रोड की दुर्दशा

बहरोड़/ नीमराना। 21 दिसंबर 2025 भारतीय जनता पार्टी के बहरोड़ विधायक डॉ जसवंत यादव को आखिर नगर परिषद क्षेत्र बहरोड़ के अलवर रोड की दुर्गम स्थिति पर तरस आ ही गया। गौरतलब है कि बहरोड़ विधायक डॉ जसवंत यादव क्षेत्र के निर्धारित कार्यक्रमों में एक कार्यक्रम से दूसरे कार्यक्रम में जाते समय बहरोड़ के अलवर रोड से गुजरते वक्त बीच सड़क भरे दुर्गंध युक्त गंदे नाले के पानी से टूटी सड़क को देखकर रुके तथा मौके पर ही जिम्मेदार अधिकारी से मामले में आमने-सामने बातचीत की। वहीं प्रशासन के अधिकारियों द्वारा विधायक के समय पूछे जाने पर एक-दो दिन में कहते कल 11 बजे तक का नाम लेकर टरका दिया गया। वहीं उक्त मामले में पहले भी भारतीय जनता पार्टी के जुझारू प्रतिनिधि ओम प्रकाश यादव द्वारा सांसद भूपेंद्र यादव आदि को पत्र लिखकर भी मामले से अवगत कराया जा चुका है।

बैठक दिव्यागों पर चर्चा

कोटपूतली । राजमार्ग स्थित मोरीजावाला धर्मशाला में रविवार को बाबूलाल खर्रा की अध्यक्षता में दिव्यांग शक्ति संगठन की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांगजनों की समस्याओं पर विचार-विमर्श करते हुये दिव्यांग साथी समाज में आगे कैसे बढ़ें एवं आत्मनिर्भर कैसे बने पर चर्चा की।

वर्तमान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर विकास व स्वस्थ्य जीवन का संदेश दिया

टोंक। वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को जिला स्तर पर रन फॉर विकसित राजस्थान 2025 कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ विकसित राजस्थान के संकल्प से जोडना रहा।

दौड का शुभारंभ जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, एडीएम रामरतन सौकरियां, सीइओ परशुराम धानका, जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, पूर्व नगर परिषद सभापति लक्ष्मी जैन, प्रभु बाडोलिया, विष्णु शर्मा, वेणी प्रसाद जैन इत्यादि ने हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। रन फोर विकसित राजस्थान के माध्यम से युवाओं में स्वस्थ्य जीवन के लिए दौड़ के महत्व का संदेश दिया गया है, इस प्रकार के आयोजन युवाओं को फिटनेस और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं, उन्होंने सभी प्रतिभागियों से नियमित व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस दौड़ में जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी, स्कूल एवं कॉलेज शिक्षा के छात्र-छात्राओं के साथ एनसीसी ध्एनएसएस, स्काउट एवं गाइड, नगर परिषद, पुलिस विभाग, आरएसी, खेल विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जिला परिषद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

टोंक में दौड का शुभारंभ जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल व अन्य की मौजूदगी में हुआ।

- जिला स्तरीय रन फॉर विकसित राजस्थान का कार्यक्रम आयोजित

15 दिव्यांगों का सम्मान

सांभरझील। पार्षद बिंदु कुमारी का कहना है कि दिव्यांग होना कोई अभिशाप नहीं है। परमात्मा का सानिध्य जब मिलता है तो यही प्रतिभाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रोशन कर देती है। हमें ऐसे दिव्यांगों का दिल से सम्मान कर उनको आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहिए क्योंकि उनकी आत्मा की आवाज हमें भी उन्नित की राह दिखाती है। प्रदेश सर्वोदय विकलांग सेवा समिति द्वारा नया बस स्टैंड क्षेत्र में 15 दिव्यांग जनों का सम्मान करते हुए उन्होंने यह बात कही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गौशाला अध्यक्ष मुन्ना लाल शर्मा, विशिष्ट अतिथि सीपी व्यास व सोमेश अजमेरा अध्यक्षता अभय तिवारी प्रदेश सर्वोदय विकलांग सेवा समिति एवं प्रवक्ता ने की। आयोजित कार्यक्रम में हेमंत महावर,दाउद चौधरी, शकील कुरैशी, शाहिद अनेक की मौजूदगी रही।

बैठक में पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने पर चर्चा

पावटा। प्रागपुरा थाना परिसर में रविवार को सीएलजी सदस्य , ग्राम रक्षक , सुरक्षा सुखी और पुलिस मित्रों की मीटिंग का आयोजन प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें प्रागपुरा थाना क्षेत्र के सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक , पुलिस मित्र और सुरक्षा सखी की महिला सदस्य उपस्थित रहीं।

बैठक में थाना प्रभारी भजनाराम द्वारा पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने पर चर्चा की गई। बैठक में थाना स्तर पर कानून व्यवस्था के संबंध में सदस्यों के फीडबैक लिए गये। थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई तरह के सुझाव दिए गए। सीएलजी सदस्यों की बैठक में साइबर क्राइम, रोड एक्सीडेंट, अपराध नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द, शांति और सद्भाव बनाए रखने ओर असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान थाना प्रभारी भजनाराम ने सीएलजी मेंबर्स व मीटिंग में आए लोगों को कानूनी प्रक्रिया की जानकारी दी। वही थाना प्रभारी भजनाराम ने सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि लापरवाही और यातायात नियमों का उल्लंघन दुर्घटनाओं का बड़ा कारण है। यदि वाहन चालक हेलमेट, सीट बेल्ट, निर्धारित गति और यातायात संकेतों का पूरी तरह पालन करें तो अधिकांश हादसों को रोका जा सकता है। उन्होंने सभी को नियमों की पालना को जन-जागरूकता का रूप देते हुए घर-घर संदेश पहुंचाने की अपील भी की।उन्होंने कहा कि पुलिस केवल कार्रवाई नहीं करती, बल्कि समाज को सुरक्षित रखने के लिए जागरूकता का कार्य भी करती है। सड़क सुरक्षा में नागरिकों की भागीदारी बेहद जरूरी है। इस दौरान सीएलजी सदस्य , ठााम रक्षक , सुरक्षा सुखी और पुलिस मित्र मौजूद रहे।

- बैठक में सीएलजी सदस्य, ग्राम रक्षक, सुरक्षा सुखी और पुलिस मित्रों की मौजूदगी रही

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में पदों की संख्या बढ़ाने की मांग

शाहपुरा । राजस्थान प्रदेश कांठोस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप कलवानिया ने राज्य सरकार से प्रदेश में आगामी तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में पदों की संख्या में भारी बढ़ोतरी करने की मांग की है।

कलवानिया ने कहा कि वर्तमान में राज्य के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के बड़ी संख्या में पद रिक्त पड़े हैं, जिसके कारण ठाामीण और शहरी क्षेत्रों की शिक्षण व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि पिछले 15 सालों में हुई भर्तियों की तुलना में इस बार सबसे कम, महज 7759 पदों पर भर्ती निकाली जा रही है। प्रदेश प्रवक्ता ने भाजपा सरकार पर निशांना साधते हुए कहा कि जहां 15 लाख युवा बेरोजगार इस भर्ती का लंबे समय से इंतज़ार कर रहे हैं ।

खैरथल तिजारा जिला कोर्ट सभी एक शहर और एक छत के निचे खोली जाएं : राकेश तिवाड़ी

किशनगढ़ बास। अभिभाषक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश तिवाड़ी का रविवार को शहर कांग्रेस कमेटी की ओर से विधायक दीपचंद खेरिया के मुख्य अतिथि में स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस मौके पर शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संस्कार अग्रवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अभिभाषक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश तिवाड़ी सहित विधायक दीपचंद खेरिया, प्रधान बद्री प्रसाद सुमन, पूर्व प्रधान व कांग्रेस वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश रोघा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अजीत यादव, विजेंद्र महलावत, वीर नारायण यादव का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया।

सामारोह में संबोधन के दौरान अभिभाषक संघ के अध्यक्ष राकेश तिवाड़ी ने शहर कांग्रेस कमेटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आमजन व वकीलों के हितों को ध्यान रखते हुए संघ की मांग रहेंगी की सभी जिला कोर्ट एक शहर में और एक छत के नीचे संचालित हो । इस मौके पर विधायक दीपचंद खेरिया ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश तिवाड़ी व उनकी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह भी वकील हैं और किशनगढ़ बास संघ के सदस्य रहे हैं। उन्होने वकीलों को संविधान की रीड की हड्डी बताया और कहा मैंने जीवन में हमेशा सच का साथ दिया है और कभी झूठ नहीं बोला और ना ही कभी वकील साथियों में छोटे बड़े का अन्तर समझा है। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष संदीप पाटिल, पार्षद नितिन यादव, प्रवक्ता जतिन लालवानी, पार्षद नत्थुराम सैनी, धीर सिंह मेघवाल, कमल सिंह,बलवंत महारानियां, मदन लाल गुप्ता, सुल्तान सिंह यादव, शाहिद खान,हर्षित जांगिड़, रतिराम चौधरी शपाथ खान, अशोक अठावाल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे

- शहर कांग्रेस कमेटी ने नवनिर्वाचित अभिभाषक संघ अध्यक्ष का स्वागत किया ।

किशनगढ़ शहर कांग्रेस कमेटी ने नव निर्वाचित अभिभाषक संघ अध्यक्ष राकेश तिवाड़ी का स्वागत किया । इस मौके पर विधायक दीपचंद खेरिया सहित कांग्रेस नेता मौजूद रहे ।

लोक अदालत में मामले निबटाए

भरतपुर (निस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला एवं सेषन न्यायाधीष, भरतपुर बलजीत सिंह के मार्गदर्षन में वर्ष 2025 की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन भरतपुर मुख्यालय सहित जिला भरतपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भरतपुर के द्वारा किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देषन में आयोजित हुई राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन सलीम बदर, न्यायाधीष, पारिवारिक न्यायालय क्रम संख्या-01, भरतपुर के द्वारा न्यायिक अधिकारीगण कुंतल जैन, अनुतोष गुप्ता, दीपिका सिंह, श्रद्धा शुक्ला, मुकीम खान, राकेष मार्क्स तथा रचना सिनसिनवार के द्वारा किया गया। पारिवारिक, मोटर दुर्घटना दावा, चौक अनादरण, दाण्डिक शमनीय तथा अन्य प्रकृति के लम्बित प्रकरणों तथा विद्युत, बीमा, बैंक आदि विषय के प्रीलिटिगेषन प्रकरणों के निस्तारण हेतु भरतपुर मुख्यालय व तालुकाओं की न्यायिक एवं राजस्व न्यायालयों में 13 लोक अदालत बैंचों का गठन किया गया।

सार-समाचार

चौमूं में विकास रथ का स्वागत

चौमूं / कालाडेरा । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के सफल दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे "सुशासन पखवाड़ा" के तहत आज चौमूं विधानसभा क्षेत्र में भाजपा देहात मण्डल कालाडेरा की ठााम पंचायत विमलपुरा, जयसिंहपुरा और टांकरडा में विकास रथ पहुँचने पर ठाामीणों द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने जन समूह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्ष प्रदेश की उन्नित, पारदर्शिता और अंत्योदय के संकल्प को समर्पित रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए बताया कि सरकार की योजनाओं का मूल मंत्र अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ना है। विकास रथ पर लगी आधुनिक स्क्रीन के माध्यम से राज्य सरकार की महत्वपूर्ण जन-कल्याणकारी योजनाओं और ऐतिहासिक निर्णयों को प्रदर्शित किया गया। ठाामीणों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर इन योजनाओं की जानकारी ली। माँ भारती के गगनभेदी जयघोष के बीच ठाामीणों में सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर भारी उत्साह देखा गया। विकास रथ यात्रा विधानसभा क्षेत्र चौमूं की प्रत्येक पंचायत स्तर पर पहुंचेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम जिला संयोजक मुकेश चोपड़ा, गोविन्दगढ़ पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और ठाामीण उपस्थित रहे।

6 वार्डों को यथावत रखने की मांग

रुदावल भरतपुर (निस)। नए पंचायत परिसीमन में रुदावल ग्राम पंचायत के वार्डो को यथावत रखने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने पंचायत घर पर एकत्रित होकर प्रदर्शन कर नायब तहसीलदार जयप्रकाश शर्मा को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है। रविवार को कस्बे के सैंकडों लोग पंचायत घर पर एकत्रित हो गए एवं पंचायत घर पर प्रदर्शन करते हुए धरना पर बैठ गए। धरना प्रदर्शन की सूचना पर नायब तहसीलदार रुदावल जयप्रकाश शर्मा पंचायत घर पर पहुंचे और ठाामीणों से समझाइस की गई। ठाामीणों की ओर से वार्डों को यथावत रखने की मांग को लेकर नायब तहसीलदार को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया। जिस पर नायब तहसीलदार जयप्रकाश शर्मा ने ग्रामीणों को न्यायोचित कार्रवाही का आश्वासन देते हुए उनकी मांग को उच्चाधिकारियों को भेजने की बात कही। ग्रामीणों का कहना है कि ठााम पंचायत रुदावल के वार्ड संख्या एक से 15 तक वार्ड ग्राम पंचायत के गठन के समय से ही रुदावल में मतदान कर रहे है। वर्तमान में नए परिसीमन में ग्राम पंचायत के वार्ड संख्या 1 से 5 व वार्ड संख्या 13 को ग्राम पंचायत खेडाठाकुर में जोडा जा रहा हैं जो इन वार्डों के बाशिंदों के साथ अन्याय है। नए परिसीमन में इन वार्डों को खेडाठाकुर में जोडने का आधार इन वार्डों का खेडाठाकुर की राजस्व भूमि में बसा होना बताया जा रहा है। ज्ञापन में बताया है कि रुदावल ठााम पंचायत का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्मशान स्थल, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, जलदाय विभाग की परियोजना के साथ साथ राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजस्व ठााम खेडाठाकुर की जमीन पर बने हुए है और इनका उपयोग वर्तमान वार्डों की जनता द्वारा आपसी सामंजस्य से किया जाता है। वार्डों के साथ छेडछाड किए जाने की स्थिति में इनके उपयोग पर विवाद की स्थिति पैदा होगी। रुदावल ठााम पंचायत के छह वार्डों का नवीन परिसीमन में विखण्डन कर दूसरी पंचायत में नहीं जोडा जावे तथा परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने से पूर्व एक कमेटी गठित कर इन वार्डो की राय ली जाए तथा मौके पर भौगोलिक स्थिति को देखा जाए। जिससे परिसीमन प्रक्रिया न्यायोचित एवं जनहित में हो सके। इसके साथ ही ठााम पंचायत रुदावल जो राजस्व ठााम खेडाठाकुर एवं राजस्व ठााम रुदावल में बसे हुए है इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए रुदावल ठााम पंचायत की आबादी जो राजस्व ठााम खेडाठाकुर के राजस्व भूमि में बसी हुई है उसका राजस्व रिकॉर्ड बदलवाकर खेडाठाकुर से रुदावल कराया जाए जिससे परिसीमन के दौरान होने वाली इस समस्या से निजात मिल सके। ज्ञापन देने वालों में पंचायत समिति सदस्य तरूण बंसल, पूर्व सरपंच सुभाष कटारा, भाजपा नेता तरुण शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि कुमरपाल कोली, रिटायर्ड प्रधानाचार्य मदनलाल जाटव, समाज सेवी मुकेश टाइगर, जीतू सहारिया, अनिल सिकरवार, रामवीर सक्सैना, घनश्याम जांगिड, नन्दराम व्यास, रूपसिंह शर्मा, मोहन सिंह बघेल, राजेन्द्र बघेल, शिवदयाल गर्ग, सतीश सक्सैना, शिवजी जांगिड, कालीचरण कोली सहित सैंकडों की संख्या में ठाामीण मौजूद रहे।

नई कार्यकारिणी ने शपथ ली

टोंक। मुख्यालय स्थित जैन नसिया मंदिर में आचार्य वर्धमान सागर के सानिध्य में दिगंबर जैन महासभा की नवनिर्वाचित राष्ट्रीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को आयोजित किया गया। इस अवसर पर जैन समाज द्वारा कार्यकारिणी के सदस्यों का माला पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।स्वागत के समय सभी सदस्यों में उत्साह का माहौल रहा। नवनिर्वाचित सदस्यों ने आचार्य वर्धमान सागर से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर हेमंत चवरिया ने बताया कि 22 से 30 दिसंबर तक मंदिर प्रांगण में आचार्य वर्धमान सागर के सानिध्य में एक विधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, इस दौरान श्रद्धालु भगवान महावीर की पूजा-अर्चना करेंगे। इस कार्यक्रम में पूरे राजस्थान सहित देश भर से श्रद्धालु भाग लेंगे, जिसके आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

कोटपूतली में जयसिंह गौशाला के चुनाव में जमकर हंगामा

कोटपूतली । कस्बे के बानसूर रोड स्थित श्री जयसिंह गौषाला के द्विवार्षिक चुनाव रविवार को भारी हंगामे के बीच सम्पन्न हुये। अल सुबह 10 बजे मतदान प्रक्रिया शुरू होने के कुछ ही देर बाद पूर्व पार्षद व सामाजिक कार्यकर्ता तारा पूतली की अगुवाई में भारी संख्या में युवा कार्यकर्ता गौशाला कट पर पहुंच गये एवं भारी नारेबाजी करते हुये चुनाव प्रक्रिया का विरोध भी करने लगे। दरअसल में 04 माह पूर्व भी गौशाला की चुनाव प्रक्रिया हेतु अध्यक्ष पद पर आवेदन आमंत्रित किये गये थे। उस दौरान तारा पूतली ने अपनी दावेदारी की थी, साथ ही बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ श्री जयसिंह गौषाला पहुंच गये थे। किन्तु गौषाला समिति द्वारा चुनाव प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था। इस दौरान तारा पूतली व उनके समर्थकों के बढ़ते गतिरोध को देखते हुये चुनाव समिति व गौषाला प्रबंधन ने गौषाला में बीमार गौवंष हेतु एक गौ एम्बुलेंस व उपचार शाला बनवाने का आष्वासन चुनाव प्रक्रिया से पूर्व ही पूर्ण किये जाने का दिया था। तारा पूतली का आरोप था कि समिति द्वारा मनमाने ढंग से चुनाव प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया, जो गौ सेवा में विष्वास रखने वाले लोगों के लिये बेहद पीड़ादायक था। परन्तु समिति ने अपने आष्वासन को पुरा किये बगैर ही चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी। इसी को लेकर तारा पूतली व उनके समर्थक चुनाव प्रक्रिया के विरोध को लेकर रविवार को मतदान के दौरान मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते तारा पूतली ने एक प्लास्टिक की पीपी से अपने उपर डीजल डालते हुये आत्मदाह की कोषिष की। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुये कोई अनहोनी होने से पूर्व ही उन्हें रोक लिया एवं पकड़कर एक दुकान में ले गये। इस दौरान मौके पर भारी हंगामा भी हो गया। सैकड़ों की संख्या में युवा कार्यकर्ता नारेबाजी भी करने लगे। हालात बिगड़ते देख मौके पर डीएसपी राजेन्द्र बुरड़क, एसएचओ राजेष शर्मा, साईबर थाना एसएचओ मोहर सिंह समेत भारी मात्रा में पुलिस जाप्ता व मौका मजिस्ट्रेट के रूप में तहसीलदार रामधन गुर्जर भी घटना स्थल पर पहुंच गये। साथ ही पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने भी प्रदर्षनकारी युवकों के साथ समझाईष भी की। इस दौरान पुलिस ने नारेबाजी कर रहे उत्पाती युवकों पर लाठियां भांजते हुये उन्हें मौके से खदेड़ कर हालात को अपने नियंत्रण में ले लिया। तारा पूतली समेत एक दर्जन से अधिक युवाओं को हिरासत में भी ले लिया। घटना के दौरान तारा पूतली के मुंह में डीजल चले जाने के कारण उनकी हालत बिगड़ गई। जिन्हें बाद में राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल से जयपुर रैफर कर दिया गया। फिलहाल तारा पूतली की हालत स्थिर बताई जा रही हैं। वहीं दुसरी ओर चुनाव प्रक्रिया को लेकर गौषाला के पास भारी गहमागहमी भी देखी गई। हंगामे से इतर गौषाला परिसर में मतदान प्रक्रिया बदस्तुर जारी रही। चुनाव अधिकारी सुरेष मोठुका व सहायक चुनाव अधिकारी एड. बजरंग लाल शर्मा ने बताया कि मतदाता सूची के पंजीकृत 346 में से 316 मतदाताओं ने पहचान पत्र दिखाकर अपने अधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद पर राजेष सवाईका ने 187 मत प्राप्त कर संदीप शर्मा को 74 मतों से पराजित किया। शर्मा को कुल 113 व अन्य प्रत्याषी ओमप्रकाष मीणा को 13 मत प्राप्त हुये। इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद पर जुगल किशोर शर्मा ने 196 मत प्राप्त कर रूपसिंह शेखावत को 80 मतों से पराजित किया। शेखावत को 116, नोटा को 01 व 03 मत रद्द किये गये। जबकि महासचिव पद पर प्रहलाद चंद बंसल ने 167 मत प्राप्त कर प्रफुल्ल रमन को 21 मतों से पराजित किया। रमन को 146 व नोटा को 01 मत प्राप्त हुआ एवं कुल 02 मत रद्द किये गये। निर्वाचित पदाधिकारियों को चुनाव अधिकारियों द्वारा शपथ दिलवाई गई। निर्वाचन का समाचार सुनते ही प्रत्याषियों, उनके समर्थकों व कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर भी दौड गई। चुनाव समिति ने सभी प्रत्याषियों, प्रक्रिया सम्पन्न करने वाले कार्यकर्ताओं आदि का आभार जताया। वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेष सवाईका ने सभी का आभार व्यक्त करते हुये गौषाला के विकास एवं व्यवस्थाओं को मजबुत करने की बात कही। सवाईका विगत 05 वर्षो से श्री श्याम परिवार के नाम से धार्मिक संगठन चला रहे हैं। देष की आजादी से पूर्व रियासत काल में खेतड़ी दरबार द्वारा वर्ष 1893 में स्थापित की गई ऐतिहासिक श्री जयसिंह गौषाला के 132 वर्षो में यह पहली बार था कि जब कार्यकारिणी को चुनाव प्रक्रिया द्वारा चुना गया।

- भारी नारेबाजी करते हुये चुनाव प्रक्रिया का विरोध भी करने लगे।

वैदिक तरीके से जीवन जीने की कला सिखाई जाएगी'

सांभरझील । संस्कारित गुण विकसित करने व जीवन पर्यंत ऊर्जावान बने रहने के वैदिक तरीके सिखाने के लिए सांभर में विशेष आवासीय शिविर की तैयारी व अधिक से अधिक बच्चों को पार्टिसिपेट सुनिश्चित किए जाने के लिए आर्यवीर चरित्र निर्माण दल के सदस्यों ने घर-घर जाकर इसका प्रचार प्रसार किया एवं भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए अभिभावकों को भी इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आ ान किया। दल मै प्रमुख रूप से शामिल डॉ. ज्ञान प्रकाश दायमा, देवेंद्र कुमार भार्गव, प्रमोद कुमार जोशी व राजू रोहिला बताते हैं कि सांभर के दशहरा ठााउंड पर अध्यक्ष सर्वदेशिक आर्य विद्यालय न्यास आगामी 25 दिसंबर को होने वाले प्रोठााम में कार्यक्रम में स्वामी देवव्रत सरस्वती अध्यक्ष, सर्वदेशिक आर्य वीर दल न्यास, स्वामी ओमानंद सरस्वती अध्यक्ष आर्य गुरुकुल आबू पर्वत का आशीर्वचन भी प्राप्त होगा। बताया गया कि राजीव गुलाटी व ज्योति गुलाटी अध्यक्ष एमडीएच ठाुप के सानिध्य में होगा। मुख्य अतिथि की हैसियत से जितेंद्र भाटिया स्नेह भाटिया प्रतिनिधि एमडीएच द्वारा संचालित महाशय धरमपाल चेरिटेबल ट्रस्ट शिरकत करेंगे। सम्मानित अतिथि सज्जन सिंह कोठारी पूर्व लोकायुक्त बनाए गए

कोटपूतली में शहीद परिवार को सहायता राशि दी

कोटपूतली में शहीद सुबेदार रामसिंह कसाना के परिजनों को सहायता राशि सौंपी ।

- भारतीय सेना की बटालियन 16 राजपूत में तैनात सुबेदार रामसिंह कसाना का गत दिनों जम्मु कश्मीर में ड्यूटी पर निधन हो गया था। रविवार को देव दरबार सैनिक ग्रुप के हव.राजेश कुमार रावत, हव. महेन्द्र सिंह कसाना समेत अन्य परिजनों को 01 लाख 51 हजार रूपयों की सहायता राशि का चैक सौंपा।

कोटपूतली । ऑल इण्डिया देव दरबार सैनिक ग्रुप के सदस्य जवानों द्वारा रविवार को ग्राम सुन्दरपुरा पहुंचकर शहीद सुबेदार रामसिंह कसाना के परिजनों को सहायता राशि सौंपी। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना की बटालियन 16 राजपूत में तैनात सुबेदार रामसिंह कसाना का विगत दिनों जम्मु कष्मीर में ड्यूटी पर निधन हो गया था। रविवार को देव दरबार सैनिक ग्रुप के हव.राजेश कुमार रावत, हव. महेन्द्र सिंह कसाना, कैप्टन लालचंद फामड़ा, सुबे. ओमप्रकाश मुक्कड, हव. अभय राज, सुबे. बनवारी लाल, सुबे. रोहिताश, सुबे. सुबेसिंह, हव. सैमाल, ना. सु. महेष, हव. कमलेश छावड़ी, हव. हरदान सिंह, हव. ख्यालीराम, हव. रामस्वरूप, हव. गिरिराज खटाना, सुबे. हमीर सिंह, हव. धर्मवीर राहेड़ा, हव. महेन्द्र सिंह चंदेला, फौजी बलवान रावत व गजराज रावत ने शहीद की माता फूली देवी, पत्नी माया देवी, पुत्र अंकित व रवि एवं भाई सोहन लाल समेत अन्य परिजनों को 01 लाख 51 हजार रूपयों की सहायता राशि का चैक सौंपा। ग्रामीणों ने संगठन के सदस्यों का स्वागत करते हुये आभार व्यक्त किया। इस दौरान शहीद के ताउ रामजीलाल, जगदीष, कैलाष मैनेजर, कांठोस नेता देव कसाना, किसान कांठोस नेता बीएल कसाना, पंसस प्रतिनिधि विक्रम सिंह कसाना, सरपंच प्रतिनिधि यादराम कसाना, धूड़ाराम, जगदीष, बाबूलाल, यादराम मुनीम, भागुराम, कालूराम समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

शिक्षक व खिलाड़ी सम्मानित

बहरोड/ नीमराना। ममता हैल्थ एवं ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज की स्वास्थ्य परियोजना के अंतर्गत बहरोड़ कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मांचल, बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गंडाला एवं बाल विकास स्कूल हमींदपुर में युवा सम्मेलन के तहत खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में कबड्डी, रस्साकसी, रिले दौड एवं दौड करवाई गई। पी.टी.आई रविन्द्र, राजकुमार यादव, खेल प्रभारी रविंद्र व राजेंद्र ने खेल करवाए। मांचल स्कूल में लडकों की कब्बड्डी टीम आर्यन व गंडाला छात्रा कबड्डी टीम में लक्ष्मी बाई तथा छात्र कबड्डी में आजाद टीम विजेता रहने पर प्राचार्य द्वारा विनर ट्रॉफी एवं गोल्ड मेडल तथा उपविजेता टीम को सिल्वर मेडल देकर सम्मानित किया गया। वहीं ममता संस्था से सुशील रोहिल्ला द्वारा प्राचार्य, उपप्राचार्य व पीटीआई को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित करने पर आभार जताया। कार्यक्रम में अध्यापक मीना, सज्जन सिंह ,राजकुमार, मुकेश, सुनील, सत्येंद्र, परवीन, राजेंद्र, शेर सिंह, अशोक, रेखा यादव, कविता, हंसराज, रविंद्र, अभय सिंह, पंकज यादव, सीमा, सुषमा, पिंकी, सुनीता, पुष्पा, रेखा, बबीता, टीना व ममता संस्था से मंजु, कविता, अनीशा, सीमा आदि मौजूद रहे।

डिग्री पाने का सपना पूरा, 2 हजार विद्यार्थियों को डिग्रियां मिली

- 57 को गोल्ड मेडल और 48 को सिल्वर मेडल से नवाजा
- पदमश्री से सम्मानित 3 विभूतियों को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की

मानपुरा माचैडी महात्मा ज्योति राव फूले विश्वविद्यालय के 10 वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को डिग्रियां वितरित की।

मानपुरा माचैडी । एक ओर जहां आंखों में सुनहरे भविष्य के सपने वहीं दूसरी और हाथों में डिग्री पाने की खुशी चेहरे पर साफ झलक रही थी। विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों के लिए यह वाकई आज का दिन एक ऐतिहासिक व गर्व के अनुभूति का ऐसा खास अवसर था जो उनकी जिदंगी में हमेशा एक यादगार पल बना रहेगा।

कुछ ऐसा ही दिलचस्प नजारा रविवार को आयोजित महात्मा ज्योति राव फूले विश्वविद्यालय के 10 वें दीक्षांत समारोह मे देखने को मिला। समारोह में समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान के लोकायुक्त जस्टिस प्रताप कृष्ण लोहरा और युनिवर्सिटी के चेयरपर्सन निर्मल पंवार ने 2000 विद्यार्थियों को डिठिाया प्रदान की जबकि 18 को पीएचडी, 57 को गोल्ड मेडल और 48 को सिल्वर मैडल से नवाजा।

मुख्य अतिथि लोहरा ने दीक्षांत समरोह में कहा कि युवा शक्ति देष की असली पूंजी है। युवाओं की ऊर्जा व कौषल का उपयोग रचनात्मक कार्यो और राष्ट्र निर्माण में करने से ही भारत एक समृद्व व विकसित राष्ट्र बन सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कोई भी शिक्षा हो या डिग्री वह समाज की समस्याओं के समाधान में काम आना चाहिए। इसलिए वे अपनी शिक्षा एवं ज्ञान कौशल का उपयोग मानवता की भलाई के लिए करें । युनिवर्सिटी के चेयरपर्सन निर्मल पंवार ने दीक्षान्त समारोह में डिठाी और मैडल पाने वाले स्टूडेंटस को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कहा कि देश का सुनहरा भविष्य आज के शिक्षित युवाओं में निहित है। डिग्री के बाद पढाई का अंत नहीं है । यूनिवर्सिटी की नवनियुक्त वाइस चांसलर जोया चक्रवती.ने कहा कि देश को युवा पीढ़ी को आज सकारात्मक सोच की जरूरत है।

विकास के संकल्प के साथ दौड़े बच्चे

कोटपूतली । राज्य सरकार के सफल दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रन फॉर विकसित राजस्थान कार्यक्रम के तहत रविवार को जिला स्तरीय दौड़ का भव्य आयोजन किया गया। राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपुतली से जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

दौड़ सरदार विद्यालय से प्रारम्भ होकर अग्रसेन तिराहा से मुख्य बाज़ार होते हुए राजकीय एलबीएस कॉलेज कोटपुतली पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान पूरा मार्ग विकास, एकता और जनभागीदारी के उत्साह से सराबोर नजर आया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर ओम प्रकाश सहारण, एसडीएम रामवतार मीणा, कॉलेज प्राचार्य आरके सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद मीणा, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों, युवाओं, विद्यार्थियों, खिलाडियों, एनसीसी सहित बडी संख्या में आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। जिला कलेक्टर ने कहा कि रन फॉर विकसित राजस्थान केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि राज्य सरकार के विकासात्मक कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता का प्रतीक है।

सार-समाचार

विश्व में सुख, शांति, प्रेम का संदेश दिया

टोंक । विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय टोंक के राजयोग भवन में रविवार को विश्व एकता व विश्वास के लिए ध्यान पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से विश्व में सुख, शांति, प्रेम, पवित्रता और खुशी का संदेश प्रसारित किया गया। इस अवसर पर ओम की दिव्य ध्वनि द्वारा स्वयं एवं आसपास के वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भरने का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी अपर्णा ने कहा कि विश्व ध्यान दिवस मानवता को आंतरिक शांति और संतुलन की ओर ले जाने की एक महत्वपूर्ण पहल है। ध्यान केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि समाज और संपूर्ण विश्व में शांति, सद्भाव और करुणा का संचार करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि जब एक व्यक्ति शांत होता है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे वातावरण पर पडता है। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी ऋतु ने राजयोग की गहन अनुभूति कराते हुए कहा कि राजयोग मेडिटेशन व्यक्ति को स्वयं की पहचान कराकर परमात्मा से जोडता है, इससे आत्मा के मूल गुण सत्यता, पवित्रता, दया, करुणा, धैर्य और सेवा जागृत होते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी साधकों ने विश्व ध्यान दिवस पर राजयोग मेडिटेशन को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए सकारात्मक संकल्प लेने का दृढ़ निश्चय किया।

दो ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित चालक पकड़ा

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन लाल भार्गव के निर्देशन में पुलिस उपअधीक्षक उनियारा आकांक्षा के सुपरविजन एवं उनियारा थानाधिकारी कप्तान सिंह के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम ने रविवार को अवैध रुप से बजरी परिवहन करते पाये जाने पर आरोपी प्रेमराज पुत्र राजेन्द्र प्रसाद गुर्जर उम्र 21 साल निवासी महुआ थाना अलीगढ़ एवं रामप्रसाद पुत्र चौथमल गुर्जर उम्र 39 साल निवासी विजयपुरा थाना चौथ का बरवाडा को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान कार्यवाही में दो ट्रेक्टर मय बजरी से भरी ट्रोलियों को जप्त किया गया। दोनों ट्रैक्टर चालको के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

दो चरणों में जनगणना होगी

- अप्रैल से सितंबर 2026 के मध्य एक माह की अवधि में मकान सूचीकरण और फरवरी 2027 में जनसंख्या गणन
- प्रशासनिक इकाइयों और नक्शों के सत्यापन के लिए जिला कलक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय शिविर आयोजित किया

कोटपूतली । देश में आगामी जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर एवं अति. जिला कलक्टर के मार्गदर्शन में प्रशासनिक इकाइयों की सूची एवं नक्शों के सत्यापन हेतु एक दिवसीय महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजना किया गया। बाबूलाल मीना उप निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, कोटपूतली-बहरोड़ ने एक दिवसीय शिविर में उपस्थित उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, आयुक्त, अधिशाषी अधिकारी को अनुरोध किया कि जनगणना का कार्य राष्ट्रिहत में अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। अतः इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उप निदेशक ने अनुरोध किया कि 2011 के बाद सीमाओं में हुए परिवर्तनों, नवगठित नगर पालिकाओं और ठााम पंचायतों के नक्शों का बारीकी से सत्यापन किया जाए। जनगणना कार्य निदेशालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से आई टीम सहायक निदेशक श्री महेश कुमार, श्री दिनेश रैगर सांख्यिकीय अधिकारी श्री सचिन कुमार, नम्रता जैन द्वारा बताया गया कि जनगणना-2011 की तुलना में आगामी जनगणना हाई-टेक होगी। इस बार डेटा संकलन के लिए पेपर अनुसूची की जगह मोबाइल ऐप्स का उपयोग किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक तेज और पारदर्शी होगी। अप्रैल से सितंबर 2026 के मध्य एक माह की अवधि में मकान सूचीकरण और आवास गणना की जाएगी । फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना का कार्य होगा।

हादसे में युवक की दर्दनाक मौत

भरतपुर (निस)। भरतपुर में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है, जहां रोडवेज बस की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि युवक के सिर के चीथड़े सड़क पर बिखर गए। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

भरतपुर शहर के अटलबंद थाना क्षेत्र अंतर्गत हीरादास बस स्टैंड के सामने रोडवेज बस ने एक युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सतेंद्र पुत्र भीकम सिंह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से धौलपुर जिले के बसेड़ी क्षेत्र के गांव बोरोली का रहने वाला था।बताया जा रहा है कि सतेंद्र गुड़गांव में मजदूरी का काम करता था और किसी काम से भरतपुर आया हुआ था। हादसा भरतपुर डिपो की रोडवेज बस से हुआ है। जो धौलपुर से भरतपुर की ओर आ रही थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में आ रही थी, तभी हीरादास बस स्टैंड के सामने पैदल जा रहा युवक उसकी चपेट में आ गया। बस के नीचे आने से युवक के सिर कई टुकड़ों में बिखर गया, जिसे देखकर वहां मौजूद लोग सन्न रह गए। घटना की सूचना मिलते ही अटलबंद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक के परिजनों को भी हादसे की सूचना दे दी गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और बस चालक से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस थाना प्रागपुरा की मनचलों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

- कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले दो असामाजिक मनचलों को गिरफ्तार किया

पावटा। पुलिस द्वारा महिलाओं में सुरक्षा की भावना को बल देने के लिए अलग-अलग स्थानों पर अभियान चलाते हुए मनचले लोगों को सबक सिखाया जा रहा है। इस अभियान के तहत महिलाओ से छेड़छाड़ करने वाले मनचलो के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार विश्नोई ने बताया की राज्य सरकार द्वारा मनचलो के विरुद्ध कार्यवाही हेतू एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत पुलिस थाना प्रागपुरा द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए कस्बा प्रागपुरा मे चौराहा से कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले दो असामाजिक मनचले रुपेश सिहं पुत्र उत्तम सिहं जाति राजपूत उम्र 19 साल निवासी प्रागपुरा पुलिस थाना प्रागपुरा जिला कोटपूतली बहरोड व प्रकाश पुत्र सुण्डाराम जाति मीणा उम्र 30 साल निवासी टोरडा गुजरान पुलिस थाना प्रागपुरा जिला कोटपूतली बहरोड को गिरफ्तार किया गया है। इलाका थाना में अवैध रुप से कार्य करने वालो एवं असामाजिक तत्वो के खिलाफ प्रागपुरा थानाधिकारी भजनाराम द्वारा कडा रुख अपनाते हुए पूर्ण रुप से शिंकजा कसने के लिये अधिकाधिक कार्यवाही की जाकर इस प्रकार की अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्यवाही कर पूर्ण रुप से लगाम लगाई जायेगी। प्रागपुरा थानाधिकारी भजनाराम ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है और इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। पुलिस की इस प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बना है और आमजन ने राहत की सांस ली है।

'केंद्र सरकार की नीतियों से अरावली खतरे में'

मनोहरपुर । ऑल इंडिया किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव दिगराज सिंह शाहपुरा ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अरावली पर्वत श्रृंखला को लगातार नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की लापरवाही के कारण अरावली क्षेत्र में खनन, वन कटाई और भूमि दोहन बढ़ रहा है, जिससे पर्यावरण पर गंभीर संकट पैदा हो गया है। दिगराज सिंह शाहपुरा ने कहा कि अरावली केवल पहाड नहीं है, बल्कि यह किसानों, ग्रामीणों, वन्यजीवों और पूरे उत्तर भारत के पर्यावरण की सुरक्षा कवच है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो भूजल स्तर गिर जाएगा, जल स्त्रोत समाप्त होंगे और मरुस्थलीकरण तेजी से फैलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की मौन स्वीकृति से अरावली को नष्ट किया जा रहा है, जो आने वाली पीढियों के साथ अन्याय है। किसान केवल खेती का अधिकार नहीं, बल्कि जल-जंगल-जमीन और प्रकृति की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दिगराज सिंह शाहपुरा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि केंद्र सरकार अरावली संरक्षण को लेकर जल्द ठोस नीति नहीं लाती है।

छात्रों को यातायात सुरक्षा की जानकारी दी

पावटा में जिला एसपी कुमार देवेंद्र कुमार विश्नोई की मौजूदगी में छात्रों को यातायात नियमों की जानकारी दी।

पावटा । जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई कोटपूतली बहरोड के निर्देशन मे एसडीम विराटनगर कपिल उपाध्याय व तहसीलदार व एसडीएम कार्यालय के कर्मचारियों के साथ विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल, उप निरीक्षक प्रकाश सिंह राठौड व थाना विराटनगर के स्टाफ के द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पीएम श्री राजकीय माध्यमिक विद्यालय विराटनगर एवं बस स्टैंड पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों, सुरक्षित ड्राइविंग एवं सड़क सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम के तहत वाहन चालकों को हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने तथा यात्री सुरक्षा के नियमों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्यालय क्षेत्र में धीमी गति से वाहन चलाने की अपील की गई। बस स्टैंड पर मौजूद चालकों और यात्रियों को भी नियमों का पालन करने, सड़क पर सतर्कता बरतने एवं दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने कहा कि यातायात नियमों का पालन न केवल कानून का पालन है, बल्कि स्वयं और दूसरों की जान बचाने का माध्यम भी है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। आयोजन का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और सुरक्षित यातायात व्यवस्था को मजबूत करना बताया गया।

शिविर में 170 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया

- 8 मरीज आंखों के ऑपरेशन के लिए हुए पंजीकृत

पावटा। स्वास्थ्य लाभ अभियान के तहत भोनावास में आयोजित छठवें निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर में जहां 170 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया वही 8 लोग आंखों के ऑपरेशन के लिए पंजीकृत किए गए। माता सुंदरी देवी सर्व समाज उत्थान समिति एवं पल्स अस्पताल कोटपूतली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर में लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

शिविर में पल्स हॉस्पिटल कोटपूतली की डॉक्टर्स टीम ने सेवाएं दी शिविर की अध्यक्षता धूडसिंह शेखावत पूर्व जिला पार्षद ने की तथा शिविर के मुख्य अतिथि मुकेश गोयल वरिष्ठ भाजपा नेता रहे। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में जगदीश यादव राज. बीज निगम डायरेक्टर, राजेंद्र सिंह अदाली भाजपा मंडल अध्यक्ष दक्षिण, कमल यादव शिक्षाविद एवं भाजपा नेता राजपाल सिंह शेखावत, पूर्व सरपंच हंसराज सिंह शेखावत, सूबेदार रामकरण मीणा भामाशाह, दीपसिंह शेखावत जल प्रहरी, मानसिंह शेखावत, पल्स हॉस्पिटल कोटपूतली यूनिट हेड अनीश नैयर, पवन सिंह चौहान, पवन सिंह तंवर रहे। शिविर आयोजक धर्मपाल सिंह शेखावत ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

मेहंदवास में सुशासन रथ का भव्य स्वागत

टोंक विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मेहंदवास, पालड़ा, इंदोकिया में रथ यात्रा का स्वागत किया।

टोंक । राज्य सरकार के ऐतिहासिक 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत टोंक विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मेहंदवास, पालड़ा, इंदोकिया में जनकल्याणकारी योजनाओं के सुशासन रथ का ग्रामीणो ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने सरकार के 2 वर्ष का विकास कार्य लेखा जोखा पुस्तिका ग्रामवासियों को वितरित की। इस दौरान मंडल अध्यक्ष नन्दलाल छान ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने बीते दो वर्षो से जनसेवा, सुशासन और समयबद्ध समाधान के संकल्प के साथ शहर से लेकर गांव-ढाणी तक प्रत्येक नागरिक के साथ सेवा भाव से खडी है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक रथ नहीं, बल्कि जनकल्याण, विकास और जनता के विश्वास का प्रतीक है। उन्होने कहा कि विकास रथ अभियान न केवल सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने का माध्यम बन रहा है, बल्कि ग्रामीण स्तर पर जनसंपर्क और जागरूकता को भी सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। इस अवसर टोंक विधानसभा सहसंयोजक प्रधान काबरा, महेंद्र सिरोठा, मंडल प्रभारी चौथमल विजय, महेंद्र सिंह सोलंकी, मोती यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं सैकडो ग्रामीण उपस्थित रहे।

बालाजी को लगाया पौषबड़ा का भोग

सांभरझील। यहां कटला बाजार स्थित बालाकोठी बालाजी मंदिर व पुरानी धानमंडी स्थित बाबा रामदेव मंदिर में पोषबडों का आयोजन किया गया। मंदिर पुजारी रामनिवास वैष्णव व सोहनलाल शर्मा ने प्रतिमाओं का श्रृंगार किया। श्रद्धालुओ ने पोष बड़ा पंगत प्रसादी पाई। पुजारी पुत्र पुरुषोत्तम स्वामी ने बताया कि हर वर्ष की भांति यहां विशाल पोष बड़े का आयोजन होता रहा है। यह मंदिर अति प्राचीन मंदिर है, इसलिए सैकडो भक्तों की आस्था इस मंदिर से जुडी हुई है।

अन्नकूट में भक्तों ने पाई प्रसादी

गोविंदगढ /अलवर । गोविंदगढ कस्बे में आज बनखंडी महादेव मंदिर पर रविवार को 21 दिसंबर 2025 को अन्नकूट का आयोजन किया गया यह आयोजन बलखंडी धाम कमेटी द्वारा किया गया कमेटी के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार उर्फ मीनू सेमला वाले समाजसेवी गोविंदगढ़ नगर पालिका के होने वाले चुनाव 2026 में जिसके भावी उम्मीदवार समाजसेवा के कार्य यो में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं और अपना सहयोग प्रदान करते हैं महिला एवं बच्चे बुजुर्ग सभी ने अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण किया बनखंडी महादेव मंदिर पर पहुंचकर इस मौके पर गांव बस्ती एवं मंदिर कमेटी बनखंडी धाम के सदस्य मौजूद रहे अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार उर्फ मीनू सेमला वाले संरक्षण मंगतू राम सैनी उपाध्यक्ष गिर्राज शर्मा उर्फ झुन्डी कोषाध्यक्ष रवि कुमार चोरपुरिया मंत्री सुनील अरोडा प्रचार मंत्री सुनील शर्मा ई मित्र वाले महामंत्री सतीश सैन अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार उर्फ मीनू ने यह घोषणा की की फागण माह में तीन दिवसीय खाटू श्याम बाबा का मेला आयोजीत किया जाएगा ।

'महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जायेगा'

भरतपुर (निस)। जिला स्तरीय लखपति दीदी संवाद एवं टेबलेट वितरण कार्यक्रम रविवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह से वर्चुअली जुडे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण प्रदान करने के लिए निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। महिलाएं खेतों से लेकर नौकरी और परिवार की जिम्मेदारियों को समान रूप से निभाते हुए समाज और प्रदेश के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीविका योजना के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त कार्य किया जा रहा है। इससे जुड़ी अनेक बहनें आज अपने जीवन में आर्थिक रूप से सशक्त बनकर 18 से 40 हजार रुपये प्रतिमाह की आय अर्जित कर रही हैं। कई महिलाएं लखपति दीदी बनकर अब मिलेनियम दीदी के रूप में पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन और महिला सशक्तिकरण के इस संकल्प से राजस्थान निश्चित रूप से आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश की हर महिला सशक्त और आत्मनिर्भर बनकर विकास की धुरी बनें। आज महिलाएं घूंघट से बाहर निकलकर अपने घर, समाज और राज्य को मजबूती प्रदान कर रही हैं। सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर महिलाएं आर्थिक रूप से सुदृढ़ हुई हैं। उन्होंने सभी महिलाओं से आ ान किया कि वे सरकार की योजनाओं की जानकारी अपनी सहेलियों और पडोस की महिलाओं तक पहुंचाकर उनके उत्थान में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में हमारी बहनें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने अब तक 12 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने में सहयोग किया है। रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए रोडवेज में अतिरिक्त दो दिन निःशुल्क यात्रा सुविधा दी गई। महिलाओं के लिए शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया गया है। केन्द्र सरकार ने रसोई कार्यों में सहयोग हेतु उज्ज्वला योजना तथा कच्चे आवासों के समाधान के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना लागू की गई है। महिलाओं के मान-सम्मान और स्वच्छता के लिए शौचालयों का निर्माण कराया गया है तथा सुरक्षा की दृष्टि से एंटी रोमियो टीमों का गठन किया गया है। इसके साथ ही लाडो प्रोत्साहन योजना की राशि 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये की गई है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व ठााामीण विकास एवं कृषि कैबिनेट मंत्री किरोडी लाल मीणा संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अलवर, बांसवाडा, बाड़मेर, राजसमंद और उदयपुर जिलों की लखपति दीदियों से संवाद कर उनकी संघर्ष और सफलता की कहानियां सुनी तथा राजीविका से जुड़ी लखपति दीदियों को टेबलेट वितरित किए। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद मृदुल सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट राहुल सैनी, राजीविका जिला प्रबंधक भारती भारद्वाज, भरतपुर उपखंड अधिकारी भारती गुप्ता, जिला आबकारी अधिकारी राजीव शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं बडी संख्या में लखपति दीदियां उपस्थित रहीं।

विधिक सेवा शिविर में करोड़ों के अवॉर्ड पारित

- बहरोड, बानसूर एवं विराटनगर तालुका पर कुल 06 बैंचों का गठन किया गया

कोटपूतली में चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत में 1727 मामलों का निबटारा किया।

कोटपूतली । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोटपूतली-बहरोड अध्यक्ष रवि शर्मा के निर्देशानुसार रविवार को वर्ष 2025 की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला मुख्यालय पर दो बैंचो का गठन किया गया। बैंच प्रथम की अध्यक्षता अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश अंजुम खान ने की एवं सदस्य अधिवक्ता रणजीत कुमार मीणा रहे।

बैंच द्वितीय की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डिम्पल जंडैल ने की व सदस्य अधिवक्ता ज्योति शर्मा रही। साथ ही बहरोड, बानसूर एवं विराटनगर तालुका पर कुल 06 बैंचों का गठन किया गया। लोक अदालत में ना केवल न्यायालयों में 1727 प्रकरणों जिसमें फौजदारी प्रकरण धारा 138, एनआई एक्ट, सिविल मामले, वैवाहिक प्रकरण आदि का निस्तारण किया गया। साथ ही एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय एवं नगरपालिका में लंबित राजस्व प्रकरणों जिनमें सीमाज्ञान, पत्थरगढ़ी, नामान्तरण सहित विविध राजस्व प्रकरणों, बिजली विभाग से संबंधित प्रकरण, बैंक रिकवरी एवं ऋण संबंधी मामले एवं अन्य विभागीय कार्यालयों में लंबित अन्य प्रकरणों का समझाईश एवं आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया। लोक अदालत में न्यायालय में लम्बित प्रक्ररणों में 03 करोड़ से भी अधिक का अवार्ड पारित किया गया।

लोक अदालत में अपर जिला एवं सैशन न्यायालय सं. 03 में लंबित मोटर वाहन दुर्घटना दावा के प्रकरण अंजू बनाम न्यू इंडिया जिसमें दावा राशि 33 लाख रही एवं अपर जिला एवं सैशन न्यायालय सं. 01 में लंबित मोटर वाहन दुर्घटना दावा के प्रकरण सुनिता बनाम न्यू इंडिया जिसमें दावा राशि 35 लाख थी का लोक अदालत की भावना से निस्तारण कर वादकारियों को राहत पहुंचाई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डिम्पल जंडैल ने यह संदेश दिया कि लोक अदालत न्याय की वह पाठशाला हैं, जहां विवाद का अंत और समाधान की शुरूआत होती है।

लोक अदालत का आयोजन

शाहपुरा । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं भँवरलाल बुगालिया अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सैशन न्यायाधीश) जयपुर जिला जयपुर, सचिव पवन कुमार जीनवाल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार न्यायालय शाहपुरा में ललिता शर्मा अध्यक्ष (तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा) एडीजे प्रथम की अध्यक्षता में एवं प्रतिभा मोट्ययार (वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) शाहपुरा के सानिध्य में रविवार को चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। विधिक सेवा प्रभारी अमन कुमार मीणा ने बताया कि इस बार की राष्ट्रीय लोक अदालत में माननीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के आदेशानुसार शाहपुरा न्याय क्षेत्र में इस बार कुल 2 बैंच का गठन किया गया। बैंच संख्या 6 न्यायालय जिला अपर एवं सैशन न्यायाधीश क्रम संख्या 1 व 2 की पत्रावली एवं प्रि-लिटिगेशन की पत्रावलियों के लिए बनाई गई।

मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं लेकिन बाकी बची सीरीज के लिए हमें इंतजार करके देखना होगा। हमें पता था कि ऐशेज जीतना है तो हमने काफी आक्रामक तैयारी की थी और हमें लगता है कि यह इसके लायक था। - पैट कमिंस

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, अपनी चोट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बेन स्टोक्स

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि वह कप्तानी के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, लेकिन यह भी स्वीकार करते है कि पहले तीन टेस्ट मैचों में उनकी टीम ऑस्ट्रेलिया के 'जबरदस्त हमले' को झेल नहीं सकी और रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए मात्र 11 दिनों में ही ऐशेज सीरीज गंवा बैठी। 2022 से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान रहे स्टोक्स ने इस दौरे से पहले दो साल का नया केन्द्रीय अनुबंध साइन किया था, जो 2027 की गर्मियों के अंत तक चलेगा। कप्तान बने रहने की उनकी इच्छा 'बिल्कुल' बरकरार है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर दौरे की शुरुआत से अब तक कुछ भी नहीं बदला है।

क्या आप जानते हैं ?... एमएस धोनी की तुलना में विराट कोहली को बेहतर बल्लेबाज माना जाता है क्योंकि उनका बल्लेबाजी औसत अधिक है और उन्होंने सभी प्रारूपों में अधिक शतक बनाए हैं।

शायद मैं एशेज की सही तैयारी नहीं करा पाया : मक्कलम

एडिलेड, 21 दिसंबर। इंग्लैंड की टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मक्कलम का मानना है कि वह ऐशेज की सही तैयारी नहीं करा पाये। जिसके कारण मात्र

11 दिनों के खेल में ही सीरीज गंवानी पड़ी, जबकि अभी दो टेस्ट शेष हैं। एडिलेड में 82 रन की जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया के 3-0 की अजेय बढ़त लेने के बाद टीएनटी स्पोर्ट्स से बातचीत में मक्कलम ने माना कि उनके प्रतिद्वंद्वियों ने बल्ले और गेंद दोनों से हमें पछाड़ दिया और क्षेत्ररक्षण में भी हमें पछाड़ा। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के प्रदर्शन में सटीकता, जबरदस्त और निरंतरता देखी गई। इंग्लैंड का एकमात्र अभ्यास मैच पर्थ के लाइलैक हिल में एक धीमी पिच पर खेला गया, जिसने ऑप्टस स्टेडियम की तेज और उछाल भरी पिच पर मिलने वाली परिस्थितियों का बहुत कम अंदाजा दिया। इसके बाद प्रधानमंत्री इलेवन के खिलाफ कैनबरा में होने वाले गुलाबी गेंद अभ्यास मैच को छोड़ने का फैसला करते हुए, इंग्लैंड ने पांच दिनों के कड़े प्रशिक्षण के बाद गाबा में दूसरा टेस्ट खेला। इसके बाद मक्कलम ने यह दावा किया कि इंग्लैंड ने हद से अधिक तैयारी कर ली थी और सीरीज की दूसरी आठ विकेट की हार झेलनी पड़ी। मक्कलम ने कहा, ''मुझे पता है कि इस पर सवाल उठेंगे। जब आप 3-0 से हार जाते हैं, तो आपको हाथ उठाकर कहना पड़ता है कि शायद मैंने तैयारी ठीक नहीं की।आखिरकार, यह आपकी जिम्मेदारी होती है कि आप अपनी टीम को कैसे तैयार करते हैं और किस तरह से उन्हें मैच के लिए तैयार करते हैं। मुझे अपने तरीको और हमें अपनी तैयारी के तरीको पर भरोसा था। केवल पहले टेस्ट से पहले ही नहीं, बल्कि टेस्टों के बीच भी। अब पीछे मुड़कर देखता हूं तो सोचता हूं, क्या हमें पहले टेस्ट से पहले अधिक तैयारी की जरूरत थी।''

सचित गुप्ता बने 39 प्लस कैटेगरी में चैम्पियन

जयपुर, 21 दिसंबर। आज वोकर अकैडमी, वैशाली नगर, जयपुर में संपन्न हुई जयपुर जिला मास्टर टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जयपुर के सचित गुप्ता ने डॉक्टर सीपी सुथार को 3-0 से परास्त कर 39 वर्ग का खिताब जीता। वही संपन्न हुई महिला वर्ग की प्रतियोगिता में डॉक्टर रुचि गुप्ता ने अनीता मोदी को 3-0 से परास्त कर खिताब पर कब्जा किया। पुरुष 49 प्लस कैटेगरी में हरीश माथुर ने प्रतीक शर्मा को 3-0 से परास्त कर खिताब जीता। पुरुष 29 प्लस वर्ग में मनमोहन बढ़ाया में भुवनेश यादव को तीन एक से परास्त किया। पुरुष 69 कैटेगरी में एस एस वर्मा ने के एल चावरिया को 3-0 से परास्त कर खिताब जीता । पुरुष वर्ग 69 में एसके माहेश्वरी ने राजीव अग्रवाल को एक आकर्षक मुकाबले में परास्त किया ।पुरुष युगल 49 प्लस मुकाबले में आशीष थारवान व सचित गुप्ता ने हरीश माथुर व मनमोहन रावत को हराया। राजस्थान पैटर्न टेबल टेनिस कमेटी के तत्वाधान में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में एक अनूठी पहल की गई जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर पदक लाने वाले प्रतियोगियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें शरण्या गोयल ने पैरा नेशनल चैंपियनशिप वडोदरा में रजत पदक जीता था वही रांची में हुई नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जयपुर के आरव साहनी वह आरव आचार्य ने क्रमश: वर्ग 11 वह वर्ग 15 में कांस्य पदक जीत कर जयपुर व राजस्थान की शोभा बढ़ाई ।इस अवसर पर वेटरन कमेटी के अध्यक्ष अजय ओझा व पूर्व जयपुर जिला टेबल टेनिस के अध्यक्ष ललित सिंह भी मौजूद रहे।

विजय हजारे ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान टीम घोषित, मानव कप्तान व अनिकेत उपकप्तान

जयपुर, 21 दिसंबर। बीसीसीआई की आगामी सीनियर विजय हजारे एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान टीम का चयन आरसीए सीनियर चयन कमेटी ने आज आरसीएअकादमी पर आयोजित मीटिंग में किया। घोषित राजस्थान सीनियर टीम :- मानव सुथार (कप्तान), मनेन्द्रसिंह, राम मोहन चौहान, सुमित गोदारा, महिपाल लोमरोर, दीपक हुड्डा, करण लाम्बा, मुकुल चौधरी, अजय सिंह कुकना, खलील अहमद, अनिकेत चौधरी (उपकप्तान), अशोक शर्मा, आदित्य सिंह राठौर, समर्पित जोशी, आकाश सिंह, राहुल चाहर।

डेवोन कॉन्वे ने दोहरा शतक व टेस्ट में शतक लगाकर इतिहास रचा

माउंट माउंगानुई, 21 दिसंबर। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और फिर शतक बनाकर अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया है। इसी के साथ वह यह कारनामा करने वाले पहले कीवी बल्लेबाज बन गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार कॉनवे ने वेस्टइंडीज के खिलाफ ओवल में तीसरे और अंतिम टेस्ट के दूसरे आखिरी दिन चाय से ठीक पहले शतक बनाकर यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एंडरसन फिलिप की गेंद पर कट शॉट लगाकर अपनी दूसरी पारी का शतक पूरा किया। यह उपलब्धि उनकी पहली पारी में शानदार 227 रन बनाने के बाद मिली, जिसने मैच में न्यूजीलैंड की मजबूत स्थिति की नींव रखी।

ऐसा करके 34 वर्षीय कॉन्वे एक ही मैच में दोहरा शतक और शतक बनाने वाले पहले न्यूजीलैंड और टेस्ट इतिहास में केवल 10वें खिलाड़ी बन गए। कॉन्वे ब्रायन लारा, ग्राहम गूच, कुमार संगकारा और हाल ही में मार्नस लाबुशेन और शुभमन गिल जैसे दिग्गजों की एलीट सूची में शामिल हो गए।

शानदार फॉर्म में चले रहे कॉन्वे का यह सातवां टेस्ट शतक है। चौथे दिन चाय के समय, न्यूजीलैंड अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 192 रन पर था और मैच में अभी चार सत्र बाकी रहते हुए 347 रनों की मजबूत बढ़त बनाए हुए था। न्यूजीलैंड वर्तमान में तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है, उसने क्राइस्टचर्च में पहला टेस्ट ड्रॉ खेला था और उसके बाद वेलिंगटन में नौ विकेट से शानदार जीत हासिल की थी।

इंडिया विमेंस ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया

पहली टी-20 में जेमिमा रोड्रिग्ज की फिफ्टी

विशाखापत्तनम 21 दिसंबर इंडिया विमेंस ने टी-20 सीरीज के पहले मैच में श्रीलंका को 8 विकेट से हरा दिया। विशाखापट्टनम में रविवार को भारत ने बॉलिंग चुनी। श्रीलंका विमेंस 6 विकेट खोकर 121 रन ही बना सकी। इंडिया विमेंस ने 15वें ओवर में महज 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। जेमिमा रोड्रिग्ज ने फिफ्टी लगाई, वहीं स्मृति मंधाना ने 25 रन बनाए।

विष्मी गुणरत्ने (39), हर्षिता समाराविक्रमा (21) और हसिनी परेरा (20) की जूझारु पारियों के दम पर श्रीलंका की महिला टीम ने रविवार को पहले टी-20 मुकाबले में भारत को जीत के लिए 122 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां टॉस

जीतकर भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में कप्तान चामरी अटापट्टू (15) का विकेट गंवा दिया। उन्हें क्रांति गौड ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हसिनी परेरा ने विष्मी गुणरत्ने के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने हसिनी परेरा (20) आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। श्रीलंका का तीसरा विकेट हर्षिता समाराविक्रमा (21) के रूप में गिरा। उन्हें श्री चारणी ने बोल्ड आउट किया। नीलाक्षी डिसिल्वा (आठ) और कविशा दिलहारी (छह) रनआउट हुई। श्रीलंका की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 121 रनों का स्कोर खड़ा किया। भारत के लिए क्रांति गौड, दीप्ति शर्मा और श्रीचारणी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

हर्षिता समरविक्रमा ने फिर टीम को 100 रन के करीब पहुंचाया, लेकिन वे 21 रन बनाकर आउट हो गईं। दीप्ति शर्मा और श्रीचरणी ने भी 1-1 विकेट लिया। विष्मी 39 रन बनाकर रन आउट हो गईं। उनके बाद निलाक्षी डी सिल्वा और कविषा दिलहारी भी रन आउट हो गईं।

ऑस्ट्रेलिया ने की इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर एशेज 3-0 से अपने नाम

एडिलेड, 21 दिसंबर। मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, नाथन लियोन (तीन-तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन इंग्लैंड को दूसरी पारी में 352 के स्कोर पर समेट कर 82 रनों से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की निर्णायक बढ़त बना ली। आज यहां इंग्लैंड ने कल के छह विकेट पर 206 रनों क स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड की दूसरी पारी में 352 रनों पर सिमट गई। हालांकि जेमी स्मिथ (60) और विल जैक्स (47) ने जोरदार संघर्ष किया। सुबह के सत्र में मिचेल स्टार्क ने जेमी स्मिथ को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को सातवीं सफलता दिलाई। इसके बाद 93वें ओवर में स्टार्क ने विल जैक्स को भी अपना शिकार बना लिया। जोफ्रा आर्चर तीन रन बनाकर आउट हुये। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों ने तनावपूर्ण आखिरी सेशन में धैर्य बनाए रखा, जिसमें मिशेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड ने निर्णायक वार किए। 103 वें ओवर की पहली गेंद पर स्कॉट बोलैंड ने जॉश टंग (एक) को आउटकर मेहमान टीम की दूसरी पारी का 352 के स्कोर पर अंत कर दिया। उन्होंने दो टेस्ट मैच बाकी रहते ही सीरीज अपने नाम कर ली। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दोनों पारियों में 371 और 349 रन बनाए थे, जिससे इंग्लैंड के सामने एक मुश्किल चुनौती खड़ी हो गई थी। विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी को स्टंप के पीछे और बल्ले से अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, उन्होंने मैच के अहम चरणों में स्थिरता प्रदान की। स्टार्क आखिरी पारी में सबसे बेहतरीन गेंदबाज रहे, उन्होंने अहम मौकों पर विकेट लेकर इंग्लैंड की लय को रोका, जबकि कप्तान पैट कमिंस ने भी महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाईं। इस जीत के साथ, ऑस्ट्रेलिया ने पूरी सीरीज में अपना दबदबा दिखाया, सभी तीनों टेस्ट मैच आसानी से जीतकर एशेज अपनी अजेय बढ़त बना ली है। अब 26 दिसंबर से शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट पर है, जहां इंग्लैंड अपनी इज्जत बचाने का प्रयास करेगा और ऑस्ट्रेलिया अपने दबदबे को और बढ़ाना चाहेगा।

बीसीसीआई ने भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम को किया सम्मानित

मुंबई, 21 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्व कप जीतने वाली भारतीय ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम को 19 दिसंबर को मुख्यालय में गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए सम्मानित किया। बीसीसीआई की ओर से रविवार को बताया गया कि भारतीय ब्लाइंड महिला जो पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। बीसीसीआई के मानद कोषाध्यक्ष रघुराम भट्ट ने उन्हें सम्मानित किया, खिलाड़ियों से बातचीत की और बोर्ड की ओर से हार्दिक बधाई दी। यह दौरा भारत में ब्लाइंड महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, जो राष्ट्रीय स्तर पर इस खेल के लिए बढ़ती पहचान और समर्थन को रेखांकित करता है। भारत ने नेपाल के खिलाफ फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीता। भारतीय टीम ने 115 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 12.1 ओवर में सात विकेट से जीत दर्ज की।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पांच टीमों वाली फ्रेंचाइजी-आधारित टी-20 लीग की घोषणा की

दुबई, 21 दिसंबर। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने एक नई फ्रेंचाइजी-आधारित टी-20 लीग, अफगानिस्तान प्रीमियर लीग शुरु करने की घोषणा करते हुए कहा कि इसके पहले संस्करण में पांच टीमें होंगी और इसे अगले साल अक्टूबर 2026 के आसपास संयुक्त अरबअमीरात (यूएई) में शुरु किया जायेगा। एसीबी ने 2018 की शुरुआत में भी एक अफगानिस्तान प्रीमियर लीग शुरू की थी और उस टूर्नामेंट का मात्र एक सीजन उसी साल बाद में पांच टीमों के बीच खेला गया था। क्रिस गेल, ब्रेंडन मैकुलम, शाहिद अफरीदी और अन्य जैसे बड़े नाम उस सीजन में खेले थे, लेकिन पेमेंट की समस्याओं और लीग की ईमानदारी को लेकर चिंताएं सामने आने के बाद इसे बंद कर दिया गया था।

पाकिस्तान की अंडर-19 टीम ने भारत को 191 रनों से हराया

दुबई, 21 दिसंबर। समीर मिन्हास (172) और अहमद हुसैन (56) की शानदार पारियों के बाद अली रजा (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने अंडर-19 एशिया कप के फाइनल मुकाबले में रविवार को भारत को 191 रनों से हरा दिया। 348 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम शुरुआती विकेट गिराने के बाद दबाव को झेल नहीं पाई और ओवरों में रन पर सिमट गई।

बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम का पहला विकेट 32 के स्कोर कप्तान आयुष म्हात्र (दो) के रूप में गिरा। इसके बाद 49 के स्कोर पर भारत दो महत्वपूर्ण विकेट और गंवा दिये। ऐरन जॉर्ज (16) और वैभव सूर्यवंशी 10 गेंदों में (26) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारतीय बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और तू चल मैं आया की तर्ज पर विकेट गंवाते रहे। हालांकि भारत की आखिरी जोड़ी ने चौके, छक्के लगाते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया। इस दौरान दीपेश देवेंद्रन ने छह चौके और दो छक्के लगाते हुए (36) रनों की पारी खेली। उन्हें अली रजा ने आउट किया। भारतीय टीम 26.2 ओवर में 156 रन ही बना सकी और 191 रनों से खिताबी मुकाबला हार गई। किशन सिंह तीन रन बनाकर नाबाद रहे।

पाकिस्तान के लिए अली रजा ने चार विकेट लिये। मोहम्मद सय्याम, हुजैफा एहसान और अब्दुल सुभान को दो-दो विकेट मिले। इससे पहले आज यहां भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 31 रन के स्कोर पर हम्जा जहूर (18) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये उस्मान खान ने समीर मिन्हास के साथ दूसरे विकेट के लिए 92रन जोड़े।

17वें ओवर में खिलन पटेल ने उस्मान खान (35) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। चौथे बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरे अहमद हुसैन ने समीर मिन्हास के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रन जोड़कर बड़े लक्ष्य की नींव रखी। 38वें ओवर में भारतीय गेंदबाजों ने वापसी की और खिलन पटेल ने अहमद हुसैन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अहमद हुसैन ने 72 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 56 रनों की पारी खेली।

परिवहन निरीक्षकों का मैत्री क्रिकेट मैच आयोजित

जयपुर, 21 दिसंबर। राजस्थान परिवहन निरीक्षक संघ ने परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान के निर्देशन में आज परिवहन निरीक्षकों का मैत्री क्रिकेट मैच आयोजित किया गया, जिसमें आरटीओ जयपुर प्रथम एवं आरटीओ जयपुर द्वितीय की निरीक्षक टीमों ने भाग लिया। यह आयोजन विभागीय सौहार्द, स्वास्थ्य संवर्धन एवं सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान-2025 के उद्देश्य से आयोजित किया गया। मैचों की शुरुआत प्रातः 11:00 बजे हुई। संघ के अध्यक्ष राजेश चौधरी ने बताया कि यह आयोजन सचिव परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, शुचि त्यागी, परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा के मार्गदर्शन एवं विभागीय अधिकारियों के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य सड़कसुरक्षा जन-जागरूकता अभियान-2025 को खेल के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत अमर जवान ज्योति पर सड़क सुरक्षा के प्रति संकल्प भी व्यक्त किया गया। चौधरी ने बताया कि आज कुल दो टी-10 मुकाबले खेले गए। प्रथम मुकाबले में आरटीओ जयपुर द्वितीय की टीम के कप्तान दिनेश सिंह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी

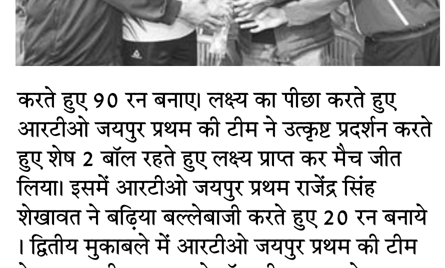

करते हुए 90 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए आरटीओ जयपुर प्रथम की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शेष 2 बॉल रहते हुए लक्ष्य प्राप्त कर मैच जीत लिया। इसमें आरटीओ जयपुर प्रथम राजेंद्र सिंह शेखावत ने बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 20 रन बनाये । द्वितीय मुकाबले में आरटीओ जयपुर प्रथम की टीम के कप्तान टीकम मदन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 68 रन बनाए। जवाब में आरटीओ जयपुर द्वितीय की टीम ने अनुशासित खेल का परिचय देते हुए शेष 2 बॉल रहते हुए चोका मारकर 72 रन बनाकर मुकाबला 4 विकेट से अपने नाम किया। खराब मौसम के कारण तीसरा मुकाबला आयोजित नहीं हो सका, जिससे टूर्नामेंट विजेता का निर्णय नहीं हो पाया। आपसी सहमति से यह तय किया गया कि दोनों टीमों के सर्वश्रेष्ठ निरीक्षकों को मिलाकर एक संयुक्त टीम बनाई जाएगी, जो आगामी रविवार, 28 दिसम्बर 2025 को मुख्यालय टीम के साथ मैत्री मैच खेलेगी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आरटीओ जयपुर प्रथम, राजेन्द्र शेखावत उपस्थित रहे। उन्होंने न केवल खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, बल्कि स्वयं भी आरटीओ जयपुर प्रथम की ओर से खेलते हुए प्रथम पारी में 20 रन (नाबाद) बनाए। द्वितीय पारी में 10 रन बनाने के उपरांत उन्होंने अन्य खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करने हेतु खेल से विराम लिया। उनका यह कदम टीम भावना एवं नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। दोनों ही मैच रोमांचक रहे और आख़िरी पलों तक हार जीत की अटकलें लगती रही । संघ के क्रिकेट मैनेजर यशपाल शर्मा ने समस्त प्रबंधन देखते हुए खेल में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया । प्रथम की और से शैलेन्द्र राठौड़ तथा द्वितीय की तरफ़ से अविनाश चौहान तथा अमित शर्मा में उत्कसोर्थ प्रदर्शन किया ।

पीसीबी ने पीएसएल बिड की तिथि आगे बढ़ाई

लाहौर, 21 दिसंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान सुपर लीग के लिए दो नई फ्रेंचाइजी के लिए बिड जमा कराने की तिथि एक बार फिर बढ़ा दिया है। पीसीबी ने बताया कि बोली लगाने की 22 दिसंबर तिथि को बढ़कर अब 24 दिसंबर कर दिया गया है, क्योंकि इस दौरान दो छुट्टियां थीं और इच्छुक पार्टियों ने अतिरिक्त समय मांगा था। नई टीमों के लिए बिड आठ जनवरी को होनी थी जिसे इस विस्तार के कारण एक दिन के लिए टाल दिया गया है। शुरुआती बिड की तिथि 15 दिसंबर तय की गई थी। पहला विस्तार यूरोप, अमेरिका, मध्य पूर्व और अन्य जगहों के निवेशकों की बढ़ती रुचि को देखते हुए किया गया था।

बीसीसीआई एकदिवसीय विजय हजारे ट्रॉफी 24 से जयपुर में

जयपुर, 21 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में आगामी 24 दिसंबर से जयपुर में बीसीसीआई की सीनियर विजय हजारे एक दिवसीय ट्रॉफी (इलीट ग्रुप) खेली जाएगी। जयपुर में खेली जाने वाली विजय हजारे एक दिवसीय (इलीट ठ्रुप) ट्रॉफी की टीमें : मुंबई, महाराष्ट्र, हिमाचल, सिक्किम, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब, छत्तीसगढ़।

आरसीए अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता (आज विवान प्रधान, नलिन दुलर, नभय अग्रवाल, निमिष मिश्रा, सयैद अली कुरियन, मुकुल कौशिक का शानदार प्रदर्शन) मध्य क्षेत्र अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 14 एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता के आज खेले गए मैचों का परिणाम :- अजमेर - सीकर (अजमेर जीती), सीकर पारी 201 / 9, टीम के लिए मुकुल कौशिक 72, नलिन दुलर 63 रन। अजमेर के गेंदबाज विवान प्रधान 23 / 5 विकेट। अजमेर पारी 203 / 7, टीम के लिए सयैद अली कुरियन 40 / 3 व विराज 46 रन। सीकर के गेंदबाज लवमीत 19 / 3 व मुकुल कौशिक 42 / 2 विकेट। सवाई माधोपुर - बारां पारी 239 / 8, टीम के लिए निमिष मिश्रा 74, नभय अग्रवाल 68 . यश 28 व अक्षय 28 रन। बारां के गेंदबाज प्रतीक 40 / 3, राजवीर 42 / 2 विकेट। बारां पारी 227 / 7, टीम के लिए भव्य 37, जय सिंह 36, तरश 35 व अर्शलान 39 रन। सवाई माधोपुर के गेंदबाज रूद्र प्रताप 31/2 विकेट।

संतोष ट्रॉफी : महाराष्ट्र को 3-0 हरा राजस्थान का फाइनल राउंड में प्रवेश

जयपुर, 21 दिसंबर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के निर्देशन में राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में विद्याधर नगर स्टेडियम में जारी 79 संतोष ट्रॉफी सीनियर नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 - 26 के अंतिम दिन दो निर्णायक मुकाबले खेले गए सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि सुबह खेले गए पहले मुकाबले में गुजरात ने दादर नगर हवेली दमन दीव को एकतरफा मुकाबले में 5 - 0 से हराया, प्लेयर ऑफ द मैच गुजरात के जर्सी नंबर 10 मोइनुद्दीन को दिया गया।

दूसरा मुकाबला मेजबान राजस्थान और महाराष्ट्र के मध्य खेला गया, मैच से पूर्व मुख्य अतिथि एम आर एस ग्रुप के सीएमडी और समाजसेवी मेघराज सिंह रॉयल, पूर्णिमा ग्रुप के डायरेक्टर राहुल सिंघी, राजस्थान यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड सेक्रेटरी डॉ. प्रमोद सिंह, ब्रिगेडियर जितेंद्र सिंह शेखावत ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभकामनाएं दी, राजस्थान की अगले राऊंड में जगह बनाने के लिए महाराष्ट्र से 3 गोल से मुकाबला जीतना आवश्यक था, शुरुआत से ही राजस्थान ने महाराष्ट्र पर दबाव बनाए रखा और एक बाद एक हमले जारी रखे जिसकी बदौलत पहले हाफ में आदित्य चाहर (25 मिनट) और मुकेश कुमार (34 मिनट) के गोल से राजस्थान ने 2 - 0 की बढ़त हासिल की, दूसरे हाफ में महाराष्ट्र ने शानदार डिफेंस किया और राजस्थान को अंतिम समय तक गोल नहीं करने दिया मैच के अतिरिक्त समय (90 5 मिनट) में राजस्थान के मिलन पूनिया के शानदार गोल से 3 - 0 की बढ़त हासिल की जो मुख्य निर्णायक की अंतिम विषल तक कायम रही जिसके दम पर राजस्थान लगातार दूसरी आर फाइनल राउंड में जगह बनाने में कामयाब रही।

मैच के बाद समापन समारोह में राजस्थान फुटबॉल संघ द्वारा चारों टीम के खिलाड़ियों, टीम ऑफिशियल, मैच ऑफिशियल, मैच कमिश्नर, रेफरी एस्सेसर और सभी अतिथियों को दुपट्टा और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। समापन समारोह में राजस्थान फुटबॉल संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत, संयुक्त सचिव शकील अहमद, मानवेंद्र सिंह राघव, रफीक अहमद सिंधी, कृष्ण अवतार शर्मा,सीकर सचिव सुरेन्द्र मील, जालोर सचिव हरीराम डारा, टेक्निकल डायरेक्टर सतीश जांगिड़, रॉयल एफसी के दिलीप सिंह चुंडावत, पूर्व खिलाड़ी जसवंत सिन्हा, अब्दुल जब्बार सहित फुटबॉल से जुड़ी कई हस्तियां मौजूद रही।

राव राजा हनुत सिंह कप (12 गोल) का फाइनल

ऑप्टिमस अचीवर्स ने 8-7 के स्कोर से जीता राव राजा हनुत सिंह कप

जयपुर, 21 दिसंबर। राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर रविवार को राव राजा हनुत सिंह कप (12 गोल) का रोमांचक फाइनल मैच खेला गया। यह मुकाबला टीम जयपुर और टीम ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच हुआ। इस दिलचस्प मुकाबले में ऑप्टिमस अचीवर्स ने टीम जयपुर को 8-7 के स्कोर से हराकर कप अपने नाम कर लिया। इस अवसर पर बर्गग्रुएन इंस्टीट्यूट के चेयरमैन और को-फाउंडर, निकोलस बर्गग्रुएन मुख्य अतिथि रहे और विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। विजेता टीम ऑप्टिमस अचीवर्स की ओर से डेनियल ओटामेंडी ने 4 गोल किए। शमशीर अली और मैनुअल प्राडो ने 2-2 गोल हासिल किए। टीम से साविर मेहराज गोदारा भी खेले। वहीं, टीम जयपुर से लांस वाटसन ने शानदार 5 गोल किए। हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और हुर्र अली ने 1-1 गोल किया। टीम में डीनो धनखड़ भी शामिल रहे।

लखपति दीदियां अग्रणी राजस्थान की उभरती हुई तस्वीर हैं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने ओटीएस में आयोजित लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया

जयपुर, 21 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लखपति दीदियां हमारे अग्रणी राजस्थान की उभरती हुई तस्वीर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिलाओं को सशक्त, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को लखपति दीदी योजना के माध्यम से पूरा किया जा रहा है तथा अब प्रदेश की लखपति दीदियां मिलेनियर दीदियां बनने की ओर अग्रसर हैं।

शर्मा रविवार को हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजीविका के माध्यम से संघर्ष और सफलता की प्रेरणा बनी बहनों की कहानियां महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई ऊर्जा की प्रतीक हैं।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने लखपति दीदी योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सखियों को टेबलेट देकर सम्मानित किया।

(ओटीएस) में लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजीविका हमारी बहनों के सशक्तिकरण, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की अहम कड़ी के साथ ही गांवों में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बन रहा है। हमारी सरकार का संकल्प है कि 'हर हाथ को हुनर, हर घर को रोजगार' मिले और राजीविका इस संकल्प को पूरा करने का सबसे सशक्त माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने संघर्ष और सफलता की प्रेरणा बनी बहनों का उल्लेख करते हुए कहा कि जयपुर के फागी की सुशीला देवी ने पारंपरिक ब्लू पॉटरी कला को अपनाकर अपने सीमित संसाधनों में भी जीवन को नई दिशा दी।

स्वयं सहायता समूह के सहयोग से उत्पादन बढ़ाने के बाद उन्होंने अपने उत्पादों को आदिवासी मेलों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों तक पहुंचाया। इसी तरह सरिता कंवर ने राजीविका के माध्यम से सिलाई व्यवसाय शुरू किया और धीरे-धीरे घरेलू उद्योग स्थापित किया।

करौली जिले की अरुणा शर्मा ने प्रशिक्षण प्राप्त कर बेकरी व्यवसाय शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने नए उत्पाद विकसित किए और अब उनके उत्पाद दूसरे जिलों और राज्य के बाहर लगने वाले मेलों में भी बिकते हैं। उन्होंने कहा कि ये कहानियां महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा की प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में 19 लाख 45 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 12 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई हैं। हमने लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू की। इसके तहत डेढ़ लाख रुपये की राशि दी जा रही है। इसी तरह छात्राओं को 10 लाख 51 हजार साइकिलें और लगभग 40 हजार स्कूटियां देकर बालिका शिक्षा को गति दी है।

शर्मा ने कार्यक्रम में लखपति दीदी योजना में उत्कृष्ट सखियों को टेबलेट वितरित किए। उन्होंने कहा कि तकनीक के साथ कदम मिलाकर बहनें अब डिजिटल दुनिया से भी जुड़ सकेंगी।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि आज महिलाएं केवल घर की चारदीवारी तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि हर क्षेत्र में अपनी निर्णायक भूमिका निभा रही है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

अमेरिका ने वेनेज़ुएला से तेल ले जा रहा टैंकर जब्त किया

नयी दिल्ली, 21 दिसंबर। अमेरिका ने वेनेज़ुएला से हाल ही में रवाना हुए एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया है। यह जानकारी अमेरिकी आंतरिक सुरक्षा विभाग ने दी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह इस महीने दूसरी बार है जब अमेरिका ने अपने तट के पास एक तेल ले जाने वाले जहाज को जब्त किया है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई उस समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि वे वेनेज़ुएला से आने-जाने वाले प्रतिबंधित तेल टैंकरों पर ''नाकाबंदी'' का आदेश दे रहे हैं। वेनेज़ुएला ने इस नवीनतम जब्ती की निंदा की है और इसे ''चोरी और अपहरण'' करार दिया है। वेनेज़ुएला पहले भी अमेरिका पर अपने संसाधनों को चुराने का आरोप लगा चुका है। वेनेज़ुएला सरकार के एक बयान में कहा गया, ''ये कृत्य बिना सजा के नहीं रहेंगे।'' सरकार ने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और ''अन्य बहुपक्षीय एजेंसियों तथा दुनिया के देशों'' के पास शिकायत दर्ज कराएगी। यह ऑपरेशन अमेरिकी कोस्ट गार्ड के नेतृत्व में किया गया, जो इस महीने की शुरुआत में हुई कार्रवाई जैसा ही था।

दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने पुलिस कांस्टेबल को कुचला

छुट्टी पर आया कांस्टेबल रात को खेत पर बन रहे नए मकान पर सोने के लिए जा रहा था

जयपुर, 21 दिसम्बर। जयपुर ग्रामीण जिले के रायसर थाना इलाके में दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने पुलिस कांस्टेबल को कुचल दिया, कांस्टेबल की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद चालक कार सहित फरार हो गया। पुलिस ने रविवार सुबह निम्स हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

थानाधिकारी हेमराज सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान अजबपुरा गांव निवासी राहुल बुनकर (28) के रूप में हुई है। राहुल उदयपुर जिले में गोगुंदा उपखंड अधिकारी के पीएसओ के रूप में तैनात था और तीन दिन पहले ही छुट्टी लेकर घर आया था।

- **पुलिस की जाँच में पता लगा कि हादसे में शामिल कार का रजिस्ट्रेशन नंबर उत्तर प्रदेश का है। कार को नीमराणा क्षेत्र में ट्रैक किया गया है। चालक की तलाश जारी है।**

पुलिस के अनुसार राहुल रात को खाना खाने के बाद घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत में बन रहे अपने नए मकान पर सोने के लिए पैदल जा रहा था। इसी दौरान घर से कुछ ही दूरी पर दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। सड़क पर गिरे राहुल को कार चालक रौंदता हुआ मौके से फरार हो गया।

राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजन गंभीर रूप से घायल राहुल को निम्स हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि हादसे में शामिल कार का रजिस्ट्रेशन नंबर उत्तर प्रदेश का है। जिसे नीमराणा क्षेत्र में ट्रेस किया गया है। चालक की तलाश की जा रही है।

राहुल के परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी और दो साल का बेटा है। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

रेलवे ने लंबी दूरी की यात्रा का किराया बढ़ाया

- **215 किमी से अधिक की यात्रा पर एक से दो पैसे प्रति किमी भाड़ा बढ़ा**
- **रेलवे के अनुसार, उसे इस बदलाव से सालाना 600 करोड़ रूपऐ की अतिरिक्त आमदनी होगी।**

नयी दिल्ली, 21 दिसंबर। रेलवे ने यात्री किराये के ढांचे में बदलाव करने का निर्णय लिया है, जिसके कारण लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रति किलोमीटर एक से दो पैसे अधिक चुकाने पड़ेंगे। नयी दरें 26 दिसंबर से प्रभावी होंगी।

रेलवे की ओर से रविवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि 215 किलोमीटर से कम दूरी की यात्रा करने वालों और मासिक सीजन टिकट की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। रेलवे के मुताबिक 215 किमी से ज्यादा के सफर पर साधारण श्रेणी के किराये में प्रति किमी एक पैसा किमी की बढ़ोतरी की गयी है। वहीं, मेल/एक्सप्रेस में गैर वातानुकुलित श्रेणी दो पैसा प्रति किमी किराया बढ़ाया जाएगा। इसके साथ एसी श्रेणी में भी दो पैसा प्रति किमी की बढ़ोतरी की गयी है। इसी तरह से गैर वातानुकुलित श्रेणी में 500 किमी की यात्रा करने पर पर यात्रियों को कुल मिलाकर मौजूदा किराया से 10 रुपये ज्यादा देने पड़ेंगे। रेलवे के मुताबिक इस बदलाव से उसे सालाना 600 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आमदनी होगी। रेलवे ने 215 किलोमीटर से कम के सफर पर किराए में वृद्धि नहीं की है। यानी कम दूरी की यात्राएं पहले की तरह ही रहेंगी। इसके अलावा, रोजाना सफर करने वाले यात्रियों के लिए भी राहत की खबर है। रेलवे ने उपनगरीय ट्रेनों और मंथली सीजन टिकट (एमएसटी) की टिकटों के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में लोकल ट्रेनों से सफर करने वाले लाखों यात्रियों पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। रेलवे के सूत्रों के मुताबिक टिकटों के दामों में बढ़ोतरी परिचालन लागत में हो रही वृद्धि और अवसंरचना विकास परियोनाओं के लिए राशि की पूर्ति के लिए जरूरी है।

महाराष्ट्र निकाय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्वीकार कर ली है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि उसने महायुति को फायदा पहुंचाने में भूमिका निभाई। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सापकाल ने यहां तक कहा, 'बीजेपी की ये जीत एक अलार्म है शिंदे और अजित पवार के लिए। बहुत जल्द बीजेपी दोनों सहयोगियों को बाहर का रास्ता दिखा देगी।' वहीं, इस नतीजे के बाद केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के चुनावी रणनीतिकार अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि यह नतीजा जनता का आशीर्वाद है। प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किए गए जनकल्याण कार्यों पर जनता का भरोसा दिखाता है।

महाराष्ट्र में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में भारी जीत पर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 129 शहरों के नगराध्यक्ष भाजपा के चुने गए हैं। 75 प्रतिशत नगराध्यक्ष महायुती के हैं। मोदी जी की सकारात्मकता और हमारे नेता अमित शाह जी, नड्डा जी, नबीन जी ने हम पर जो विश्वास जताया, वह हम सार्थक कर सके, इसका आनंदहै।

'बाँग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की भी मांग की। किसी भी समय बाड़ तोड़ने या सुरक्षा की स्थिति खराब करने की कोई कोशिश नहीं की गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने कुछ ही मिनटों में ग्रुप को तितर-बितर कर दिया। इन घटनाओं के विज़ुअल सबूत सभी के देखने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। भारत वियना कन्वेंशन के अनुसार अपने क्षेत्र में विदेशी मिशनों/पोस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।'' जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश में बदलती स्थिति पर कड़ी नज़र रखे हुए है। उन्होंने कहा, ''हमारे अधिकारी बांग्लादेशी अधिकारियों के संपर्क में हैं और हमने अल्पसंख्यकों पर हमलों पर कड़ी चिंता जताई है। हमने यह भी आग्रह किया है कि दास की बर्बर हत्या के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए।''

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि, कुछ सुधार दिखा है। शनिवार को कई इलाकों में एक्यूआई 500 के पार चला गया था। रविवार को दिन चढ़ने के साथ वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ। दोपहर करीब 12 बजे पीएम10 कणों का स्तर 270 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और अधिक खतरनाक पीएम 2.5 का स्तर 200 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया।

बहुचर्चित एप्स्टीन दस्तावेजों की 16 फाइलें गायब

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के एप्स्टीन के साथ संबंध बताए जाते हैं, पर अभी तक कोई विशिष्ट सबूत सामने नहीं आया है

वाशिंगटन, 21 दिसंबर। अमेरिकी विधि विभाग की वेबसाइट के उस विभाग से कम से कम 16 फाइलें गायब हो गई हैं, जहाँ फाइनेंसर जेफरी एप्स्टीन के मामले से संबंधित दस्तावेज प्रकाशित किये गये थे।

- **फायनैंसर जैफरी एप्स्टीन पर 2019 में संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में सेक्स ट्रैफिकिंग और अपराध करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। अमेरिकी विधि विभाग ने कांग्रेस में पारित कानून के तहत एप्स्टीन मामले की कुछ सामग्री जारी की थी।**

अमेरिकी विधि विभाग ने शनिवार को कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी और कई रिपब्लिकन सांसदों के समर्थन से पारित एक कानून के तहत एप्स्टीन मामले की कुछ सामग्री जारी की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के एप्स्टीन के साथ संबंध होने का संदेह है, हालांकि अभी तक कोई विशिष्ट सबूत पेश नहीं किया गया है कि अमेरिकी नेता बच्चों के यौन शोषण में शामिल थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, गायब फाइलों में नग्न महिलाओं की पेंटिंग की तस्वीरें शामिल थीं। साथ ही एक ऐसी तस्वीर भी गायब है जिसमें एक ड्रेसर और दराजों पर रखी तस्वीरों की एक श्रृंखला दिखाई गई थी, जिसमें एप्स्टीन, मेलानिया ट्रंप और एपस्टीन की लंबे समय तक सहयोगी रही गिसलेन मैक्सवेल के साथ ट्रंप की एक तस्वीर भी शामिल थी।

गौरतलब है कि एप्स्टीन पर 2019 में संयुक्त राज्य अमेरिका में सेक्स ट्रैफिकिंग और अपराध करने की साजिश रचने का आरोप लगाया गया था, जिसमें उसे 40 वर्षों से अधिक की जेल का सामना करना पड़ सकता था।

अभियोजकों के अनुसार, 2002 और 2005 के बीच एपस्टीन ने दर्जनों नाबालिग लड़कियों के साथ यौन संबंध बनाए, जिन्हें उसने न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा में अपने आवासों पर बुलाया था। वह उन्हें नकद भुगतान करता था और फिर कुछ पीड़ितों को और लड़कियों को लाने के लिए रिक्रूटर्स के रूप में नियुक्त करता था। कुछ पीड़ितों की उम्र मात्र 14 वर्ष थी।

जुलाई 2019 की शुरुआत में न्यूयॉर्क शहर की एक मैनहटन अदालत ने एप्स्टीन की पेशी के बाद उसे हिरासत में रखने का आदेश दिया और जमानत देने से इनकार कर दिया था। उसी वर्ष जुलाई के अंत में यह बताया गया कि एप्स्टीन जेल की एक सेल में आधी-बेहोशी की हालत में पाया गया था और बाद में उसकी मौत हो गयी थी। जाँच में निष्कर्ष निकाला गया कि उसने आत्महत्या की थी।

एप्स्टीन मामले में जनता की दिलचस्पी तब फिर से बढ़ गई जब ट्रंप प्रशासन वादे के मुताबिक फाइलों को सार्वजनिक करने में विफल रहा।

अमेरिकी राष्ट्रपति की आलोचना तब और तेज हो गई जब फेडरल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) और विधि विभाग ने कहा कि एप्स्टीन ने प्रभावशाली व्यक्तियों को ब्लैकमेल नहीं किया था और न ही कोई क्लाइंट लिस्ट रखी थी, जबकि अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने इसके विपरीत दावा किया था।

न्यूज़ीलैंड में सिखों के नगर कीर्तन का विरोध

अमृतसर, 21 दिसंबर। न्यूज़ीलैंड के साउथ ऑकलैंड में शनिवार को सिख समुदाय की ओर से आयोजित नगर कीर्तन के रास्ते को कुछ स्थानीय लोगों ने रोक दिया और विरोध प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनकारियों ने ''दिस इज न्यूजीलैंड, नॉट इंडिया'' और ''यह हमारी जमीन है, हमें रहने दो'' जैसे बैनर लहराए।

नगर कीर्तन गुरुद्वारा नानकसर ठाठ इशर दरबार से शुरू होकर अपने स्थान पर लौट रहा था। तभी करीब 30-35 स्थानीय प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन शुरू किया। यह लोग अपोस्टल बिशप ब्रायन तामाकी से जुड़े थे जो पेंटेकोस्टल चर्च के प्रमुख हैं। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी के साथ हाका प्रदर्शन भी किया। हालांकि, न्यूजीलैंड पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और प्रदर्शनकारियों को रास्ते से हटा दिया।

इस विरोध के दौरान सिख समुदाय के लोग असमंजस में पड़ गए क्योंकि विरोध की कोई स्पष्ट वजह नहीं थी। सिख समुदाय ने पूरी तरह से संयम दिखाया। न्यूज़ीलैंड पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर शांति बनाई और नगर कीर्तन को गुरुद्वारे तक पहुंचने दिया।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस घटना पर कहा कि न्यूज़ीलैंड एक विकसित देश है और इस प्रकार की घटना वहां पहले कभी नहीं देखी गई।

तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा पार्षदों ने आरएसएस का प्रार्थना गीत गाया

वाम मोर्चा ने कड़ा विरोध करते हुए कहा कि विशिष्ट वैचारिक संगठन से जुड़ा गीत गाना मर्यादा का उल्लंघन है

तिरुवनंतपुरम, 21 दिसंबर। केरल के तिरुवनंतपुरम नगर निगम के नवनिर्वाचित पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान रविवार को उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पार्षदों ने परिषद हॉल के अंदर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ा एक प्रार्थना गणगीत गाया।

शपथ ग्रहण समारोह में कुल 100 पार्षदों ने शपथ ली, जिनमें भाजपा के 50, वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के 29, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के 19 और दो निर्दलीय पार्षद शामिल थे। औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के तुरंत बाद भाजपा पार्षद अपनी जगह पर खड़े हो गए और परम पवित्र शब्दों से शुरू होने वाले गणगीत का गान किया। पारंपरिक रूप से यह गीत आरएसएस की शाखाओं में गाया जाता है।

भाजपा पार्षदों के इस कदम का विपक्षी सदस्यों ने कड़ा विरोध किया।

- **भाजपा पार्षदों का कहना है कि गणगीत एक सांस्कृतिक और भक्तिपूर्ण प्रार्थना है। इसका उद्देश्य विवाद पैदा करना नहीं है।**

एलडीएफ पार्षदों ने आरोप लगाया कि एक आधिकारिक नागरिक समारोह के दौरान एक विशिष्ट वैचारिक संगठन से जुड़ा गीत गाना मर्यादा का उल्लंघन है। उन्होंने इसे संवैधानिक ढांचे में धार्मिक और वैचारिक प्रतीकों को शामिल करने का प्रयास बताया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पार्षदों ने इसे ''सांप्रदायिक एजेंडा'' थोपने और औपचारिक संवैधानिक समारोह की पवित्रता को कम करने की कोशिश करार दिया। आलोचनाओं का जवाब देते हुए भाजपा पार्षदों ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि गणगीत एक सांस्कृतिक और भक्तिपूर्ण प्रार्थना है और इसका उद्देश्य विवाद पैदा करना नहीं था। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि अन्य दलों के सदस्यों ने भी समारोह के दौरान नारेबाजी की थी और उनके इस कृत्य से शपथ ग्रहण प्रक्रिया के किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं हुआ है।

पुलिस ने सरना डूंगर में नकली घी बनाने की फैक्ट्री पकड़ी

मौके पर 7500 लीटर नकली घी बरामद हुआ तथा चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 21 दिसम्बर। खोरा बिसल पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) पश्चिम ने सरना डूंगर फैक्ट्री एरिया में नकली घी बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया और मौके से 7500 लीटर नकली घी बरामद किया। पुलिस ने चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। जबकि एक मुख्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

- **पुलिस के अनुसार, वनस्पति घी और रिफाइंड सोयाबीन ऑयल में एसेंस मिलाकर नकली घी तैयार किया जाता था। फैक्ट्री में सरस, अमूल, लोटस व कृष्णा आदि, नामी ब्रांड के नाम नकली घी की पैकिंग की जा रही थी।**

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि फैक्ट्री में सरस, अमूल, लोटस, कृष्णा सहित अन्य नामी ब्रांड के नाम से नकली घी की पैकिंग की जा रही थी। घी को 15 किलो, 1 किलो और 500 ग्राम के डिब्बों में भरकर बाजार में सप्लाई किया जाता था। जांच में सामने आया कि वनस्पति घी और रिफाइंड सोयाबीन ऑयल में एसेंस मिलाकर नकली घी तैयार किया जा रहा था। फैक्ट्री से कच्चे माल के 10 पीपे, घी बनाने की मशीन, करीब 8 हजार नकली रैपर और अन्य पैकेजिंग सामग्री जब्त की गई है।

प्रारंभिक जांच में रोजाना लगभग 2000 लीटर नकली घी तैयार किए जाने का खुलासा हुआ है। फैक्ट्री के भीतर शटर बंद कर चोरी-छिपे यह अवैध कारोबार चलाया जा रहा था और नकली घी सीधे दुकानदारों को सप्लाई किया जाता था। मौके पर खाद्य सुरक्षा विभाग और सरस डेयरी के अधिकारियों को बुलाकर जांच कराई गई। सरस ब्रांड के दुरुपयोग को लेकर लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने कॉपीराइट एक्ट, ट्रेडमार्क एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्रवाई की सूचना पर खाद्य सुरक्षा विभाग और सरस डेयरी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और नमूने लिए। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर नकली घी के सप्लाई नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों की जानकारी जुटा रही है।

राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे पहले संसद ने देश के ग्रामीण रोज़गार और विकास ढांचे में एक निर्णायक सुधार का मार्ग प्रशस्त करते हुये इस विधेयक को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम, 2005 (मनरेगा) के स्थान पर पेश किया था जिसे संसद के दोनों सदनों की मंजूरी मिल गयी थी। यह अधिनियम आजीविका सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाला एक आधुनिक वैधानिक ढांचा प्रदान करता है, जो विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विज़न के अनुरूप है।

यह अधिनियम प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 125 दिनों के मज़दूरी रोज़गार की वैधानिक गारंटी प्रदान करता है, बशर्ते परिवार के वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक कार्य करने के इच्छुक हों।

पूर्व में उपलब्ध 100 दिनों के रोजगार के अधिकार की तुलना में यह वृद्धि ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सुरक्षा प्रदान करती है, काम को पहले से अनुमानित करती है और उनकी आय को अधिक स्थिर बनाती है। इसके साथ ही उन्हें राष्ट्रीय विकास में अधिक प्रभावी और सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाती है।

छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर की केरल में मॉब लिंचिंग से मौत

'यह घटना देश भर में काम करे रहे प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा पर चिंता बढ़ाती है'

रायपुर, 21 दिसंबर। केरल के पलक्कड़ जिले में छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूर रामनारायण बघेल की कथित मॉब लिंचिंग से हुई निर्मम हत्या को लेकर छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष के नेता डॉ. चरणदास महंत ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस मामले में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर त्वरित हस्तक्षेप, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

चरणदास ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करके कहा कि केवल संदेह के आधार पर एक प्रवासी श्रमिक की पीट-पीटकर हत्या मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। उन्होंने बताया कि मृतक के शरीर पर 80 से अधिक गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं, जो घटना की भयावहता को

- **छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष के नेता चरणदास महंत ने यह भी कहा कि राज्य सरकार को केरल सरकार से तत्काल समन्वय स्थापित करके निष्पक्ष, त्वरित व कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करनी चाहिए।**
- **महंत ने कहा कि केवल संदेह के आधार पर प्रवासी मजदूर की पीट-पीट कर हत्या मानवता को शर्मसार करती है।**

दर्शाते हैं।

उन्होंने ने मांग की मृतक की पार्थिव देह को शीघ्र और सम्मानपूर्वक छत्तीसगढ़ लाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं।

डॉ. महंत ने पीड़ित परिवार के लिए तत्काल आर्थिक सहायता, परिवार के एक पात्र सदस्य को सरकारी नौकरी तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा हेतु अंतर-राज्यीय समन्वय तंत्र को मजबूत करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि शासन की संवेदनशीलता और त्वरित हस्तक्षेप से न केवल पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा, बल्कि यह भी संदेश जाएगा कि राज्य सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

'संघ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर तारीफ़ की, और कहा कि आरएसएस सामाजिक बदलाव की उस विरासत को आगे बढ़ाना चाहता है। उन्होंने कहा कि अपनी शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में, आरएसएस की सच्चाई को जनता के सामने रखने के लिए कोलकाता, दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में लेक्चर और बातचीत के सेशन आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अन्य स्रोतों के बजाय तथ्यों के आधार पर राय बनाने का आग्रह किया।

हरियाणा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आकस्मिक चैकिंग की गई और पुलिस थाना साइबर क्राइम सिरसा हरियाणा के उप निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार व पुलिस स्टाफ के अन्य सदस्यों को वाहन संख्या एचआर 24 जीबी 2222 में 6 लाख रुपये की अवैध संदिग्ध रिश्वत राशि सहित परिवहन करते हुये पकड़ा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908